खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-289

बांग्लादेश में एक गंभीर और सुनियोजित साजिश का खुलासा

बांग्लादेशी सेना की जगह लेगी इस्लामी मिलिशिया

बांग्लादेश में एक गंभीर और सुनियोजित साजिश का खुलासा हुआ है। राजनीतिक बयानबाजी और भेदभाव-विरोधी मुखौटे के पीछे, मुहम्मद यूनुस ने शैतानी परियोजना शुरू की है जो दक्षिण एशिया में सबसे गंभीर सुरक्षा संकट को जन्म दे सकती है।

शुभ-लाभ चिंता

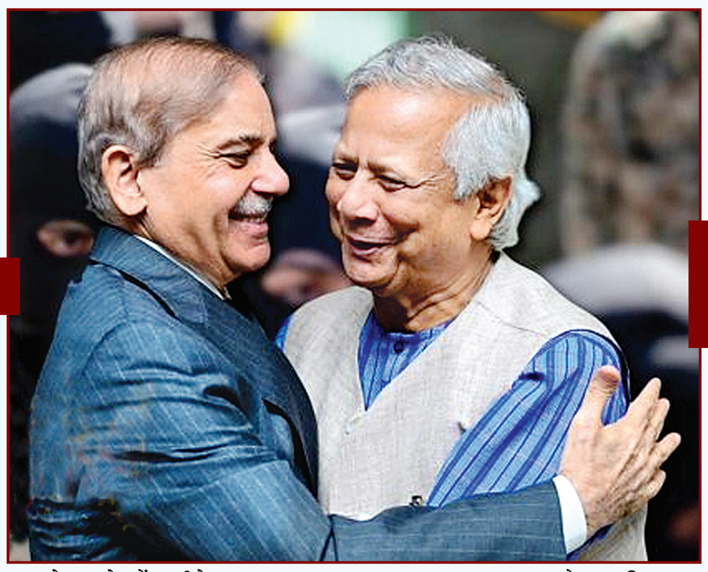

बांग्लादेश में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी (आईआरए) के गठन का काम चल रहा है, जिसका उद्देश्य बांग्लादेशी सेना की जगह यूनुस और उसके इस्लामी सहयोगियों के प्रति वफादार मिलिशिया को स्थापित करना और पड़ोसी देश खासकर भारत में इस्लामिक खुराफातों को बढ़ावा देना है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी के गठन की कवायद कट्टरपंथी इस्लामवाद, विदेशी खुफिया साठगांठ और नागरिक नेटवर्क के सैन्यीकरण के सुनियोजित प्रयासों का खतरनाक संगम है। अगर इसे रोका नहीं गया, तो इसके परिणाम बांग्लादेश को एक उदार मुस्लिम लोकतंत्र से दक्षिण एशिया में जेहादियों के विस्तार के लिए एक लॉन्चपैड में बदलने वाले हैं। बीते 20 अक्टूबर 2025 को यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ। यूनुस शासन के एक प्रभावशाली और विवादास्पद सलाहकार, आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने सात प्रशिक्षण केंद्रों में 8,850 लोगों की भर्ती और प्रशिक्षण की सार्वजनिक घोषणा की। भुयान ने कहा, प्रशिक्षुओं को मार्शल आर्ट, जूडो, ताइक्कांडो और आग्नेयास्त्रों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। भुयान का यह बयान एक फ्लैश की तरह सार्वजनिक हुआ और कुछ ही घंटों में गायब हो गया। खुफिया एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की कि यह बड़ी योजना का पहला चरण है। 8,850 रंगरूटों वाले कम से कम पांच क्रमिक बैचों को जनवरी 2026 तक प्रशिक्षण पूरा करना है। भर्ती प्रक्रिया में लिखित, मौखिक और शारीरिक परीक्षाएं शामिल हैं। सभी की देखरेख पाकिस्तान समर्थक मजबूत झुकाव वाले सेवानिवृत्त बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ-साथ पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और तुर्की की मिल्ली इस्तिहबारत टेस्किलाती (एमआईटी) के गुप्त प्रतिनिधियों द्वारा की जाएगी। यह

यूनुस की शैतानी परियोजना को सोरोस-गिरोह की मदद

सामान्य सुरक्षा अभ्यास नहीं हैं। चयनित रंगरूटों, पुरुष और महिला दोनों को पाकिस्तान और तुर्की में उन्नत कमांडो और जासूसी प्रशिक्षण के लिए तैयार किया जा रहा है। खुफिया आकलन बताते हैं कि इनमें से कुछ गुर्गों को बाद में विदेशों में, विशेष रूप से भारत, नेपाल और म्यांमार के साथ-साथ पश्चिमी देशों में विध्वंसक या खुफिया जानकारी जुटाने वाले मिशनों को अंजाम देने के लिए तैनात किया जाएगा।

इस सशस्त्र गठन का वैचारिक औचित्य यूनुस शासन से संबद्ध इस्लामी संगठनों, विशेषकर जमात-ए-इस्लामी द्वारा प्रचारित व्याख्या (नैरेटिव) में निहित है। 27 सितंबर 2025 को जमात के नायब-ए-अमीर डॉ. सैयद अब्दुल्ला मुहम्मद ताहिर ने न्यूयॉर्क में एक सभा में घोषणा की कि जमात के 50 लाख युवा भारत के विरुद्ध आजादी की लड़ाई के लिए तैयार हैं। उसने कहा, यदि भारत बांग्लादेश में प्रवेश करता है तो 1971 में हम पर लगाया गया बदनामी का दाग मिट जाएगा। हम खुद को सच्चे स्वतंत्रता सेनानी साबित करेंगे। जमात के 50 लाख युवाओं का एक हिस्सा गुरिल्ला युद्ध में शामिल होगा, जबकि बाकी भारत के अंदर गजवा-ए-हिंद को लागू करने के लिए फैलेंगे। यह बयानबाजी प्रतीकात्मक नहीं है। यह जेहादी युद्ध सिद्धांत की प्रतिध्वनि है, भारत को दुश्मन के रूप में चित्रित करती है और ऐतिहासिक अपमान की भरपाई के खिलाफ एक पवित्र युद्ध का महिमामंडन करती है। बांग्लादेश के सुरक्षा प्रतिष्ठान के लिए यह 1971 के संशोधनवाद का खतरनाक पुनरुत्थान है।

▶10 पर

छात्रावासों में जमा हो रहा है हथियारों का जखीरा

इसी 21 अक्टूबर को बांग्लादेश के अनुभवी राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ बीएनपी नेता मेजर (सेवानिवृत्त) मोहम्मद अख्तरुज्जमां रंजन ने यह सनसनीखेज खुलासा किया कि बांग्लादेश में एक नया सशस्त्र बल बनाने की कोशिशें चल रही हैं। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि विश्वविद्यालय के हॉल में ढेर सारे हथियार जमा किए जा रहे हैं। छात्रावासों में हथियारों का जखीरा छिपा कर जमा किया जा रहा है। यह आने वाले दिनों में राजनीतिक लामबंदी के रूप में छिपे सशस्त्र संघर्ष की आशंका का संकेत दे रहा है। मेजर अख्तरुज्जमां ने दावा किया कि ऐसे हथियारों को वापस पाने के लिए, विदेशी सशस्त्र बलों की आवश्यकता पड़ेगी। बांग्लादेश के सशस्त्र बल उन्हें वापस नहीं पा सकेंगे। फिर गृह युद्ध छिड़ जाएगा।

रिटायर्ड सेनाधिकारी ने कहा, इसीलिए यूनुस सरकार बांग्लादेश सेना का मनोबल गिराने की कोशिशों में लगी है। भविष्य में बांग्लादेश और इस पूरे भूभाग की रक्षा खतरे में पड़ जाएगी। कुल मिलाकर देश को ऐसी स्थिति में पहुंचाया जा रहा है कि वह पड़ोसी देश भारत को रहनुमा या संरक्षक के तौर पर नहीं बल्कि शत्रु की तरह देखे, जैसा पाकिस्तान देखता है और दिखाना चाहता है।

बिहार के बाद प. बंगाल: कटेंगे फर्जी मतदाताओं के नाम

बंगाल में भी शुरू हुआ मतदाता सूची का संशोधन

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू की है। प्रक्रिया की शुरुआत बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से हुई। इसी कड़ी में अब पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले एसआईआर प्रक्रिया जारी है। एसआईआर को लेकर बंगाल में भी सत्ताधारी पार्टी समेत कई राजनीतिक दलों का विरोध और तीखी बयानबाजियां शुरू हो गई हैं।

दूसरी तरफ एसआईआर के काम में कोताही बरतने वाले कम से कम एक हजार बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के खिलाफ चुनाव आयोग ने नोटिस जारी की है। पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी निर्देशों का पालन न करने के आरोप में इनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। यह कार्रवाई जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत हुई है। संबंधित सभी बीएलओ ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की बार-बार अपील के बावजूद ईआरओ-नेट पोर्टल पर अपने नाम दर्ज नहीं कराए थे। इसी को आधार बनाते हुए नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस में कहा गया है कि ऐसा न करना जानबूझकर की गई लापरवाही और

एक हजार लापरवाह बीएलओ को आयोग की नोटिस

कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा है, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के उल्लंघन के बराबर है। इस धारा के तहत निर्वाचन कार्य में नियुक्त सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। नोटिसों में इसका भी जिक्र किया गया है कि चुनावी कामकाज के दौरान बीएलओ भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के प्रतिनियुक्ति पर माने जाते हैं और उसके अनुशासनात्मक नियंत्रण के अंतर्गत होते हैं। इन सभी बूथ स्तरीय अफसरों से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है कि उनके खिलाफ जानबूझकर लापरवाही और सरकारी आदेश की अवहेलना के लिए अनुशासनात्मक या दंडात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। अधिकारी ने बताया कि तय समय सीमा के भीतर जवाब न देने की स्थिति में यह माना जाएगा कि संबंधित अधिकारी के पास कोई वैध कारण नहीं है, और फिर विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम बंगाल में शुरू हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह भाजपा के दबाव में काम कर रहा और एसआईआर को एनआरसी की तरह लागू करने की साजिश कर रहा है। ममता ने दावा किया कि जैसे एनआरसी में नागरिकों और घुसपैठियों की पहचान की गई थी, उसी तरह एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची से कुछ लोगों को बाहर किया जा सकता है, खासकर उन समुदायों के मतदाता जिन्हें भाजपा अवैध मान सकती है।

हालांकि चुनाव आयोग स्पष्ट कर चुका है बंगाल में एसआईआर के दौरान कोई भी वैध मतदाता सूची से बाहर नहीं होगा। यह आश्वासन राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने दिया। उन्होंने कहा कि कानून के निर्धारित की प्रक्रिया की जाएगी। ▶10 पर

भारत ने अफगानिस्तान से किया वादा निभाया

काबुल में खुल गया भारतीय दूतावास

काबुल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत दौरे के बाद तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के अफगानिस्तान लौटते ही भारत ने काबुल में दूतावास खोलने की घोषणा कर दी। मंगलवार 21 अक्टूबर को भारत ने काबुल में अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देकर अफगानिस्तान को दिया अपना वादा निभा दिया।

विदेश मंत्रालय ने कहा, हाल ही में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार भारत सरकार ने काबुल में भारत के तकनीकी मिशन को भारत का दूतावास का दर्जा देने का निर्णय लिया है। यह कदम भारत की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह अफगान पक्ष के साथ परस्पर हित के सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को और गहरा करना चाहता है।

उल्लेखनीय है कि तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी 9 से 16 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर थे। भारत दौरे के दौरान भी मुत्तकी ने भारत के काबुल में दूतावास खोलने पर बात की थी। काबुल में दोबारा भारतीय दूतावास खुलते ही अफगानिस्तान ने भी रिटर्न गिफ्ट दे दिया। अफगानिस्तान के उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर तापी

अफगानिस्तान ने तापी प्रोजेक्ट के प्रति दृढ़ता दिखाई

(तापी) गैस लाइन प्रोजेक्ट देखने पहुंच गए। यह प्रोजेक्ट तुर्कमेनिस्तान से अफगानिस्तान और पाकिस्तान होते हुए भारत तक प्राकृतिक गैस पहुंचाने के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना है। तापी पाइपलाइन प्रोजेक्ट के तहत भारत को प्राकृतिक गैस पहुंचाई जाएगी। इसकी दूरी करीब 1800 किलोमीटर के आसपास होगी। इस पाइपलाइन में हर साल लगभग 33 बिलियन घन मीटर गैस ले जाने की क्षमता होगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य तुर्कमेनिस्तान के गैस भंडार को भारत-पाकिस्तान में पहुंचाना है। तापी पाइपलाइन प्रोजेक्ट से भारत को काफी फायदा होने वाला है। इससे भारत में औद्योगीकरण, आबादी और शहरों के विस्तार से ऊर्जा की मांग बहुत तेजी से बढ़ेगी। इस पाइपलाइन से भारत को अलग सोर्स से गैस मिलेगी, जिससे मध्यपूर्व या समुद्री रास्तों पर निर्भरता कम होगी। ये गैस कोल या तेल की तुलना में स्वच्छ है, जिससे शहरों में प्रदूषण कम होगा और पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर है। आर्थिक लाभों को देखा जाए तो ये पाइपलाइन सस्ती और बेहतर गैस आपूर्ति से भारत में फैक्ट्रियां, उर्वरक उद्योग, पावर प्लांट आदि को फायदा होगा। गैस की ऐसी आपूर्ति आने से भारत की ऊर्जा-आयात लागत कम होगी, जिससे ट्रेड बैलेंस में सुधार होगा।

भारत-अफगानिस्तान के बीच बेहतर होते संबंधों का असर यह पड़ा कि पाकिस्तान ने फिर से रुदाली शुरू कर दी।

▶10 पर

शेयर व्यापार के एक प्रभावशाली युग का अंत

बंद हो गया कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज

कोलकाता, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कभी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से मुकाबला करने वाली 117 साल पुरानी कोलकाता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) ने अपना काम समेट लिया है। कई सालों के कानूनी और नियामक अड़चनों के बाद सीएसई ने अपनी आखिरी काली पूजा और दिवाली का जश्न मनाया और सोमवार (20 अक्टूबर 2025) को स्थाई रूप से काम करना बंद कर दिया। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 2013 में सीएसई का ट्रेडिंग निलंबित कर दिया था क्योंकि यह नियामक मानकों का पालन नहीं कर पा रही थी। पिछले दस साल में ट्रेडिंग को पुनर्जीवित करने और सेबी के फैसले को चुनौती देने के प्रयासों के बावजूद एक्सचेंज ने पूरी तरह से बंद होने का निर्णय लिया। पहले सीएसई ने सेबी के आदेशों को अदालत में चुनौती देने का इरादा रखा था, लेकिन अनुकूल फैसला पिछले साल तक संभव नहीं था। दिसंबर 2024 में सीएसई बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट और कोलकाता हाई कोर्ट में लंबित मामलों को वापस लेने का निर्णय लिया। इसके बाद उसने स्वयं से बाहर निकलने का अनुरोध किया। ▶10 पर

केरल ने तमिलनाडु और प. बंगाल को दिखाया ठेंगा

पीएमश्री योजना में शामिल हुई केरल सरकार

तिरुअनंतपुरम, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल सरकार ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को ठेंगा दिखाते हुए भारत सरकार की पीएमश्री योजना में शामिल होने की घोषणा कर दी है। केरल सरकार का पीएमश्री योजना में शामिल होना केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीति की जीत मानी जा रही है। भगवाकरण का शोर मचाने वाली केरल सरकार ने आखिरकार यह समझ लिया कि बच्चों का भविष्य राजनीति से बड़ा है।

कभी संसद की चौखट पर खड़े होकर शिक्षा का भगवाकरण चिल्लाने वाली केरल सरकार ने आखिरकार अपनी जिद छोड़ दी। केरल के शिक्षा मंत्री वी. सिवनकुट्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की कि राज्य सरकार उभरते भारत के लिए बेहतर स्कूल यानि प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) योजना के समझौते पर दस्तखत करेगी। इस हस्ताक्षर के साथ ही केरल

सरकार ने माना, बच्चों का भविष्य राजनीति से बड़ा

सरकार को डेढ़ हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के केंद्रीय फंड्स मिलेंगे जो शिक्षकों के लंबित वेतन चुकाने, छात्रों को ग्रांट्स पहुंचाने और शिक्षा विभाग के चरमराते बजट को सांस देने के लिए बेहद मजबूती से मदद करेंगे। केरल सरकार का यह बदला हुआ रवैया देश की राजनीति में भूचाल ला चुका है। सहयोगी दल सीपीआई के नेता कैबिनेट में चर्चा न होने का रोना रो रहे हैं। कांग्रेस वाले सीपीएम-भाजपा का सीक्रेट गठजोड़ चिल्ला रहे हैं। जबकि एबीवीपी जैसे संगठन जीत का बिगुल बजा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी बहस का सैलाब उमड़ पड़ा है।

उल्लेखनीय है कि पीएमश्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) केंद्र सरकार की एक मेगा पहल है, जो 2022 के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषित की थी। इसका मकसद देशभर के मौजूदा सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों को मॉडल स्कूल में बदलना है। ▶10 पर

जम्मू कश्मीर में जगमगाए सौहार्द के दीये

लाल चौक पर सजा राम का दरबार

श्रीनगर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

श्रीनगर के जिस लाल चौक पर कभी डर और आतंक का माहौल होता था वह इस दिवाली पर दीपों की रौशनी से जगमगा उठा। भगवान राम के अयोध्या आगमन की खुशी में इसे हजारों दीयों से सजाया गया। यहां राम दरबार भी सजा। बदलाव की बयार के इस अद्भुत नजारे को देखकर पर्यटक ही नहीं, स्थानीय लोग भी खुशी से झूम उठे। कश्मीर में ऐसी शानदार और भव्य दिवाली मनेगी, ऐसा किसी ने सोचा नहीं था।

दीपोत्सव कार्यक्रम के लिए पूरे लाल चौक को दो दिन पहले ही खूबसूरत गुलदाउदी के फूलों से सजा दिया गया था। पास ही में घंटाघर के नीचे दीपों से जय भारत और ऑपरेशन सिंदूर के वीर जवानों का उत्साह बढ़ाने के लिए सिंदूर भी लिखा गया, जो लोगों के बीच देशप्रेम की भावना को और मजबूत कर रहा था। यहीं पर एक वाहन में सजा राम दरबार लगाया गया। शाम करीब 6 बजे से आरती शुरू हुई और देर रात तक भगवान श्रीराम के भजनों के स्वर गूंजते रहे। कार्यक्रम का आयोजन ज्योतिर्मठ की ओर से किया गया। आयोजकों, स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने यहां मिलकर दीप जलाए। ▶10 पर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बांग्लादेश में जुलाई विद्रोह के दौरान हुए हत्याकांड में 15 मौजूदा सैन्य अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, आईसीटी ने जेल भेजा

ढाका, 22 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) ने मौजूदा सैन्य अधिकारियों को जेल भेजने का आदेश दिया। इन सभी पर जुलाई विद्रोह के दौरान हत्या करने और दो लोगों को गायब करने का आरोप है। आईसीटी-1 के आदेश के बाद इन सभी सैन्य अफसरों को वैन से जेल ले जाया गया। इन सैन्य अधिकारियों को कड़ी सुरक्षा के बीच आईसीटी-1 के सामने पेश किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इन 15 अफसरों को पहले बांग्लादेश की सेना ने हिरासत में लिया। इसके बाद सभी को कड़ी सुरक्षा के बीच आईसीटी-1 मुख्यालय ले जाया गया। मुख्यालय के आसपास बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) और पुलिस का कड़ा पहरा रहा। आईसीटी-1 का आदेश आते ही सैन. अधिकारियों को हरे रंग की एसी सुविधा वाली विशेष जेल वैन में ले जाया गया। मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने आईसीटी-1 की कार्यवाही के बाद संवाददाताओं को बताया कि सुनवाई के बाद न्यायाधिकरण ने सभी 15 अधिकारियों को जेल भेजने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार जेल अधिकारियों के साथ मिलकर यह तय करेगी कि इन अधिकारियों को जेल में किस सुविधा में रखा जाएगा। ये अधिकारी हैं-मेजर जनरल शेख मोहम्मद सरवर हुसैन, ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद जहांगीर आलम, तोफायेल मुस्तफा सरवर, मोहम्मद कमरुल हसन, मोहम्मद महबूब आलम, मोहम्मद महबूबुर रहमान सिद्दीकी और अहमद तनवीर मजहर सिद्दीकी, कर्नल अनवर लतीफ खान, एकेएम आजाद, अब्दुल्ला अल मोमेन और मोहम्मद सरवर बिन कासिम, लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद मोशिउर रहमान ज्वेल, सैफुल इस्लाम सुमन और मोहम्मद रेदोवानुल इस्लाम और मेजर रफत बिन आलम मून। मुख्य अभियोजक ने बताया कि न्यायाधिकरण ने हत्या के मामले और गुमशुदगी के मामलों की अगली सुनवाई की तारीख क्रमश: 5 नवंबर और 20 नवंबर तय की है। इससे पहले 8 अक्टूबर को आईसीटी-1 ने इन मामलों में 32 आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इनमें से 25 सेवारत और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं। इन आरोपितों में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल और तीन पूर्व महानिदेशक शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन के साथ ट्रंप की दूसरी शिखर वार्ता फिलहाल नहीं होगी

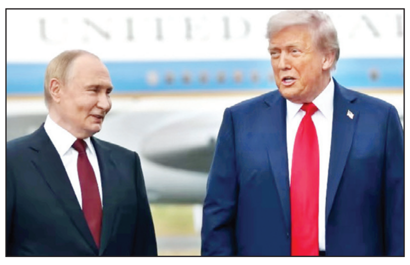

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ दूसरी शिखर वार्ता फिलहाल नहीं होगी। यह वार्ता बुडापेस्ट में प्रस्तावित थी। एक प्रशासनिक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि दोनों नेताओं के बीच निकट भविष्य में शिखर सम्मेलन की कोई योजना नहीं है। यह बदलाव ट्रंप की गुरुवार को एक फोन कॉल के बाद दिए गए बयान के बाद हुआ है। ट्रंप ने कहा था कि वह दोनों दो सप्ताह के भीतर मिलेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह नहीं चाहते कि यह मुलाकात समय की बर्बादी हो। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि वह रूसी नेता से अभी भी मिल सकते हैं, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि यह अब उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं है। राष्ट्रपति ने संवाददाताओं से कहा, हम अगले दो दिनों में आपको सूचित करेंगे कि हम क्या कर रहे हैं। ट्रंप ने पिछले गुरुवार को कहा था कि अमेरिका और रूस इस बात पर सहमत हुए हैं कि अगले सप्ताह हमारे उच्च स्तरीय सलाहकारों की बैठक होगी। इसके बाद अधिकारियों ने उम्मीद जताई थी कि विदेशमंत्री मार्को रुबियो अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मिलकर ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन की नींव रखेंगे। अधिकारियों ने बताया कि राजनयिक संपर्क भी अब नहीं हो रहा है। एक सूत्र ने बताया कि रुबियो और लावरोव की यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के संभावित अंत को लेकर अलग-अलग उम्मीदें थीं। रुबियो और लावरोव ने सोमवार को फोन पर बात की। प्रशासनिक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि रुबियो और लावरोव के बीच बातचीत सार्थक रही। इसलिए, दोनों के बीच आमने-सामने की मुलाकात जरूरी नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप की निकट भविष्य में पुतिन से मुलाकात की कोई योजना नहीं है।

क्वेटा में पुलिस और सीटीडी का वकील के घर छापा, भाई को उठा ले गए, बार एसोसिएशन ने दी सरकार को चेतावनी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में पुलिस और काउंटर टेररिज्म

डिपार्टमेंट (सीटीडी) की ज्यादती के खिलाफ वकील आंदोलन पर उतर आए हैं। क्वेटा बार एसोसिएशन ने सरकार को चेतावनी देते हुए वकील फरहान सासोली के घर से उनके भाई को उठा ले जाने के विरोध में आंदोलन की चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, क्वेटा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कारी रहमतुल्लाह एडवोकेट ने वकील फरहान सासोली के घर पर पुलिस और सीटीडी के छापे को असंवैधानिक बताते हुए उनके भाई नौमान को उठा ले जाने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि बार ऐसी घटनाओं को स्वीकार नहीं करेगा। अदालतों का शांतिपूर्ण तरीके से बहिष्कार शुरू कर दिया गया है। उन्होंने यह बात क्वेटा कचहरी के बार रूम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यह सीधे-सीधे अपहरण की घटना है। उन्होंने कहा कि जैसे ही हमें इसकी जानकारी मिली, हमने अदालतों का बहिष्कार कर दिया। जब तक उनके भाई को छोड़ा नहीं जाता तब तक अदालतों का बहिष्कार जारी रहेगा। कारी ने कहा कि पूरे बलूचिस्तान में अदालतों का बहिष्कार करने की रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की तरह विरोध प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है। जहां भी मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा, हम आवाज बुलंद करेंगे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट खुफिया और आतंकवाद विरोधी विभाग है। यह मुल्क की प्रांतीय पुलिस सेवाओं का हिस्सा है। इसका गठन विभिन्न प्रकार के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए किया गया है।

स्लोवाक प्रधानमंत्री फिको पर हमला करने वाले को 21 साल की सजा

बांस्का बिस्त्रिका (स्लोवाकिया)। स्लोवाकिया की एक अदालत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर गोली चलाने वाले आरोपित जुराज सिंटुला को आतंकवाद का दोषी करार देते हुए 21 साल की जेल की सजा सुनाई। 72 वर्षीय सिंटुला ने मई 2024 में हंडलोवा शहर में फिको पर करीब एक मीटर की दूरी से पांच गोलियां चलाई थीं, जिनमें चार फिको को लगीं। फिको को पेट, कूल्हे, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं। अदालत में सिंटुला ने माना कि उसने गोली चलाई, लेकिन उसका उद्देश्य फिको को मारना नहीं, बल्कि उनकी नीतियों को रोकना था। उसने अदालत के बाहर कहा कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेगा, क्योंकि यह अन्यायपूर्ण है। इस हमले ने स्लोवाक समाज में गहरी राजनीतिक विभाजन रेखा उजागर कर दी। फिको ने अपने विरोधियों पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी बयानबाजी भविष्य में और हिंसा को जन्म दे सकती है। फिको 2023 में सत्ता में लौटे थे और उन्होंने यूक्रेन को सैन्य सहायता समाप्त करने, मीडिया सुधार और आपराधिक कानून में बदलाव जैसे विवादास्पद फैसले लिए थे।

इजराइल ने किया हमास-अल जजीरा गठजोड़ का खुलासा, कहा-आतंकवाद का प्रचार पत्रकारिता नहीं

तेल अवीव, 22 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इजराइल ने कतर से संचालित अंतरराष्ट्रीय टीवी चैनल अल जजीरा और आतंकवादी समूह हमास के गठजोड़ का खुलासा करते हुए आरोप लगाया है कि चैनल खासतौर पर गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान हमास के दुष्प्रचार का माध्यम बना और उसके आतंकियों को मनोवैज्ञानिक संबल देता रहा। अल जजीरा के लिए काम करने वालों में हमास के आतंकी और रॉकेट लॉन्चर बनाने वाले तक शामिल रहे। इसे किसी भी तरह से ईमानदार और तटस्थ पत्रकारिता नहीं कहा जा सकता।

इजराइल के मीर अमेट खुफिया और आतंकवाद सूचना केंद्र (इजराइली खुफिया विरासत और स्मारक केंद्र) ने साक्ष्यों के साथ 20 अक्टूबर को एक वृत्तचित्र में दोनों के संबंधों और सहयोग का पर्दाफाश करते हुए संगीन आरोप जड़े हैं। इजराइल सरकार के एक्स पर आधिकारिक एकाउंट पर एक पोस्ट में यह जानकारी 21 अक्टूबर को साझा की गई। वृत्तचित्र में बताया गया है कि 1996 में स्थापित अल जजीरा कतर के शासक का चैनल है। सनद रहे, इंटरनेट पर यह तथ्य सार्वजनिक है कि इसकी स्थापना पहली नवंबर, 1996 को कतर के तत्कालीन अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी ने की थी।

इस वृत्तचित्र में आरोप लगाया गया है कि कतर के शाही परिवार के नियंत्रण में संचालित अल जजीरा नेटवर्क बेशक अरब जगत के सबसे प्रमुख मीडिया संस्थानों में से एक है। मगर इसने वर्षों से इसने हमास और कट्टरपंथी सुन्नी इस्लाम के एजेंडे को बढ़ावा दिया है। गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान इस चैनल ने हमास के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के संदेशों का प्रसारण किया। बंधकों के वीडियो, उनकी रिहाई के समारोहों का विशेष प्रसारण किया। गाजा पट्टी में इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) पर हमला करने वाले हमास के आतंकवादियों की तस्वीरें दिखाकर आतंकी संगठन और उसके लड़ाकों को मनोवैज्ञानिक संबल प्रदान कर युद्ध लड़ने के लिए प्रेरित किया। नेटवर्क ने इस दौरान गाजा पट्टी में हमास विरोधी प्रदर्शनों को नजरअंदाज किया।

मीर अमेट खुफिया और आतंकवाद सूचना केंद्र ने दावा किया कि आईडीए के गाजा पट्टी से लाए गए हमास के दस्तावेजों में संबंधों का जिक्र है। दस्तावेजों के अनुसार हमास और अल जजीरा के बीच सहयोग और मीडिया समन्वय न तो यादृच्छिक (बेतरतीब) था और न ही अलग-थलग। वह व्यवस्थित, संगठित और लगातार रहा। इन दस्तावेजों से पता चला कि हमास ने आंदोलन से संबंधित मुद्दों पर नेटवर्क की संपादकीय नीति को प्रभावित करने के लिए कवरेज दिशा-निर्देशों को अपने हाथ में लिया। आंदोलन के सैन्य आपातकालीन संचालन कक्ष और अल जजीरा के बीच एक सुरक्षित टेलीफोन लाइन स्थापित की।

इन दस्तावेजों से पता चला है कि गाजा पट्टी में अल जजीरा के लिए काम करने वाले कई पत्रकार हमास की सैन्य शाखा में भी सक्रिय थे। उनमें से कुछ तो इजराइल में हुए सात अक्टूबर, 2023 के हमले और नरसंहार में शामिल थे। इसके अलावा चैनल ने युद्ध के दौरान इजराइल की लगभग हर कार्रवाई को गलत ठहराने की कोशिश की। इजराइली सैनिकों को मनोवैज्ञानिक रूप से कमजोर करने की कोशिश की। यही नहीं युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद भी अल जजीरा हमास और उसके संदेशों को व्यापक कवरेज प्रदान करता रहा। हमास और अल जजीरा के बीच निरंतर सहयोग चैनल के संवाददाताओं को दी जाने वाली विशेष कवरेज सुविधा और उन स्थानों तक उनकी पहुंच से भी स्पष्ट होता है जहां बंधकों और शवों को रेडक्रॉस को सौंपा जाता है।

मीर अमेट खुफिया और आतंकवाद सूचना केंद्र के वृत्तचित्र में आरोप लगाया गया है कि कतर के वर्षों से हमास आंदोलन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। हमास का बाहरी नेतृत्व दोहा में रहता है। कतर अनुदान, मानवीय सहायता और नागरिक परियोजनाओं के लिए सहायता के रूप में आंदोलन को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। कतर ने हमास के आख्यानों के व्यापक प्रचार के लिए अल जजीरा का भी उपयोग करता है। अल जजीरा के प्रसारण युद्ध के दौरान स्पष्ट रूप से इजराइल विरोधी और हमास समर्थक रहे। अल जजीरा ने हमास और अन्य फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठनों जैसी की शब्दावली का प्रयोग किया। नेटवर्क के रिपोर्टर और एंकर फिलिस्तीनी आतंकवादी गुर्गों को मुजाहिदीन या मुकाविमिन (जिहाद लड़ाके या प्रतिरोध लड़ाके) कहते हैं। उनके मारे जाने के बाद उन्हें शहीद (अल्लाह की खातिर शहीद) कहा। आईडीएफ को कब्जे वाली सेना और आईडीएफ सैनिकों को कब्जे वाले सैनिक कहकर संबोधित किया। इसके अलावा, हमास के हमलों को अमालिया (ऑपरेशन) के रूप में परिभाषित किया जाता है, जबकि आईडीएफ की कार्रवाई को अदुआन (आक्रामक) के रूप में परिभाषित किया जाता है। केंद्र ने कहा कि सात अक्टूबर, 2023 के हमले और नरसंहार के दौरान अल जजीरा ने हमास आतंकवादियों की इजराइली क्षेत्र में घुसपैठ की लाइव कवरेज की। अपने क्षेत्रीय पत्रकारों के फुटेज प्रसारित किए। इन पत्रकारों में से कुछ हमास की सैन्य शाखा से संबद्ध थे। इन्होंने गाजा पट्टी के पास इजराइली समुदायों और आईडीएफ ठिकानों पर जानबूझकर किए गए हमलों की वीडियोग्राफी की।

एफ-1 से एच-1बी वीजा श्रेणी में स्विच कर रहे छात्रों को नहीं देना होगा भारी शुल्क

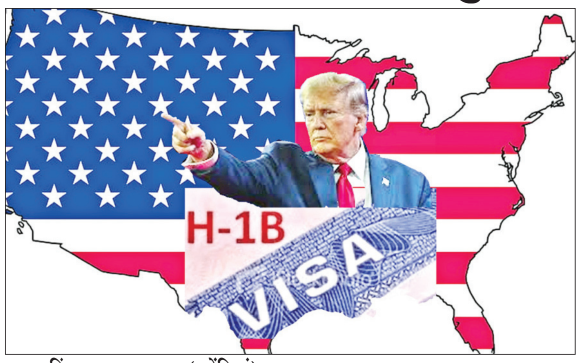

वाशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

विदेशी पेशेवरों को बड़ी राहत देते हुए अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने एच-1बी वीजा की एकए लाख डॉलर आवेदन फीस पर नया आदेश जारी किया है। इसमें कई छूटें और अपवाद शामिल किए गए हैं। नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक जो लोग एफ-1 (छात्र) वीजा से एच-1बी वीजा श्रेणी में स्विच कर रहे हैं, उन्हें यह भारी शुल्क नहीं देना होगा।

इसी तरह अमेरिका के अंदर रहकर वीजा में संशोधन, स्थिति परिवर्तन या अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करने वाले एच-1बी वीजा धारकों पर भी यह शुल्क लागू नहीं होगा। इसके अलावा मौजूदा एच-1बी वीजा धारकों को देश में आने-जाने पर किसी तरह की रोक नहीं होगी। यह शुल्क केवल उन नए आवेदकों पर लागू होगा जो अमेरिका के बाहर हैं और जिनके पास मान्य एच-1बी वीजा नहीं है। नई आवेदन प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन भुगतान लिंक भी जारी किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब अमेरिकी वाणिज्य मंडल ने इस फैसले के खिलाफ ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। संगठन ने इस फीस को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि इससे अमेरिकी व्यवसायों पर गंभीर आर्थिक असर पड़ेगा और कंपनियों को या तो अपने श्रम खर्च में भारी बढ़ोतरी करनी पड़ेगी या फिर कुशल विदेशी कर्मचारियों की भर्ती कम करनी होगी।

व्हाइट हाउस ने कहा-यह शुल्क नए वीजा आवेदनों पर लगेगा, न कि नवीनीकरण पर

ट्रंप प्रशासन के खिलाफ यह दूसरी बड़ी कानूनी चुनौती है। इससे पहले, श्रमिक संघों, शिक्षा विशेषज्ञों और धार्मिक संस्थाओं के समूह ने भी मुकदमा दायर किया था। ट्रंप ने 19 सितंबर को हस्ताक्षरित इस घोषणा पर कहा था कि इसका उद्देश्य अमेरिकी नागरिकों को रोजगार का प्रोत्साहन देना है। इस फैसले से मौजूदा वीजा धारकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी कि क्या वे अमेरिका लौट पाएंगे या नहीं।

व्हाइट हाउस ने सोमवार को कहा था कि यह एक बार लिया जाने वाला शुल्क है, जो केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा, न कि नवीनीकरण या मौजूदा वीजा धारकों पर।

अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास सुरक्षा द्वार पर कार घुसा दी, गिरफ्तार

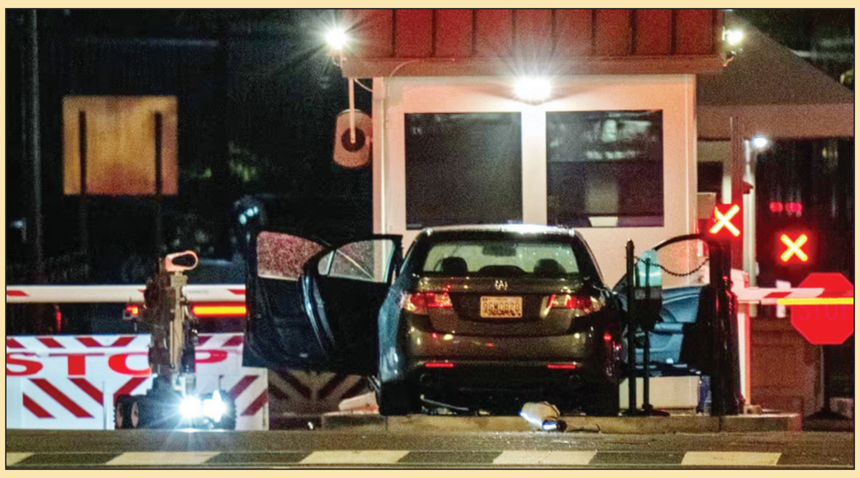

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास व्हाइट हाउस के पास एक सुरक्षा द्वार पर कार घुसाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह वाकया मंगलवार रात का है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं। दक्षिण-पश्चिम में 17वीं और ई स्ट्रीट स्थित सुरक्षा द्वार पर हुई इस वारदात से सुरक्षा अधिकारी अचरज में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि मंगलवार रात व्हाइट हाउस के पास एक सुरक्षा द्वार पर कार घुसाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना रात लगभग 10 :37 बजे व्हाइट हाउस के दक्षिण-पश्चिम में 17वीं और ई स्ट्रीट स्थित एक सुरक्षा द्वार पर हुई। सीक्रेट सर्विस ने एक बयान में कहा, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने आरोपित व्यक्ति को बिना मौका गंवाए गिरफ्तार कर लिया। सीक्रेट सर्विस और मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने गाड़ी की जांच की। जांच में कार को सुरक्षित पाया। जाँच पूरी होने पर अतिरिक्त जानकारी दी जाएगी।

बलोच नेशनल मूवमेंट ने पाकिस्तान को बताया आतंकी मुल्क, अमेरिका में व्हाइट हाउस के सामने बांटे पर्चे

क्वेटा/वाशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में व्हाइट हाउस के सामने जागरुकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने बलोचिस्तान के झारी क्षेत्र में मानवाधिकारों के उल्लंघन और वर्तमान स्थिति उजागर करने वाले पर्चे वितरित किए। इस अभियान का नेतृत्व बीएनएम अमेरिका के अध्यक्ष सामी बलोच ने किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है। झारी क्षेत्र में सेना लगातार आम लोगों पर जुल्म-ओ- सितम ढा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, सामी बलोच ने कहा कि बलोचिस्तान में मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है। यूक्रेनी कार्यकर्ताओं ने बलोच लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की और दुनिया भर में स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष पर अपने विचार साझा किए। पर्चे में भी कहा गया कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है जो बलोच और अन्य उत्पीड़ित लोगों के संसाधनों का दोहन करता है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक हितों के लिए बलोचिस्तान और राज्य के भौगोलिक महत्व को बेचता है। यही कारण है कि पश्चिमी देश पाकिस्तान के जनरलों और राजनेताओं के अपराधों पर चुप हैं।

सामी बलोच ने कहा कि यह मानवता विरोधी तमाशा अब बंद होना चाहिए। बीएनएम के पर्चे में दावा किया गया है कि पाकिस्तानी सेना लगातार बल प्रयोग कर रही है। सितंबर 2025 के मध्य में पाकिस्तानी सेना ने जहरी के बलोच क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया। इस दौरान बेगुनाह नागरिकों के खिलाफ हिंसा, जबरन बेदखली जैसे अनैतिक कृत्य किए गए। ऐसे अभियानों का उद्देश्य स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक नेताओं को दबाना और लोगों के प्रतिरोध को खत्म करना है।

पर्चे में कुछ घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है। मसलन- 17 सितंबर, 2025 को जहरी में एक ड्रोन हमले में कई लोग मारे गए। मृतकों में सनाउल्लाह, अमना, अली अकबर, लाल बीबी, मोहम्मद हसन और मोहम्मद याकूब शामिल हैं। पांच अक्टूबर, 2025 को पंजाब प्रांत की सेना ने जहरी के मोला चारी क्षेत्र में हेलीकॉप्टरों से गोलीबारी और बमबारी की। इस घटना में बड़ी संख्या में नागरिक और बच्चे मारे गए।

प्रधानमंत्री का राजनीतिक दल प्रतिनिधियों से संवाद, चुनाव से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह

काठमांडू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अगले साल 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव पर चर्चा के लिए मंगलवार को प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। चुनाव की तारीख घोषित होने के लगभग डेढ़ महीने बाद प्रधानमंत्री कार्की की पार्टी प्रतिनिधियों के साथ यह पहली औपचारिक बातचीत थी। सरकार की ओर से वित्त मंत्री रामेश्वर खनाल, ऊर्जा मंत्री कुलमन घिसिंग, गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल, कृषि मंत्री मदन परियार, संचार मंत्री जगदीश खरेल और मुख्य सलाहकार अजय भद्र खनाल चर्चा में शामिल हुए। राजनीतिक दलों के साथ बैठक के दौरान प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि सरकार समय पर भय मुक्त वातावरण में चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा उनकी कैबिनेट के सभी मंत्री, सुरक्षा एजेंसियां और पूरा सरकारी तंत्र सभी इसके लिए लगातार काम कर रहे हैं। राजनीतिक दलों के साथ बातचीत में हुई देरी के बारे में

प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि घायलों के इलाज, शहीदों के शवों के प्रबंधन, परिवारों के लिए राहत और आंदोलनकारियों की चिंताओं को सुनने पर ध्यान केंद्रित करना था इसलिए राजनीतिक दलों से वार्ता में कुछ समय लग गया। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि राष्ट्रपति ने अब बातचीत के द्वार खोल दिए हैं। यह जेनजेड और राजनीतिक दलों के लिए एक साथ बैठने, स्थिति को सामान्य करने और चुनावों की ओर बढ़ने का समय है।

उन्होंने कहा कि सरकार अब निरंतर संवाद बनाए रखेगी और अगली वार्ता राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों और जेन जी के प्रतिनिधियों के साथ साझा रूप से किया जाएगा। उन्होंने सभी पक्षों से आगामी चुनावों की सफलता सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार उनकी चिंताओं और मुद्दों को दूर करने के लिए तैयार है। इस बैठक में नेपाली कांग्रेस महासचिव गगन थापा और प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत, यू. एम. एल. महासचिव शंकर पोखरेल और उप महासचिव प्रदीप ज्ञवाली और माओवादी के तरफ से पंफा भूसल और वर्षमान पुन से भाग लिया। इसी तरह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष डॉ. स्वर्णिम वागल और सचिवालय की सदस्य सोबिता गौतम, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के महासचिव राजेंद्र गुरुंग और प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ, जनता समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र यादव और प्रकाश अधिकारी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संसदीय दल के नेता सर्वेन्द्र नाथ शुक्ला, नागरिक उनमुक्ति पार्टी के अध्यक्ष रेशम चौधरी और नेपाल मजदूर किसान पार्टी के प्रेम सुवाल भी उपस्थित थे। जनमत पार्टी के महासचिव चंदन कुमार सिंह ने प्रतिनिधित्व किया, जबकि एकीकृत समाजवादी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र पांडे और उपाध्यक्ष प्रकाश ज्वाला ने उनके पक्ष से भाग लिया।

राष्ट्रपति मुर्मू को ले जा रहा आईएएफ हेलीकॉप्टर केरल के अस्थायी हेलीपैड पर गीले सीमेंट में फंसा

पत्तनमथिट्टा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बुधवार को एक गंभीर सुरक्षा लापरवाही का मामला सामने आया, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सबरीमाला ले जा रहा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का हेलीकॉप्टर केरल के पत्तनमथिट्टा जिले के प्रमाडम स्थित एक अस्थायी हेलीपैड पर गीले सीमेंट में फंस गया। घटना के बाद अधिकारियों को हेलीकॉप्टर को धक्का देकर बाहर निकालना पड़ा।

घटना तब हुई जब राष्ट्रपति मुर्मू हेलीकॉप्टर से उतर चुकी थीं। हेलीपैड एक इंडोर स्टेडियम परिसर के भीतर जल्दीबाजी में बनाया गया था, जिसकी सतह पर लगाया गया सीमेंट पूरी तरह सूखा नहीं था। रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति के विमान से उतरते ही हेलीकॉप्टर के पहिये गीले सीमेंट में धंस गए।

केरल के डीजीपी रवाडा ए. चंद्रशेखर ने हालांकि किसी सुरक्षा लापरवाही से इनकार किया और स्पष्ट किया कि हेलीकॉप्टर निर्धारित लैंडिंग स्थल से लगभग पांच फीट दूर गीले हिस्से पर उतरा, जो अभी सूखा नहीं था।

हेलीकॉप्टर अस्थायी हेलीपैड पर पहले से तय स्थान से करीब 5 फीट दूर गीले स्थान पर उतरा। इस कारण उसके पहिये सीमेंट में फंस गए और वह आगे नहीं बढ़ सका। बाद में उसे सुरक्षित स्थान पर धक्का देकर ले जाया गया ताकि वापसी के लिए टेक-ऑफ हो सके, डीजीपी ने स्थानीय मीडिया को बताया।

पत्तनमथिट्टा के जिला कलेक्टर प्रेम कृष्णन एस. ने भी कहा कि सुरक्षा प्रोटोकॉल में कोई उल्लंघन नहीं हुआ।

हालांकि, एक वीडियो वायरल होने के बाद जनता के सामने मामला आया, जिसमें राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए तैनात करीब 30 पुलिसकर्मी हेलीकॉप्टर को गीले सीमेंट से बाहर धकेलते दिखाई दे रहे थे। इस दृश्य ने प्रोटोकॉल में संभावित लापरवाही के सवाल खड़े कर दिए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अस्थायी सीमेंट हेलीपैड राष्ट्रपति के आगमन से महज 12 घंटे पहले बनाया गया था। सूत्रों के अनुसार, राज्य की खुफिया एजेंसियों ने पहले ही चेतावनी दे दी थी कि गीली सतह के कारण हेलीकॉप्टर के पहिये फंस सकते हैं, और सुझाव दिया गया था कि विमान को गीले हिस्से से करीब 5 फीट दूर उतारा जाए। लेकिन हेलीकॉप्टर फिर भी गीले सीमेंट पर ही उतरा।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति की यात्रा के लिए दो लैंडिंग स्थल तैयार किए गए थे-एक सबरीमाला के पास निलाक्कल में और दूसरा प्रमाडम इंडोर स्टेडियम में। खराब मौसम और कोहरे के कारण निलाक्कल पर लैंडिंग संभव नहीं हो पाई, जिसके बाद हेलीकॉप्टर को 50 किमी दूर प्रमाडम के लिए मोड़ दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर भ्रम था। शुरू में उन्हें तिरुवनंतपुरम से सड़क मार्ग से पंपा (लगभग 170 किमी) तक यात्रा करनी थी, लेकिन बुधवार सुबह ही योजना बदलकर हवाई मार्ग अपनाया गया।

अधिकारी अब इस घटना की समीक्षा करेंगे और हेलीपैड की खराब तैयारी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

युद्ध के बदलते स्वरूप की चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित रणनीति जरूरी: राजनाथ

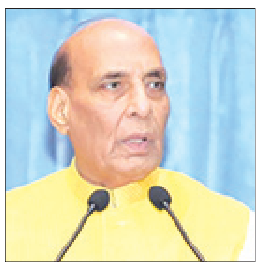

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के बीच एकजुटता और तालमेल का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा है कि इसने युद्ध के बदलते स्वरूप की चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित रणनीतियों के महत्व पर बल दिया है। श्री सिंह ने बुधवार को यहां लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त) की पुस्तक 'सिविल-मिलिट्री फ्यूजन एज़ अ मेट्रिक ऑफ़ नेशनल पावर एंड कॉम्प्रिहेंसिव सिक्योरिटी' का विमोचन करने के बाद कहा , ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के बीच असाधारण एकजुटता और एकीकरण का साक्षी बना और इसने बदलती विश्व व्यवस्था तथा युद्ध के विकसित होते तरीकों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित, अनुकूल और त्वरित रक्षा कार्रवाई रणनीति तैयार करने के सरकार के संकल्प की पुष्टि की है। रक्षा मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि आज के समय में पारंपरिक रक्षा दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं रहा क्योंकि युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि ये मिश्रित और विषम रूप ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ देश की रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भविष्य के सशस्त्र बलों को ध्यान में रखकर कई साहसिक और निर्णायक सुधार किए हैं।

उन्होंने कहा , चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद का सृजन ऐतिहासिक कदमों में से एक था जो तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और तालमेल को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान संयुक्तता और एकीकरण का परिणाम पूरी दुनिया ने देखा। पाकिस्तान हमारे सशस्त्र बलों द्वारा दी गयी करारी हार से अभी भी उबर नहीं पाया है।

कोलकाता से श्रीनगर जा रहे इंडिगो विमान की वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग, हवा में हो गया फ्यूल लीक

कोलकाता, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोलकाता से श्रीनगर जा रहे इंडिगो के विमान में तकनीकी खराबी के चलते बुधवार शाम को वाराणसी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. विमान का फ्यूल लीक हो गया जिसके बाद क्रू मेंबर ने इसकी जानकारी नजदीकी वाराणसी एयरपोर्ट को दी और विमान को लैंड कराने की इजाजत मांगी. इंडिगो के इस विमान में कुल 166 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे।

इंडिगो के इस विमान में कुल 166 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। सभी यात्रियों को सकुशल विमान से उतारकर एराइवल एरिया में सुरक्षित बैठाया गया. एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से इस मामले की जांच की जा रही है. वाराणसी पुलिस की ओर से कहा गया, एयरपोर्ट अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं. स्थिति नियंत्रण में है और सामान्य परिचालन फिर से शुरू हो गया है।

इंडिगो की फ्लाइट 6ए-6961 में गड़बड़ी हुई है। एयरलाइंस की ओर से बताया गया कि यात्रियों को किसी दूसरे विमान से श्रीनगर भेजने की व्यवस्था की जा रही है. हवा में उड़ने के दौरान विमान में फ्यूल में लीकेज होने लगा था. एयर ट्रैफिक कंट्रोल वाराणसी से संपर्क कर पायलट ने शाम 4:10 बजे विमान को सुरक्षित रनवे पर उतारा।

पिछले महीने लखनऊ से दिल्ली के लिए उड़ान भरने जा रहे इंडिगो के फ्लाइट में तकनीकी खराबी हो गई थी, जिस वजह से टेकऑफ से पहले ही इमर्जेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी. उस विमान में सपा चीफ अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव सहित 151 यात्री सवार थे. लखनऊ-दिल्ली रूट पर उड़ान भरने जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए-2111 टेक ऑफ से ठीक पहले ही रुक गई. रनवे पर तेज रफ्तार से दौड़ने के बाद भी प्लेन हवा में उठ नहीं पाया था।

सऊदी अरब ने कफाला प्रणाली समाप्त की

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक ऐतिहासिक सुधार के तहत, सऊदी अरब ने दशकों पुरानी कफाला (प्रायोजन) प्रणाली को आधिकारिक तौर पर समाप्त कर दिया है, जो साम्राज्य में प्रवासी श्रमिकों के व्यवहार और अधिकारों में एक बड़ा बदलाव लाता है। मार्च 2021 से प्रभावी यह कदम क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की विज़न 2030 पहल का हिस्सा है और इससे लगभग 1.3 करोड़ प्रवासी श्रमिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। यह खाड़ी क्षेत्र के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण श्रम सुधारों में से एक माना जा रहा है।

कफाला अरबी भाषा में प्रायोजन का अर्थ रखता है। यह एक कानूनी ढांचा था जो प्रवासी श्रमिकों को उनके नियोक्ता या प्रायोजक (कफील) से उनके रहने की अवधि तक बांधे रखता था।

यह प्रणाली मध्य पूर्व के कई देशों-विशेषकर खाड़ी सहयोग परिषद राज्यों-के साथ-साथ लेबनान, जॉर्डन और पहले इज़राइल में भी लागू थी।

कफाला प्रणाली के तहत- 1) नियोक्ता श्रमिकों की कानूनी स्थिति, काम की अनुमति और यहां तक कि देश छोड़ने की क्षमता पर नियंत्रण रखते थे। 2) प्रवासी श्रमिक अक्सर बिना नियोक्ता की अनुमति के नौकरी बदल या घर वापस नहीं जा सकते थे। 3) कई बार नियोक्ता पासपोर्ट जब्त कर लेते थे, आवागमन पर प्रतिबंध लगाते थे या वेतन रोक लेते थे। 4) मानवाधिकार संगठनों ने लंबे समय तक इस प्रणाली की आलोचना की है क्योंकि यह श्रमिकों के शोषण और दुर्व्यवहार को बढ़ावा देती थी, जिनके पास कानूनी उपायों का लगभग कोई विकल्प नहीं होता था।

ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, कफाला प्रणाली ने नियोक्ताओं को विदेशी श्रमिकों-खासकर घरेलू, निर्माण और कम-कौशल वाले क्षेत्रों में काम करने वालों- पर अनियंत्रित शक्ति प्रदान की। 2008 में, ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा था कि यह प्रणाली सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा के अनुच्छेद 13 के साथ असंगत है। 2014 में, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संघ परिसंघ ने अनुमान लगाया था कि अरब खाड़ी और लेवेंट क्षेत्र में 24 लाख घरेलू श्रमिक वास्तव में गुलामी की स्थिति में थे, जिनमें से अधिकांश दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम अफ्रीका से थे।

अब क्या बदला है?

सऊदी अरब ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें- श्रमिकों को बिना नियोक्ता की अनुमति के नौकरी बदलने की अनुमति। देश छोड़ने के लिए निकासी वीज़ा की आवश्यकता को समाप्त करना। पासपोर्ट जब्त करने पर प्रतिबंध। श्रम कानूनों को आधुनिक बनाकर श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना शामिल हैं:।

यह सुधार न केवल सऊदी अरब में बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र में श्रमिक अधिकारों के मामले में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है, खासकर उन देशों के लिए जो अभी भी कफाला प्रणाली का पालन कर रहे हैं।

भारत में आईटी सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार, कैंपस हायरिंग बढ़ी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के आईटी सेक्टर में भर्तियों में वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में तेजी देखी गई है और इस दौरान टेक्नोलॉजी कंपनियों में कैंपस भर्तियां 25 प्रतिशत बढ़ी हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले इंजीनियरिंग, टेक्निकल और एआई प्रोफाइल की मांग में 27 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। वहीं, कंपनसेशन में 5 प्रतिशत का सुधार हुआ है। टेलैंट और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ कंपनी एडेको ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट में कहा, अधिकांश कैंपस भर्तियां बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में की जा रही हैं, साथ ही कोयंबटूर, उदयपुर, नागपुर, विशाखापत्तनम और इंदौर जैसे टियर-2 शहरों में प्लेसमेंट में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनियां स्थिर, प्रबंधनीय भर्तियों को प्राथमिकता दे रही हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नए कर्मचारियों को केवल बेंच पर ही रहने देने के बजाय, उत्पादकतापूर्वक तैनात किया जा सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब ज्यादातर कंपनियां हायर-एंड-ट्रेनिंग मॉडल की जगह ट्रेन और फिर हायर मॉडल पर काम कर रही हैं।

एडेको इंडिया के निदेशक और व्यावसायिक प्रमुख, प्रोफेशनल स्टाफिंग, संकेत चेंगप्पा ने कहा कि आईटी भर्ती धारणा अभी भी पुनर्संतुलन के दौर में है, जो सतर्क होते हुए भी लक्ष्य-केंद्रित है। कंपनियां पैमाने की बजाय स्किल की गहराई को प्राथमिकता दे रही हैं और क्लाउड, डेटा और एआई-आधारित क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और साथ ही वर्कफोर्स की क्षमता को सक्रिय परियोजना पाइपलाइनों के साथ जोड़ रही हैं। हालांकि, कैंपस भर्ती में तेजी आई है, लेकिन असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि इंजीनियरिंग प्रतिभा बाजार के लिए तैयार हो।

चेंगप्पा ने आगे कहा कि इसी समस्या का समाधान करने के लिए, हम आईटी कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी निकायों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि अनुकूलित अप-स्किलिंग और री-स्किलिंग समाधान प्रदान किए जा सकें।

वर्तमान में आईटी इंडस्ट्री एआई भूमिकाओं, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, क्रॉस-डोमेन इंजीनियरों, एमएलओप-ीएस इंजीनियरों और डेटा इंजीनियरिंग में 45-50 प्रतिशत मांग-आपूर्ति के अंतर से जूझ रहा है।

भूकंप से हिला जम्मू कश्मीर

जम्मू, 22 अक्टूबर (ब्यूरो)। मंगलवार देर रात जम्मू कश्मीर के कई हिस्सों में रात लगभग 11.45 बजे रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। कई सेकंड तक चले ये झटके श्रीनगर, बारामुला, गांदरबल, जम्मू और लद्दाख के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए, जिससे लोग अपने घरों से बाहर निकलने को मजबूर हो गए।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप अफगानिस्तान के फैजाबाद के दक्षिण-पूर्व में हिंदू कुश पर्वतों में 200 किमी से भी ज्यादा गहराई पर आया। भूकंप की तीव्रता के बावजूद, गहरे केंद्र के कारण सतह पर नुकसान कम हुआ।

महीनों के गतिरोध के बाद लद्दाख-केंद्र संवाद बहाल

राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची मुख्य मुद्दे

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महीनों से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को केंद्र के साथ बातचीत फिर से शुरू की, जिसमें चार सूत्री एजेंडे पर ध्यान केंद्रित किया गया- लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची के तहत समावेश, आरक्षण सुरक्षा उपाय और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को रद्द करना। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के बीच लगभग दो घंटे की बैठक के दौरान मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के तीन-तीन प्रतिनिधि और लद्दाख के सांसद मोहम्मद हनीफा जान शामिल थे। नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हनीफा जान ने एएनआई को बताया कि चर्चा मुख्य रूप से चार प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रही - लद्दाख को राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची में शामिल करना, आरक्षण संबंधी मामले और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को हटाना।

हनीफा ने कहा कि बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई। हनीफा ने कहा, हमने चारों बिंदुओं पर रचनात्मक चर्चा की। लद्दाख की पहचान की रक्षा और उसके लोगों के लिए न्याय और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर आपसी समझ बनी। पहले दो मुद्दों - राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करना - पर प्रतिनिधिमंडल ने दोहराया कि ये लद्दाख की भूमि, संस्कृति और रोजगार के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। आरक्षण के मुद्दे पर, दोनों पक्ष सभी समुदायों के लिए उचित अवसर सुनिश्चित करने वाले पारस्परिक रूप से स्वीकार्य फॉर्मूले पर पहुंचने के लिए जल्द ही आगे विचार-विमर्श करने पर सहमत हुए।

प्रतिनिधिमंडल ने सोनम वांगचुक का मामला भी उठाया, सरकार से उन पर लगाए गए एनएसए को वापस लेने का आग्रह किया, इसे जनता का विश्वास बहाल करने और क्षेत्र में आम सहमति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह बैठक केंद्र और लद्दाख के दो प्रमुख सामाजिक-राजनीतिक गठबंधनों - एलएबी और केडीए के बीच महीनों के गतिरोध के बाद नए सिरे से बातचीत के हिस्से के रूप में हुई। 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की न्यायिक जांच की गृह मंत्रालय द्वारा 17 अक्टूबर को घोषणा के बाद बातचीत फिर से शुरू हुई, जिसमें चार लोग मारे गए और 80 से अधिक घायल हुए, एलएबी और केडीए द्वारा बातचीत की मेज पर लौटने के लिए निर्धारित पूर्व शर्तों में से एक को पूरा किया गया।

देवेन वर्मा : बॉलीवुड के सबसे प्यारे हास्य कलाकार, जिन्होंने बनाई अपनी अलग पहचान

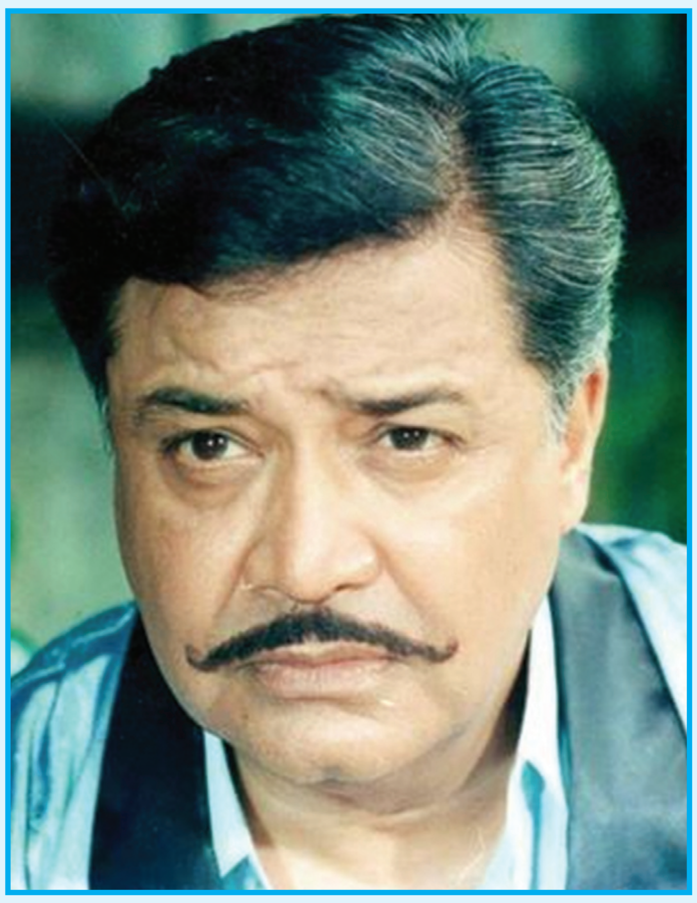

हिंदी सिनेमा के मशहूर कमीडियन और शानदार अभिनेता देवेन वर्मा अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर राज करते थे। उन्होंने फिल्मों में हास्य के जादू को इस तरह पेश किया कि आज भी उनकी कॉमेडी याद की जाती है और सराही जाती है। उनकी फिल्मी यात्रा रोमांचक, प्रेरणादायक और उतार-चढ़ाव से भरपूर रही। उनकी शुरुआत बेहद मामूली फीस से हुई थी। देवेन वर्मा को उनकी पहली फिल्म 'धर्मपुत्र' के लिए मात्र 600 रुपये मिले थे। यह छोटी सी रकम उनके लंबे और सफल करियर की शुरुआत थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड के सबसे प्यारे हास्य कलाकार के रूप में स्थापित किया। देवेन वर्मा का जन्म 23 अक्टूबर 1937 को गुजरात के कच्छ क्षेत्र में हुआ था, लेकिन उनका परिवार बाद में पुणे शिफ्ट हो गया। उन्होंने नौरोजी वाडिया कॉलेज से राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र में ऑनर्स किया था। पढ़ाई के दौरान ही देवेन का झुकाव अभिनय की तरफ हो गया था। वे स्टेज शोज में हिस्सा लेने लगे और लोकप्रिय कलाकारों की मिमिक्री करने लगे।

एक बार वे नार्थ इंडिया पंजाबी एसोसिएशन के स्टेज शो में प्रदर्शन कर रहे थे, तभी बी. आर. चोपड़ा ने उन्हें देखा और उनकी प्रतिभा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने देवेन को अपनी फिल्म 'धर्मपुत्र' में काम करने का मौका दिया। इस फिल्म के लिए देवेन को 600 रुपये की फीस मिली।

हालांकि 'धर्मपुत्र' फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन देवेन वर्मा के लिए यह एक बड़ा कदम साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'गुमराह' में नौकर का किरदार निभाया, जिसमें उनकी एक्टिंग को दर्शकों और निर्माताओं ने खूब सराहा। धीरे-धीरे देवेन ने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी।

1970 के दशक में देवेन वर्मा ने कॉमेडी के क्षेत्र में अपना नाम चमकाया। उनकी फिल्मों में 'चोरी मेरा काम', 'चोर के घर चोर', 'अंगूर', 'गोलमाल', 'खट्टा मीठा', और 'रंग बिरंगी' जैसी हिट शामिल हैं। खास बात यह थी कि देवेन ने कभी अपनी कॉमेडी में अश्लीलता का सहारा नहीं लिया। उनका मानना था कि दूसरों को हंसाने के लिए खुद की मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी है।

देवेन वर्मा को उनकी प्रतिभा और मेहनत के लिए तीन बार फिल्मफेयर अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने 'चोरी मेरा काम', 'चोर के घर चोर', और 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी कॉमेडी के दम पर ये सम्मान जीते। इन फिल्मों में उनकी एक्टिंग ने दर्शकों को खूब हंसाया और मनोरंजन की परिभाषा को नया रंग दिया। देवेन वर्मा गुलजार, ऋषिकेश मुखर्जी और बासु चटर्जी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करके अपने करियर को और ऊंचाइयों तक ले गए।

देवेन वर्मा की निजी जिंदगी भी बॉलीवुड की तरह ही दिलचस्प थी। उन्होंने मशहूर अभिनेता अशोक कुमार की बेटी रूपा गांगुली से शादी की थी। यह शादी उनकी पहली मुलाकात के कुछ साल बाद हुई। अशोक कुमार के साथ कई फिल्मों में काम करने के दौरान उनकी दोस्ती गहरी हो गई थी, जिसने अंततः प्यार का रूप ले लिया।

अपने लंबे करियर में देवेन वर्मा ने लगभग 149 फिल्मों में काम किया। उन्होंने न केवल कॉमेडी में अपनी खास पहचान बनाई, बल्कि कुछ फिल्मों का निर्देशन और निर्माण भी किया। हालांकि, 2 दिसंबर 2014 को पुणे में उनका निधन हो गया। उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई। उनकी यादें और हंसी आज भी बॉलीवुड के दिल में जिंदा हैं।

मीरा राजपूत ने दीवाली पर पटाखों को लेकर जताई नाराजगी, कहा

ये परंपरा नहीं, पर्यावरण की तबाही है

हर साल दीवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर जिस तरह से बढ़ता है, वह अब केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हमारी सेहत पर सीधा असर डालने लगा है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला जब दीवाली के बाद दिल्ली और मुंबई की हवा बेहद खराब हो गई। राजधानी दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया, जबकि मुंबई के कई हिस्सों में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' स्तर पर दर्ज की गई। इस चिंताजनक स्थिति पर अब सोशल मीडिया के जरिए कई आवाजें उठ रही हैं। इन्हीं में से एक हैं बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर की आवाज, जिन्होंने पटाखों को लेकर लोगों की सोच पर सवाल खड़े किए हैं। मीरा राजपूत कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक लंबा नोट शेयर करते हुए पटाखे चलाने की परंपरा पर नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा, ''हम हर साल पटाखे फोड़ने को बच्चों की खुशी या पारंपरिक अनुभव के नाम पर दोहराते हैं, लेकिन ये सोच ही गलत है। अगर हम बड़े लोग पटाखे चलाने को सामान्य मानेंगे, तो हमारे बच्चे भी यही सीखेंगे और ये सिलसिला कभी नहीं रुकेगा।''

उन्होंने कहा कि सिर्फ एक बार, सिर्फ देखने के लिए, या सिर्फ इंस्टाग्राम के लिए, ये कोई भी वजह पटाखे फोड़ने को सही नहीं ठहराती।

मीरा ने खास तौर पर सोशल मीडिया पर दिखावे के चलन पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि केवल एक सुंदर तस्वीर के लिए हाथ में फुलझड़ी लेना और उसे 'पटाका एस्थेटिक' कह कर दिखाना, दरअसल हवा में जहर घोलने जैसा है। यह पर्यावरण की तबाही की तरह है। ये कोई ऐसा अनुभव नहीं है, जिसे बच्चों को देना जरूरी हो। अगर हम इस व्यवहार को बार-बार दोहराते रहेंगे, तो अगली पीढ़ी भी इसे परंपरा का हिस्सा समझती रहेगी और यह कभी खत्म नहीं होगा।

मीरा ने अपने पोस्ट में उन लोगों की दोहरी सोच पर भी सवाल उठाए जो साल भर पर्यावरण की बात करते हैं, बच्चों से 'पटाखे नहीं जलाने' के पोस्टर बनवाते हैं, लेकिन दीवाली आते ही खुद पटाखे फोड़ने लगते हैं। उन्होंने इसे दिखावा और पाखंड बताया। उनके अनुसार यह सिर्फ सोशल मीडिया की स्टोरी के लिए नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की सांसों की बात है। हवा की गुणवत्ता कोई खबर नहीं, बल्कि हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा है, जिसे हम हर साल नजरअंदाज करते हैं।

मीरा ने आगे कहा, ''जब पढ़े-लिखे, जागरूक और संपन्न लोग भी ऐसे मामलों में समझदारी नहीं दिखाते, तो यह और भी दुखद होता है। मैं अपने बच्चों को पटाखों का तमाशा नहीं दिखाती, क्योंकि यह उनकी सेहत और सोच दोनों के लिए गलत है।''

नरगिस फाखरी : अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग फिर बॉलीवुड में की धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड हो या फिर हॉलीवुड फिल्म, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कई फिल्मों में अपने ग्लैमरस भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन किया है। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद 2011 में नरगिस को पहली ही बार में रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार में स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, वह भी बतौर लीड एक्ट्रेस। एक्ट्रेस के करियर की शुरुआत भले ही अच्छी रही हो, लेकिन धीरे-धीरे उनके करियर की गाड़ी स्लो हो गई। आज भी नरगिस फिल्मों में सेकेंड लीड का रोल प्ले करती हैं। नरगिस सोमवार को अपना 46वां जन्मदिन मना रही है। नरगिस फाखरी का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ है, लेकिन पकिस्तान से भी उनका रिश्ता है। उनके पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी के मूल निवासी थे और उनकी शादी मारिया ए. फाखरी से हुई थी। हालांकि दोनों का तलाक हो चुका है और उनके पिता भी अब दुनिया में नहीं रहे हैं। दोनों माता-पिता के अलग-अलग देशों के होने की वजह से उन्हें पाकिस्तान और अमेरिका दोनों की नागरिकता प्राप्त है।

नरगिस की रुचि मॉडलिंग में थी। 16 साल की उम्र में ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी थी। उन्होंने पाकिस्तानी शोज के लिए भी मॉडलिंग की और साल 2004 में अमेरिका नेक्स्ट मॉडल शो में हिस्सा लिया, जिसके बाद उन्होंने भारत में किंगफिशर कैलेंडर और बाकी बड़े ब्रांड के लिए मॉडलिंग करनी शुरू की और उनका चेहरा हर तरफ छा गया। मॉडलिंग में मिली सफलता के साथ नरगिस ने साल 2011 में आई फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में एंट्री मिली। फिल्म चल निकली और इतनी ज्यादा फेमस हो गई कि नरगिस और रणबीर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद उन्होंने 'मद्रास कैफे', 'मैं तेरा हीरो', 'अजहर' और 'अमावस' जैसी हिट फिल्में दीं।

उन्होंने 2015 में हॉलीवुड फिल्म 'स्पाई ' में भी काम किया। जब किस्मत चमकी तो नरगिस ने साउथ में भी हाथ आजमाया और 'रश्नाः द रे ऑफ लाइट' और 'साहसम' में काम किया।

हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने यह कहकर बॉलीवुड से दूरी बना ली कि वे लगातार फिल्में कर रही थीं और काफी तनाव ले रही थीं। काम के दौरान वह परिवार और दोस्तों को काफी मिस कर रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह अब कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालना चाहती हैं।पर्सनल लाइफ की बात करें तो नरगिस ने गुपचुप तरीके से अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी कर ली है और 6 महीने तक अपनी शादी को छिपाकर रखा था, लेकिन अब वो अपने पति टोनी बेग के साथ मीडिया के सामने आती रहती हैं।

दीपावली के बाद दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर वाणी कपूर ने जताई चिंता

दीपावली के एक दिन बाद देश की राजधानी नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब हो गई। इस पर अभिनेत्री वाणी कपूर ने चिंता जताई। उन्होंने एक पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि अगले साल हम वायु प्रदूषण को बढ़ाए बिना जश्न मनाने का कोई नया तरीका तलाश करेंगे। वाणी कपूर ने इंस्टाग्राम पर बताया कि जब वह सुबह उठीं तो नई दिल्ली में एक्यूआई का स्तर 447 तक पहुंच गया। उन्होंने लिखा, सुबह उठी तो दिल्ली का एक्यूआई 447 था, जो आज दुनिया में सबसे अधिक है। शायद अगले साल, हम हवा को प्रदूषित किए बिना जश्न मनाने का तरीका खोज लें।

उनका इशारा दीपावली की रात में फोड़े गए पटाखों से हुए प्रदूषण की तरफ था, जिसके चलते राजधानी की वायु गुणवत्ता का स्तर गिर गया। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई लेवल बढ़ जाता है। इसके लिए अधिकतर लोग दीपावली में इस्तेमाल किए गए पटाखों को दोष देते हैं। फिल्मों की बात करें तो वाणी कपूर को पिछली बार 'द बुचर ऑफ बनारस' उपन्यास पर आधारित 'मंडला मर्डर्स' में देखा गया था। इसके साथ उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया था। इसमें उत्तर प्रदेश के एक काल्पनिक शहर चरणदासपुर की कहानी है। यहां होने वाले मर्डर एक पुरानी लेकिन अजीब प्रथा से जुड़े थे। इसकी जांच करने में जुटी पुलिस के सामने ऐसे भेद खुलते हैं जो कुछ लोगों की आस्था पर सवाल खड़े करते हैं।इस सीरीज में वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला, रघुबीर यादव और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार भी हैं।

फिल्म थामा का दीपावली पर रिलीज होना मेरे लिए बहुत स्पेशल है : आयुष्मान

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' रिलीज हो चुकी है। इसमें वह रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दे रहे हैं। आयुष्मान ने बताया कि 'थामा' उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है। अभिनेता ने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि हर साल वह अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाते थे, मगर इस बार उन्होंने अपनी फिल्म के साथ उस खुशी का अनुभव किया। इस फिल्म ने पहले दिन करीब 25 करोड़ रुपए की कमाई की। 'थामा' के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए दीपावली की इस बड़ी छुट्टी के दौरान लोगों को 'थामा' और मेरे अभिनय को पसंद करते और पसंद करते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

उन्होंने कहा, जब निर्माता दिनेश विजान ने मुझे बताया कि 'थामा' दीपावली पर रिलीज हो रही है, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि इस पल का मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि मेरी भी कोई फिल्म बड़े स्टार्स की तरह दीपावली पर रिलीज हो।

आयुष्मान खुराना ने आगे कहा, एक ऐसा त्योहार जिस पर बड़े-बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्में रिलीज करते आए हैं, 'थामा' मेरे करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इसे दीपावली पर रिलीज करने का मौका मिला। हर साल मैं अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाता था। इस बार मैं अपने परिवार के साथ अपनी फिल्म देखने सिनेमाघरों में गया। यह अविश्वसनीय लगता है। आयुष्मान खुराना ने निर्माता दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने मुझ पर एक ऐसे किरदार को निभाने का भरोसा दिखाया, जिसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। एक 'बेताल' के रूप में मेरे किरदार को दर्शकों द्वारा देखा जाना और सराहा जाना, मेरे लिए वाकई एक अद्भुत अहसास है।

आयुष्मान खुराना ने आखिर में बताया कि 'थामा' को पहले दिन जो दर्शकों को प्यार मिला, उसने यह मिथक तोड़ा कि लोग दीपावली पर सिर्फ सीक्वल, रीमेक और बड़े सुपरस्टार की फिल्में देखना चाहते हैं।

आज भाई दूज

दिवाली पर्व के बाद भाई दूज पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाई दूज पर्व को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई को तिलक लगाती हैं और उनके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहे इसकी कामना करती हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार, भाई दूज की तिथि 22 अक्तूबर 2025 को रात 08:16 बजे शुरू होकर 23 अक्तूबर 2025 को रात 10:46 बजे तक रहेगी। ऐसे में इस बार भाई दूज का पर्व 23 अक्तूबर 2025 को मनाया जाएगा। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाइयों को घर बुलाकर भोजन करवाती हैं और उनका तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। भाई भी अपनी बहनों को उपहार देकर उसके सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद देते हैं। भाई दूज का त्योहार भाई दूज, भैया दूज, भाई टीका, यम द्वितीया, भ्रातृ द्वितीया कई नामों से जाना जाता है। इसे यम द्वितीया, भाऊ बीज, भतरु द्वितीया आदि नामों से जाना जाता है। इस साल भाई दूज का त्योहार 3 नवंबर को है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को घर पर आमंत्रित करती हैं, उनका तिलक करती हैं और उन्हें भोजन कराती हैं। बदले में भाई बहनों को उपहार देते हैं।

भाई दूज के साथ ही पांच दिवसीय दिवाली उत्सव का समापन होता है। भाई दूज का पर्व बहन और भाई के प्रति विश्वास और प्रेम का होता है। हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन भाई दूज के पर्व मनाया जाता है। देशभर में भाई दूज के पर्व को अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। यह दिन भाई बहन के प्यार और स्नेह के रिश्ते का प्रतीक होता है।

पंचांग के अनुसार भाई दूज की तिथि 22 अक्तूबर 2025 को रात 08:16 बजे शुरू होकर 23 अक्तूबर 2025 को रात 10:46 बजे तक रहेगी। ऐसे में इस बार भाई दूज का पर्व 23 अक्तूबर 2025 को मनाया जाएगा।

भाई दूज पूजा विधि

भाई दूज पर शाम को शुभ मुहूर्त में भाई बहन यमराज चित्रगुप्त और यम के दूतों की पूजा करें तथा सबको अर्घ्य दें। बहन, भाई की आयु वृद्धि के लिए यम की प्रतिमा का पूजन कर प्रार्थना करें। इसके बाद बहन, भाई को भोजन कराएं और तिलक लगाएं। इसके बाद भाई अपनी बहन को अपनी इच्छा के अनुसार उपहार दें। इस दिन सभी बहनें अपने हाथ से भाई को भोजन कराएं तो उसकी उम्र बढ़ती है। साथ ही उसके जीवन के सारे कष्ट दूर होते हैं।

यमुना और यमराज की पूजा का महत्व

प्रचलित कथाओं के अनुसार एक बार यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने धरती पर आए। उस दिन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि थी। भाई को आया देख यमुना ने उन्हें भोजन कराया और तिलक लगाकर आदर सत्कार किया। बहन का प्रेम देखकर यमराज ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस तिथि पर यमुना में स्नान करके यम का पूजन करेगा मृत्यु के बाद उसे यमलोक की यातना नहीं सहनी पड़ेगी। तभी से कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को यमुना नदी में स्नान कर यमराज की पूजा करने का विशेष महत्व है। स्कंद पुराण में लिखा है कि यमराज को प्रसन्न कर, पूजन करने वाले की हर कामना पूरी होती है।

भाई दूज के दिन बहनें जरूर करें इस कथा का पाठ, भाई की होगी रक्षा

यह त्यौहार कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाया जाता है। यह भाई बहन के प्रेम का प्रतीक है। इस दिन भाई बहन को साथ-साथ यमुना स्नान करना, तिलक लगवाना तथा बहिन के घर भोजन करना अति फलदायी होता है। इस दिन बहन-भाई की पूजा कर उसके दीर्घायु तथा अपने सुहाग की कामना कर हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करती है। इसी दिन युमना जी ने अपने भाई यमराज को भोजन कराया था। इसलिए इसे 'यम द्वितीया' भी कहते हैं। इस दिन श्रद्धा भाव से, स्वर्ण वस्त्र, मुद्रा आदि बहन को देना चाहिए।

कथा-सूर्य भगवान की स्त्री का नाम संज्ञादेवी था इनकी दो सन्तानें, पुत्र यमराज था कन्या यमुना थी। संज्ञा रानी पति सूर्य की उद्दीप्त किरणों को न सह सकने के कारण उत्तरी ध्रुव प्रदेश में छाया बनकर रहने लगी। उसी छाया से ताप्ती नदी तथा शनिश्चर का जन्म हुआ। इसी छाया से अश्विनी कुमारों का भी जन्म बताया जाता है जो देवताओं के वैद्य (भेषज) माने जाते हैं। इधर छाया का यम तथा यमुना से विमाता सा व्यवहार होने लगा। इससे खिन्न होकर यम ने अपनी एक नई नगरी यमपुरी बसायी, यमपुरी में पापियों को दण्ड देने का काम सम्पादित करते भाई को देखकर यमुना जी गो लोक चली आई उन्होंने दूतों को भेजकर यमुना को बहुत खोजवाया, मगर मिल न सकीं। फिर स्वयं ही गोलोक गए जहां विश्राम घाट पर यमुनाजी से भेंट हुई भाई को देखते ही यमुना ने हर्ष विभोर हो स्वागत सत्कार के साथ भोजन करवाया। इससे प्रसन्न हो यम ने वर मांगने को कहा।

यमुना ने कहा- हे भैया ! मैं आपसे यह वरदान मांगना चाहती हूँ कि मेरे जल में स्नान करने वाले नर-नारी यमपुरी न जायें? प्रश्न बड़ा कठिन था यम के ऐसा वर देने से यमपुरी का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता अतः भाई को असमन्जस में देखकर यमुना बोली- आप चिन्ता न करें मुझे यह वरदान दें कि जो 'लोग आज के दिन बहिन के यहाँ भोजन करके, इस मथुरा नगरी स्थित विश्राम घाट पर स्नान करें वह तुम्हारे लोक न जायें।' इसे यमराज ने स्वीकार कर लिया इस तिथि को जो सज्जन बहन के घर भोजन नहीं करेंगे उन्हें मैं बांध कर यमपुरी को ले जाऊँगा और तुम्हारे जल में स्नान करने वालों को स्वर्ग प्राप्त होगा। तभी से यह त्यौहार मनाया जाता है।

भाई दूज के दिन बहनें भूलकर भी न करें ये गलतियां, जानें क्या करें क्या न करें

भाई दूज का पर्व हर साल कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन मनाया जाता है। भाई दूज का त्योहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। भाई दूज को लेकर मान्यता है कि इस दिन बहन द्वारा भाई के माथे पर तिलक करने से यमराज स्वयं भाई की रक्षा करते हैं। हालांकि, भाईदूज के दिन बहनों को कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। शास्त्रों में इन चीजों को वर्जित बताया गया है। कहा जाता है कि इन गलतियों से पूजा का फल अधूरा रह जाता है।

भाई को जरुर लगाएं तिलक

भाईदूज के दिन अपने भाई को तिलक जरुर लगाएं। क्योंकि, अगर आप ऐसा नहीं करती हैं तो यह अशुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि अपने भाई को तिलक करके बहन अपने भाई की रक्षा के लिए यमराज से प्रार्थना करती है। अगर भाई दूर रहता है, तो उसकी तस्वीर पर तिलक लगाकर आशीर्वाद देना भी शुभ होता है।

भाई दूज की पूजा में जल्दबाजी न करें

भाई दूज के दिन पूजा पाठ में किसी भी तरह की जल्दबाजी न करें। कई बार बहनें जल्दी में ही पूरा विधि विधान कर देती हैं। ऐसा करने से बचवना चाहिए। क्योंकि, पूजा में जल्दबाजी करने से देवता और यमराज दोनों नाराज हो सकते हैं। पूजा पूरे मन से और श्रद्धा के साथ करें। साथ ही इस दिन दोनों बहन भाई मिलकर यमराज और यमुना जी की पूजा करें।

तिलक में काले रंग का इस्तेमाल न करें

भाई दूज के तिलक में काला रंग या काजल का उपयोग भूलकर भी नहीं करना चाहिए। तिलक के लिए रोली, चंदन, केसर या हल्दी का प्रयोग करना चाहिए।

शाम के समय पूजा करने से बचें

भाई दूज की पूजा सुबह या दोपहर में ही की जाती है। शास्त्रों के अनुसार, शाम के समय तिलक करना या पूजा करना शास्त्रों के अनुसार उचित नहीं माना गया है। मान्यता है कि इस समय यमराज की ऊर्जा अधिक प्रभावी रहती है, जिससे अशुभ परिणाम हो सकते हैं।

भाई दूज पर जरुर करें ये काम

इस दिन बहन को भाई की आरती कर तिलक लगाने के बाद मिठाई खिलानी चाहिए। भाई को भी बहन को उपहार और मिठाई देकर आशीर्वाद लेना चाहिए। यमराज और यमुना जी की पूजा कर दीपदान करना बहुत शुभ होता है। इसके अलावा, जरूरतमंदों को दान करने से पुण्य प्राप्त होता है और भाई-बहन दोनों के जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है।बहनों को इस दिन भाई की आरती कर तिलक लगाने के बाद मिठाई खिलानी चाहिए। साथ ही बहन को अपने भाई को नारियल का गोला जरुर देना चाहिए। भाई दूज का यह त्योहार केवल एक रस्म नहीं, बल्कि रिश्तों में प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। इसलिए इस दिन को पूरे स्नेह और सकारात्मकता के साथ मनाएं और इन छोटी-छोटी गलतियों से बचें ताकि रिश्ते में सदा मिठास बनी रहे।

छठ पर्व करते हैं तो भाई दूज के दिन भूलकर भी नहीं करें ये काम, छठी मैया हो जाती हैं नाराज

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का त्योहार मनाया जाता है। वहीं, कार्तिक मास के षष्ठी तिथि से छठ पर्व का आरंभ होता है। लेकिन कुछ ऐसी विशेष बाते हैं, जिनका ख्याल छठ पूजा करने वालों को भाई दूज यानी द्वितीया तिथि से ही रखना चाहिए। अगर आप छठ पूजा करते हैं या आपके परिवार में कोई महिला इस व्रत को करती है तो इस दिन भूलकर भी कुछ कार्य नहीं करने चाहिए। द्वितीया तिथि पर कुछ चीजें करना शुभ नहीं माना जाता है, इससे छठी मैया नाराज हो सकती हैं।

द्वितीय तिथि पर न करें शुभ कार्य

ऐसी मान्यता है कि कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मृत्युदा तिथि कहा जाता है। इसमें कोई भी शुभ या पुण्य का कार्य करना वर्जित माना गया है। हालांकि, यह तिथि बुधवार के दिन पड़ने से इसे शुभदा माना जाता है। यानी शुभ फल देने वाली, लेकिन फिर भी द्वितीय तिथि पर कोई भी पुण्य या शुभ कार्य न करें। ऐसा करने से जातक को नुकसान उठाना पड़ सकता है। खासतौर पर छठ पर्व करने वालों को इस नियम का ख्याल रखना चाहिए।

छठ पर्व करने वाले न करें गेहूं को स्पर्श

अगर आप छठ पर्व करते हैं या आपके घर में यह त्योहार मनाया जाता है तो द्वितीय तिथि के दिन एक बात का विशेष ध्यान जरूर रखें। छठ पूजा में गेहूं को लेकर प्राचीन मान्यता चली आ रही है। इससे प्रसाद तैयार किया जाता है। ऐसे में इसकी पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जाता है। छठ मैया के व्रत में श्रद्धालुओं की आस्था है कि प्रसाद का गेहूं झूठा या गंदा न हो। उसे अच्छी तरह साफ करके प्रयोग किया जाता है।

लेकिन इस कार्य को द्वितीय तिथि को भूलकर भी नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को छठ पर्व करने वालों को स्पर्श नहीं करना चाहिए, न उसकी महक लें और न उसे धोएं। यानी द्वितीय तिथि के दिन गेहूं से दूर रहना चाहिए।

छठ पूजा की खरीदारी करने से बचें

इस व्रत और त्योहार के लिए कई प्रकार की चीजों की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में लोग कुछ दिन पहले से ही छठ की खरीदारी में लग जाते हैं। लेकिन यह कार्य द्वितीय तिथि के दिन भूलकर भी न करें। मान्यता है कि भैया दूज पर छठ पूजा के प्रसाद की सामग्री नहीं खरीदनी चाहिए। क्योंकि इस दिन कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित माना गया है। ऐसे में इस दिन छठ पर्व के लिए प्रसाद, फलों आदि की खरीदारी करने से बचना चाहिए। अन्यथा छठी मईया नाराज हो सकती हैं।

छठ पूजा की तैयारी कब करें शुरू

इस साल छठ महापर्व 25 अक्टूबर, शनिवार को नहाय खाय के साथ शुरू होगा। ऐसे में अगर आपने सामग्री की लिस्ट बनानी शुरू कर दी है, तो इसकी खरीदारी द्वितीय तिथि के बाद करें। यानी आप छठ पूजा के लिए खरीदारी और उसकी तैयारी तृतीया तिथि से शुरू कर सकते हैं। इस दिन से आप गेहूं को धोना, सुखाना, प्रसाद की सामग्री खरीदना आदि कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं।

धन योग में भगवान विष्णु की कृपा से वृषभ सिंह समेत अन्य राशियों के जातक पाएंगे तरक्की और लाभ

आज 23 अक्टूबर दिन गुरुवार है जिसके स्वामी ग्रह गुरु बृहस्पति हैं जबकि आज के देवता भगवान विष्णु रहेंगे। आज तिथि रहेगी कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि। इस पर आज चंद्रमा का गोचर तुला राशि में होगा। और चंद्रमा के साथ मंगल की युति होने से चंद्र मंगल योग बनेगा। और इसके साथ ही आज चंद्रमा और गुरु के एक दूसरे से केंद्र भाव में होने से गजकेसरी योग बनेगा। और इसके साथ ही आज चंद्रमा से द्वादश भाव में शुक्र के होने से अनफा योग बनेगा। साथ ही आज विशाखा नक्षत्र के संयोग में आयुष्मान योग भी बन रहा है। ऐसे में भगवान विष्णु की कृपा और धन योग के प्रभाव से आज भाग्यशाली रहेंगे वृषभ, सिंह, तुला, धनु और मकर राशि के जातक।

वृषभ राशि –आज का दिन वृषभ राशि के जातको के लिए शुभ लाभदायक और लकी रहेगा। सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन नौकरी में अनुकूल स्थिति मिलने से प्रसन्नता होगी। अधिकारी और सहकर्मी दोनो से भी आप सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। आपको आज के दिन बिजनेस में अपेक्षा से बढ़कर लाभ मिलेगा। जो लोग बैंक से लोन लेने के प्रयास कर रहे हैं उनको सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी से संबंधित काम में भी आज आपको भाग्य का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आप आज राजनीतिक क्षेत्र में संपर्क का लाभ ले पाएंगे। परिवार के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आप कहीं घुमाने भी ले जा सकते हैं। सामाजिक संपर्क का आपको आज लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर श्रीहरि स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। पीले चंदन का तिलक भी करना चाहिए।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातको का मनोबल आज ऊंचा रहेगा। आपको भाग्य आज एक के बाद एक आर्ज सफलता प्रदान कर सकता है। आप आज कोई नया काम शुरू कर सकते हैं और पुराने चल रहे काम में भी आपको आज लाभ मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज फैमिली बिजनेस में बड़ा लाभ मिल सकता है। कोई महत्वपूर्ण काम जो काफी समय से टलता जा रहा है वह भी पूरा हो सकता है। आपको आज ईश्वरीय कृपा की अनुभूति होगी। बीमार चल रहे जातको के स्वास्थ्य में सुधार होगा। आपको कहीं से कोई गिफ्ट या अचानक आर्थिक लाभ मिल सकता है। नौकरी की तलाश मे जुटे जातकों को कामयाबी मिल सकती है। आपको किसी काम में पूर्व ज्ञान का फायदा होगा और शिक्षा में प्रदर्शन से मन आनंदित होगा।

उपाय : सिंह राशि के लोगों को आज के दिन उपाय के तौर पर गुड़ और चने की दाल का दान करना चाहिए।

तुला राशि –तुला राशि के जातको को लिए आज गुरुवार का दिन शुभ लाभदायक रहेगा। आज आपके संपर्क का दायरा बढेगा। कुछ नए लोगों से आपकी जान पहचान हो सकती है जिससे आपको भविष्य में लाभ का संयोग बनेगा। नौकरी में आज आपका दिन अनुकूल बीतेगा। आपको अधिकारी वर्ग का सपोर्ट मिलेगा। किसी मित्र या सगे संबंधी से भी आपको आज सहयोग मिल सकता है। आपको भाग्य आज अप्रत्याशित लाभ दिला सकता है। तुला राशि के जातक किसी कोर्स में दाखिला लेने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आज के दिन कामयाबी मिल सकती है। आपको आज पिता और पैतृक धन संपत्ति का भी लाभ मिलेगा। कोई खोई हुई वस्तु मिल जाने से आपको प्रसन्नता होगी। जो जातक वस्त्र और शौक श्रृंगार की वस्तुओं का कारोबार करते हैं उनको आज विशेष लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर आटे का दीपक बनाकर तुलसी को दीपक दिखाना चाहिए।

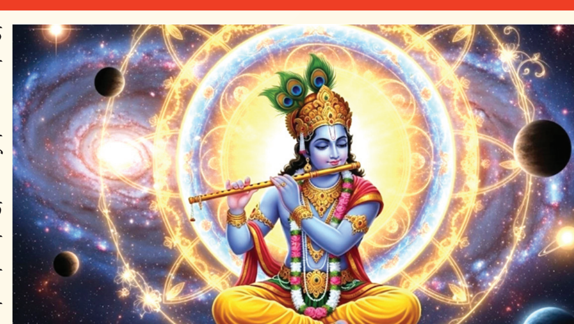

धनु राशि –धनु राशि के लिए आज धन योग का संयोग लाभदायक रहेगा। आपको आज किसी अप्रत्याशित स्रोत से आर्थिक लाभ मिल सकता है। कोई प्रॉपर्टी संबंधी डील करने जा रहे हैं तो आपको कामयाबी मिलेगी। आप आज बिजनेस में लाभदायक सौदा मिलने की खुशी होगी। परिवार के साथ आपका आज सुखद समय बीतेगा। घर में किसी की शादी की बात चल रही है तो बात आगे बढेगी जिससे प्रसन्नता का माहौल बना रहेगा। आप आज किसी धार्मिक और सामाजिक काम में भाग लेकर नाम और यश हासिल कर सकते हैं। किसी पैसे उधार दिए हैं तो आपको अपना धन वापस मिल सकता है। कोई पुराना मित्र या संबंधी आज आप आपकी मदद कर सकता है। स्वास्थ्य भी सामान्य रूप से अच्छा रहेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए और विष्णु चालीसा का पाठ करना चाहिए।

मकर राशि – आज का दिन मकर राशि के जातको के लिए शुभ लाभदायक रहेगा। आपको पूर्व में किए गए निवेश का लाभ मिलेगा। नौकरी की तलाश मे जुटे जातकों को आज कामयाबी मिल सकती है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज सरकारी क्षेत्र के काम में भी सफलता मिलेगी। आप आर्थिक प्रयास में आज सफलता पाएंगे। नौकरी में आपके ऊपर काम का दबाव रहेगा लेकिन आप बेहतर प्रबंधन क्षमता से स्थिति को सामान्य बनाए रखने में सफल रहेगे। आपको आज कोई लाभ और तरक्की का भी मौका मिलेगा। वाहन सुख मिलने का भी योग बना हुआ है। जो लोग गाड़ी खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कामयाबी मिलेगी। सामाजिक क्षेत्र में आपका प्रभाव और सम्मान मिलेगा। किसी सगे संबंधी से मिलने का भी संयोग बन सकता है। कार्य व्यापार के सिलसिले मे की गई यात्रा सफल रहेगी।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर हल्दी का तिलक करना चाहिए और केले के पेड़ को दीप दिखाना चाहिए।

संपादकीय

नक्सलवाद पर बड़ी सफलता

मोदी सरकार नक्सलवाद को समाप्त करने के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बताया है कि पिछले दो दिनों में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 258 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता है। 16 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, 15 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में 27 और महाराष्ट्र में 61 नक्सलियों ने अपने हथियार डाले थे। वहीं, बीते दिन यानी 17 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में 208 नक्सलियों के आत्मसमर्पण किया है। इस तरह, तीन दिन में कुल 466 नक्सलियों ने आतंक और हिंसा का रास्ता छोड़ा है। केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नेतृत्व क्षमता को रेखांकित करता है। यह राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक सफलता है। याद रहे कि गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य लिया है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में केंद्र सरकार और राज्य की भाजपा सरकारें आपसी समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। सरकार की पुनर्वास योजना और नक्सलवाद को खत्म करने के उसके संकल्प को देखकर भी नक्सली भयाक्रांत हैं। उन्हें अब यह समझ आने लगा है कि हिंसा का रास्ता छोड़ने के अलावा उनके पास कोई और विकल्प नहीं है। नक्सलियों को यह भी ध्यान में आ गया है कि राज्य और केंद्र में अब वे सरकारें नहीं हैं, जिन्होंने उनको न केवल पनपने दिया अपितु पर्दे के पीछे से समर्थन भी किया। अब भाजपा की सरकार है, जिसका दृष्टिकोण एकदम साफ है कि देश को अराजकता की ओर धकेलने वाले किसी भी व्यक्ति एवं गिरोह से कठोरता से निपटा जाएगा। स्मरण रखना चाहिए कि मोदी सरकार तो 'अर्बन नक्सलियों' को भी लक्षित करने में नहीं चूकती है। मानवता को रक्तरंजित करनेवाले नक्सलियों के आतंक एवं क्रूरता को न्यायोचित दिखाने के लिए यही 'अर्बन नक्सली' सहानुभूतिपूर्ण वातावरण तैयार करते हैं। सरकार को चाहिए कि नक्सलवाद के समूल नाश के लिए 'अर्बन नक्सल' के नेटवर्क को भी ध्वस्त करे। मोदी सरकार और गृहमंत्री अमित शाह की सराहना करनी चाहिए कि उन्होंने असंभव दिखने वाली बड़ी चुनौतियों का समाधान रणनीति बनाकर सुगमता से किया है। याद हो कि जम्मू-कश्मीर में इस्लामिक अलगाव पर चोट करने में पूर्ववर्ती सरकारें कितना घबराती थीं। उनके गिरेबां पर हाथ डालने की जगह उनके साथ गलबहियां की जाती थी। यह तो मोदी सरकार है जिसने न केवल अलगाववादी अनुच्छेद 370 एवं 35ए को निष्प्रभावी किया अपितु वहाँ जितने भी चरमपंथी गुट थे, उनको शांति के मार्ग पर चलने को बाध्य कर दिया। अन्यथा, आए दिन बात-बिना बात जम्मू-कश्मीर से पत्थर चलने के समाचार आते रहते थे। जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने के बाद गृहमंत्री श्री शाह और मोदी सरकार ने अब देश के प्रत्येक कोने से नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प लिया। जिस तरह से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में नक्सलवादियों के शीर्ष कैडर ने आत्मसमर्पण किया है, उसे देखकर यह अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है कि वह दिन दूर नहीं जब गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा करें।

गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बताया है कि पिछले दो दिनों में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 258 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता है। 16 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, 15 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में 27 और महाराष्ट्र में 61 नक्सलियों ने अपने हथियार डाले थे। वहीं, बीते दिन यानी 17 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में 208 नक्सलियों के आत्मसमर्पण किया है। इस तरह, तीन दिन में कुल 466 नक्सलियों ने आतंक और हिंसा का रास्ता छोड़ा है। केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नेतृत्व क्षमता को रेखांकित करता है। यह राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक सफलता है। याद रहे कि गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य लिया है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में केंद्र सरकार और राज्य की भाजपा सरकारें आपसी समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। सरकार की पुनर्वास योजना और नक्सलवाद को खत्म करने के उसके संकल्प को देखकर भी नक्सली भयाक्रांत हैं। उन्हें अब यह समझ आने लगा है कि हिंसा का रास्ता छोड़ने के अलावा उनके पास कोई और विकल्प नहीं है। नक्सलियों को यह भी ध्यान में आ गया है कि राज्य और केंद्र में अब वे सरकारें नहीं हैं, जिन्होंने उनको न केवल पनपने दिया अपितु पर्दे के पीछे से समर्थन भी किया। अब भाजपा की सरकार है, जिसका दृष्टिकोण एकदम साफ है कि देश को अराजकता की ओर धकेलने वाले किसी भी व्यक्ति एवं गिरोह से कठोरता से निपटा जाएगा। स्मरण रखना चाहिए कि मोदी सरकार तो 'अर्बन नक्सलियों' को भी लक्षित करने में नहीं चूकती है। मानवता को रक्तरंजित करनेवाले नक्सलियों के आतंक एवं क्रूरता को न्यायोचित दिखाने के लिए यही 'अर्बन नक्सली' सहानुभूतिपूर्ण वातावरण तैयार करते हैं।

कुछ अलग

कैसे हो जीवन की यात्रा सुखमय

मनुष्य का पूरा जीवन ही यात्रामय है। हम प्रायः दूसरों के दिखाए रास्तों पर ही चलते हैं, लेकिन जब मनुष्य अंतर्मन की यात्रा करता है, तब यहां किसी प्रकार के कोई पदचिह्न नहीं होते। इस यात्रा पर चलने से हम सब प्रकार की आसक्ति से मुक्त हो जाते हैं। श्वास को देखे बिना शरीर को ठीक तरह से समझ नहीं सकते, देख नहीं सकते। शरीर को देखे बिना मन को नहीं देख सकते। मन को देखे बिना आभामंडल को नहीं देख सकते और आभामंडल को देखे बिना प्राण को नहीं देख सकते। जो हमने यात्रा प्रारंभ की है। यात्रा के लिए हमने एक मार्ग चुना है। मार्ग पर हर कोई चलता है। हम भी चलते थे और चल रहे हैं। हर मार्ग पर पदचिह्न होते हैं, किंतु आज हमने एक ऐसा मार्ग चुना है, जिसमें कोई पदचिह्न नहीं है। पदचिह्न होने का अर्थ है- अनुसरण होना। जहां अनुसरण नहीं होता, वहां कोई पदचिह्न भी नहीं होता। हमारा मार्ग बिना पदचिह्न का मार्ग है। इसमें कोई किसी का अनुसरण नहीं करता। एक चिंतन आता है और उसका संस्कार बन जाता है। एक प्रवृत्ति होती है और उसका संस्कार बन जाता है। एक शब्द आता है और उसका संस्कार बन जाता है। चिंतन चला जाता है, प्रवृत्ति चली जाती है, शब्द चला जाता है, किंतु वे अपने पीछे चिह्न छोड़ जाते हैं। जो छोड़ा जाता है, उसकी आवृत्तियां होती रहती हैं। संस्कार शेष रह जाते हैं। किंतु हमने ऐसे मार्ग पर यात्रा शुरू की है, जिसमें कोई अनुसरण नहीं है, पदचिह्न नहीं है। जब चलने वाला अपने मार्ग से आसक्त हो जाता है, तब पदचिह्न शेष रह जाते हैं, किंतु जो विरत होता है, जिसे मार्ग का कोई मोह नहीं रहता, उसके कोई पदचिह्न नहीं होते।

आहार में पौष्टिक तत्वों का कारक मानी जाने वाली दालें,बढ़ते दामों के कारण गरीब की षारीरिक जरूरत पूरी नहीं कर रही

दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के उपाय

प्रमोद भार्गव

धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिषन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देष दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। इन योजनाओं के लिए 35,440 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृश्टि से आरंभ की जा रही हैं। दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्श 2030-31 तक उत्पादन को 252 लाख टन से बड़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। इस हेतु 35 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि दलहन उत्पादन के दायरे में लाई जाएगी। विडंबना देखिए, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दलहन उत्पादन और उपभोक्ता देष है, लेकिन दालों की आपूर्ति आयात पर निर्भर हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में कृशि निर्यात दोगुना हो गया है। लेकिन दालें आयात करनी पड़ती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नानाजी देशमुख ने जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत की है। धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिषन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देष दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। इन योजनाओं के लिए 35,440 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृशि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृश्टि से आरंभ की जा रही हैं। दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्श 2030-31 तक उत्पादन को 252 लाख टन से बड़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। इस हेतु 35 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि दलहन उत्पादन के दायरे में लाई जाएगी। विडंबना देखिए, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दलहन उत्पादन और उपभोक्ता देष है, लेकिन दालों की आपूर्ति आयात पर निर्भर हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में कृशि निर्यात दोगुना हो गया है। लेकिन दालें आयात करनी पड़ती हैं। आहार में पौश्टिक तत्वों का कारक मानी जाने वाली दालें,बढ़ते दामों के कारण गरीब की षारीरिक जरूरत पूरी नहीं कर रही हैं। ये हालात मानसून के दौरान औसत से कम या ज्यादा बारिष होने से तो उत्पन्न होते ही हैं, किसान के नकदी फसलों की ओर रुख करने के कारण भी हुए हैं। यही नहीं यह स्थिति इसलिए भी बनी, क्योंकि कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार की गलत नीतियों के चलते किसान को खाद्य वस्तुओं की बजाय, ईंधन, प्लास्टिक और फूलों की फसल उगाने के लिए, कृशि विभाग ने जागरूकता के अभियान चलाए। यही वजह रही कि भूमंडलीकरण के दौर में दालों की पैदावार लगातार कम होती चली गई। दाल उत्पादन का रकबा लगभग 15 हजार हेक्टेयर कम हो गया। भारत में दालों की सालाना खपत 220 से 230 लाख टन है। मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर के चलते

जमाखोरों और दाल के आयातक व्यापरियों को भी बारे-न्यारे करने का मौका मिल जाता है। पौश्टिक आहार देष के हरेक नागरिक के स्वस्थ जीवन से जुड़ा अहम्-प्रष्न है। संविधान के मूलभूत अधिकारों में भोजन का अधिकार षामिल है। चूंकि दालें प्रोटीन और पौश्टिकता का महत्वपूर्ण जरिया हैं। चूंकि दालें आयात करनी होती हैं, इसलिए इनके भाव भी बीच-बीच में बढ़ जाते हैं। इस कारण मध्यवर्गीय व्यक्ति की थाली से दाल गायब होने लगती है। चुनांचें दाल व्यक्ति की सेहत से जुड़ी हैं और बीमारी की हालत में तो रोगी को केवल दाल-रोटी खाने की ही सलाह चिकित्सक देते हैं। वर्श 1951 में प्रतिव्यक्ति दालों की उपलब्धता 60 ग्राम थी,जो वर्श 2010 में घटकर 34 ग्राम रह गई। जबकि अंतरराश्ट्रीय मानकों के अनुसार यह मात्रा 80 ग्राम होनी चाहिए। दालें भारत में प्रोटीन का प्रमुख स्त्रोत मानी जाती हैं। लेकिन स्थानीय मांग पूरी करने के लिए दाल उत्पादन में किसान को बड़ी मषक्क्त करनी पड़ती है। तुअर दाल की फसल आठ माह में तैयार होती है। बावजूद किसान को उचित दाम नहीं मिलते हैं। गोया,किसान साल में एक फसल उगाने में रुचि कैसे लें ? विदेषों में रहने वाले भारतीय भी सबसे ज्यादा तुअर की दाल खाना पसंद करते हैं। देष में सबसे अधिक चने और अरहर की खेती होती है। इनके अलावा मूंग और उड़द की दालें पैदा होती हैं। देष में 10 राज्यों के किसान दालों की खेती करते हैं। इनमें सबसे अधिक उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है। दालें मुख्य रूप से खरीफ की फसल हैं,जो वर्षा ॠतु में बोई जाती हैं। इस ॠतु में करीब 70 प्रतिशत दालों का उत्पादन होता है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार दालों के तात्कालिक भाव 85.42 प्रति किलो से लेकर 112.88 रुपए किलो तक हैं। भावों में इस उछाल का कारण जमाखोरी और सट्टेबाजी के साथ आयात का कुचक्र है। टाटा, मंहिद्रा, ईजी-डे और रिलांइस जैसी बड़ी कंपनियां जब से दाल के व्यापार से जुड़ी हैं,तब से ये जब चाहे तब मुनाफे के लिए दाल से खिलवाड़ करने लग जाती हैं। जब कंपनियां बड़ी तादाद में दालों का भंडारण कर लेती हैं,तो भावों में कृत्रिम उछाल आ जाता है। हालांकि केंद्र सरकार ने दालों का भंडारण सितंबर 2024 से सीमित किया हुआ है। इस कारण भाव नियंत्रण में हैं। मीडिया दाल के बढ़ते भावों को गरीब की थाली से जोड़कर उछालता है। तब सरकार दाल के आयात के लिए विवष हो जाती है। मसलन देषी-विदेषी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हर हाल में पौ-बारह बने रहते हैं। इन कंपनियों का दबदबा इतना है कि कोई भी राज्य सरकार इनके गोदामों पर छापे डालने का जोखिम उठाने का साहस नहीं जुटा पाती। लिहाजा कालाबाजारी बदस्तूर रहती है। ये कंपनियां मसूर और मटर की दाल कनाडा से,उड़द और अरहर की दाल बर्मा के रंगून से,राजमा चीन से और काबुली चना आस्ट्रेलिया से आयात करती हैं। इनके अलावा अमेरिका, रूस, केन्या, तंजानिया, मोजांबिक, मलावा और तुर्की से भी दालें आायात की जाती हैं। कनाडा ने मसूर दाल के भाव पिछले साल की तुलना में दोगुने कर दिए हैं। कनाडा एषियाई देषों में सबसे ज्यादा दालों का निर्यात करने वाला देष है। इस नाते यह कहने में कोई दो राय नहीं कि विदेषी बहुराश्ट्रीय कंपनियों की बात तो छोड़िए,देषी कंपनियां भी भारतीय कृशि को बदहाल बनाए रखना चाहती हैं। आयात की जब इन्हें खुली छूट मिल जाती है तो ये जरूरत से ज्यादा दाल व तेल का आयात करके भारत को डंपिंग ग्राउंड बना देती हैं। तय है,कालांतर में भारत की तरह दूसरे देषों में यदि मौसम रूठ जाता है तो दाल और प्याज की तरह खाद्य-तेल के भाव भी आसमान छूने लग जाते हैं। सस्ते तेल का आयात जारी रहने की वजह से ही भारत में तिलहन का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। बावजूद हमारे नेता ऐसी नीतियों को बढ़ावा देने की कोषिषों में लगे रहे हैं कि दलहन और तिलहत के क्षेत्र में भारत पूरी तरह परावलंबी बना रहे। इस परिप्रेक्ष्य में मनमोहन सरकार के कृशि मंत्री बलराम जाखड़ ने सलाह दी थी कि भारत अफ्रीका में दालें उगाए और फिर आयात करे। इसी तरह संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहे शरद पवार म्यांमार और उरुग्वे में दालें पैदा कराकर आयात करना चाहते थे। ये सुझाव समझ से परे हैं। आखिर ऐसे क्या रहस्य हैं कि हमारे नीति-नियंता विदेशी धरती पर तो दाल उत्पादन को प्रोत्साहित करना चाहते हैं, किंतु देश के किसानों को लाभकारी मूल्य देना नहीं चाहते ? ऐसी मंषाएं देष की खाद्य सुरक्षा को जान-बूझकर संकट में डालने जैसी लगती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नाते 100 पिछड़े जिलों में दालों के उत्पादन का दायरा बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिषा में महत्वपूर्ण पहल की है।

देश दुनिया से

शतायु जीवन दे सकते हैं अच्छे बैक्टीरिया

दुनिया में कुछ लोग अपनी आयु का शतक पूरा कर लेते हैं और कुछ गिने-चुने लोग अपने शतक में कुछ और साल जोड़ने में कामयाब हो जाते हैं। क्या इन लोगों का दीर्घ जीवन आनुवंशिक कारणों से है या इसके लिए उनका खानपान और दिनचर्या जिम्मेदार है? वैज्ञानिक काफी लंबे अर्से से इन सवालों का उत्तर ढूंढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। स्पेनी महिला मारिया ब्रान्यास मोरेरा द्वारा छोड़े गए एक 'उपहार' से उनके शोध प्रयासों को नया बल मिला है। मोरेरा का जब 2024 में 117 वर्ष की आयु में निधन हुआ तो वह विज्ञान के लिए अपने माइक्रोबायोम के नमूने छोड़ गई। हर व्यक्ति के शरीर में रहने वाले लाभकारी जीवाणुओं के समूह को माइक्रोबायोम कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस नमूने का अध्ययन करने के बाद पाया कि मोरेरा की आंतें दशकों छोटी महिला की आंतों की तरह विविध थीं। वे ऐसे लाभकारी बैक्टीरिया से भरपूर थीं जो दीर्घायु से जुड़े हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि मोरेरा की रोजाना योगर्ट (खास विधि से जमाया गया दही) खाने की आदत और भूमध्यसागरीय आहार ने शायद इसमें मदद की होगी। हालांकि हम सभी को 'भाग्यशाली जीन' विरासत में नहीं मिलते, फिर भी अपने माइक्रोबायोम का पोषण करना आजीवन स्वास्थ्य बनाए रखने का एक तरीका हो सकता है। सेल रिपोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित एक शोधपत्र में शोधकर्ताओं ने एक सुपरसेंटेनेरियन (110 वर्ष या उससे अधिक आयु का व्यक्ति) पर संभवतः सबसे विस्तृत वैज्ञानिक शोध प्रस्तुत किया है। अपनी मृत्यु से पहले ब्रान्यास ने इस शोध में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की थी जिसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि उन्होंने इतना लंबा और स्वस्थ जीवन कैसे जिया। वैज्ञानिकों ने उसके नमूनों की तुलना उन लोगों के नमूनों से की जिनकी उम्र इतनी असाधारण नहीं थी। उन्होंने पाया कि ब्रान्यास के शरीर में सुरक्षात्मक जीन मौजूद थे जो सामान्य बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन उन्होंने आंत के माइक्रोबायोम पर भी ध्यान दिया जिस पर हमारा ज्यादा नियंत्रण है। यह माइक्रोबायोम बैक्टीरिया, कवक और अन्य सूक्ष्मजीवों का विशाल समुदाय है जो हमारी आंतों में रहते हैं। ये भोजन को पचाने, विटामिन बनाने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करने और मस्तिष्क से संवाद करने में मदद करते हैं। यद्यपि हमारे जीन हमारे माइक्रोबायोम को आकार देने में छोटी भूमिका निभाते हैं, लेकिन आहार और जीवनशैली कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। आमतौर पर जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, आंत में सूक्ष्मजीव प्रजातियों की विविधता कम हो जाती है और बिफीडोबैक्टीरियम जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीव कम हो जाते हैं। विविधता में इस कमी को दुर्बलता से जोड़ा गया है। ब्रान्यास की आंत का माइक्रोबायोम किसी बहुत कम उम्र के वयस्क की तरह ही विविध था और विशेष रूप से बिफीडोबैक्टीरियम परिवार के जीवाणुओं से भरपूर था। ज्यादातर बुजुर्गों में ये बैक्टीरिया कम हो जाते हैं, लेकिन ब्रान्यास के स्तर अन्य शतायु और अतिशतायु लोगों में बिफीडोबैक्टीरियम के बढ़े हुए स्तर की पिछली रिपोर्टों से मेल खाते थे। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि इस असामान्य रूप से युवा माइक्रोबायोम ने उनकी आंत और प्रतिरक्षा स्वास्थ्य को सहारा दिया होगा, जिससे उनकी असाधारण दीर्घायु में योगदान मिला। बिफीडोबैक्टीरिया शिशु की आंत में बसने वाले पहले सूक्ष्मजीवों में से हैं और आमतौर पर जीवन भर लाभकारी माने जाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि ये प्रतिरक्षा कार्य को बढ़ावा देने, आंत संबंधी विकारों से बचाने और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। ब्रान्यास के आहार से इस बात का सुराग मिला कि उनमें बिफीडोबैक्टीरियम का इतना उच्च स्तर क्यों था। ब्रान्यास ने बताया कि वह रोजाना तीन बार योगर्ट का सेवन करती थी। योगर्ट में जीवित बैक्टीरिया होते हैं जो बिफीडोबैक्टीरियम के विकास को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भूमध्यसागरीय आहार भी अपनाया, जो खाने का एक ऐसा तरीका है जो आंत के माइक्रोबायोम की विविधता और अच्छे स्वास्थ्य से लगातार जुड़ा हुआ है। बिफीडोबैक्टीरियम को बढ़ावा देने वाले अन्य खाद्य पदार्थों में केफिर (एक तरह की छाछ) और फर्मेंट की गई सब्जियां शामिल हैं। इनमें प्रोबायोटिक्स अथवा जीवित बैक्टीरिया होते हैं जो आंत में बस सकते हैं और स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। लेकिन प्रोबायोटिक्स को ईंधन की आवश्यकता होती है। प्रीबायोटिक्स खाद्य पदार्थों में आहारीय रेशे होते हैं जिन्हें हम पचा नहीं सकते लेकिन जिन पर हमारे सूक्ष्मजीव पनपते हैं। ये रेशे प्याज, लहसुन, केले, जई और फलियों जैसे खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं। प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स मिलकर एक संतुलित माइक्रोबायोम बनाए रखने में मदद करते हैं। बेशक, यह एक अकेले व्यक्ति पर किया गया अध्ययन था और वैज्ञानिक यह दावा नहीं कर रहे हैं कि केवल उसका माइक्रोबायोम ही उसकी लंबी आयु की व्याख्या करता है। उसकी असाधारण दीर्घायु लगभग निश्चित रूप से कई परस्पर जुड़े कारकों का परिणाम थी जिनमें सुरक्षात्मक जीन, कुशल चयापचय (मेटाबॉलिज्म), कम सूजन और संभवतः आंत के विविध माइक्रोबायोम का समर्थन शामिल है। माइक्रोबायोम अनुसंधान तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन अभी तक कोई नहीं जानता कि 'आदर्श' माइक्रोबायोम कैसा दिखता है। ज्यादा विविधता आमतौर पर बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ी होती है, लेकिन लंबी उम्र का कोई एक नुस्खा नहीं है। फिर भी, ब्रान्यास का मामला इस बढ़ती हुई आम सहमति को पुष्ट करता है कि एक विविध लाभकारी माइक्रोबायोम का पोषण बेहतर स्वास्थ्य और लचीलेपन से जुड़ा है। हालांकि हम अपने जीन नहीं चुन सकते, लेकिन हम अपने आंत के सूक्ष्मजीवों को सपोर्ट कर सकते हैं। कुछ आसान उपायों में योगर्ट, दही, केफिर, फर्मेंटेड सब्जियों के साथ-साथ फल-सब्जियां, फलियां और साबुत अनाज खाना शामिल है, जो स्वस्थ सूक्ष्मजीवों के लिए आवश्यक प्रीबायोटिक्स प्रदान करते हैं। भारत में योगर्ट का प्रचलन नहीं है लेकिन योगर्ट का समकक्ष दही एक अच्छा प्रोबायोटिक है। भूमध्यसागरीय शैली का आहार माइक्रोबायोम विविधता और कम रोग जोखिम से जुड़ा हुआ है। इस आहार में फल, सब्जियां, फलियां, साबुत अनाज, जैतून के तेल और मछली पर मुख्य जोर दिया जाता है। ये आदतें 110 साल से ज्यादा जीने की गारंटी तो नहीं देतीं, लेकिन ये कैंसर, टाइप 2 डायबिटीज़ और हृदय रोग के कम जोखिम से जुड़ी हैं। मारिया ब्रान्यास मोरेरा का जीवन हमें याद दिलाता है कि दीर्घायु आनुवांशिकी, जीवनशैली और जीव विज्ञान के एक नाजुक संतुलन पर निर्भर करती है। हम हर कारक को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अच्छे पोषण से आंत के माइक्रोबायोम की देखभाल करना स्थायी स्वास्थ्य की दिशा में एक सार्थक कदम है।

आप का नजरिया

ट्रंप के दावे और भारत का उत्तर

भारत का पक्ष जाने बिना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर विश्वास करनेवाले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी एक बार फिर अपरिपक्व साबित हो गए हैं। अब जबकि दुनिया यह जान चुकी है कि ट्रंप अत्यधिक बड़बोले नेता हैं, तब उनके किसी भी दावे पर विश्वास करना, यह बताता है कि राहुल गांधी को व्यक्तियों की समझ नहीं है। वे न तो भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वभाव को समझ पाए हैं और न ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। इस तरह की बात वह पहले भी कह चुके हैं। सरकार का पक्ष सामने आता, उससे पहले ही कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को कमजोर और डरा हुआ बता दिया। उन्हें थोड़ी प्रतीक्षा तो करनी चाहिए थी। उनका उतावलापन दिखाता है कि भारत के प्रति उनकी दृष्टि संदिग्ध है। हालांकि विपक्षी दल का अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए सरकार की आलोचना करना स्वाभाविक है, लेकिन विदेश नीति के मामलों में देश के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर सरकार इस बात पर अडिग रहे कि भारत की ऊर्जा नीति का निर्धारण नई दिल्ली में होगा, न कि वाशिंगटन में। इधर, ट्रंप के दावे की हवा निकालते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत की ऊर्जा आयात नीति का मूल सिद्धांत उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह नीति बिल्कुल सही और तर्कसंगत है। भारत विश्व का एक बड़ा तेल और गैस आयातक है, और अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपने नागरिकों के लिए स्थिर और सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसी उद्देश्य के लिए, भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने और बाजार की परिस्थितियों के अनुसार आयात नीतियां तय करने का पूरा अधिकार है। भारत ने स्पष्ट किया कि वह अपनी शर्तों पर किसी से भी तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा सहयोग पर बातचीत जारी है। भारत ने पिछले एक दशक में अमेरिका से ऊर्जा खरीद में वृद्धि की है। यह बयान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, जो एक तरफ अमेरिका के साथ साझेदारी को महत्व देता है, लेकिन दूसरी तरफ अपने हितों से समझौता नहीं करने का संकेत भी देता है। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव विकल्प खुला रखना चाहिए। चाहे वह रूस से तेल खरीदना हो, या अमेरिका से साझेदारी बढ़ाना। भारत को अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए, किसी भी विदेशी दबाव के आगे नहीं झुकना चाहिए। विदेश मंत्रालय का स्पष्टीकरण इस दिशा में एक सही कदम है, जो भारत की स्वतंत्र और राष्ट्रीय हित-केंद्रित विदेश नीति को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वभाव को समझ पाए हैं और न ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। इस तरह की बात वह पहले भी कह चुके हैं। सरकार का पक्ष सामने आता, उससे पहले ही कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को कमजोर और डरा हुआ बता दिया। उन्हें थोड़ी प्रतीक्षा तो करनी चाहिए थी। उनका उतावलापन दिखाता है कि भारत के प्रति उनकी दृष्टि संदिग्ध है।

दृष्टि कोण

बदलते समय में भाई दूजः प्रेम और अपनापन कैसे बना रहे

दीवाली के बाद का शांत उजाला जब धीरे-धीरे घरों में उतरता है, तब आती है भाई दूज की सुबह — मिठास और ममता से भरी। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती करती हैं और मन ही मन यह कामना करती हैं कि उनका भाई सदा सुखी रहे। बदले में भाई बहन को उपहार देता है और यह वादा कि जीवनभर उसका साथ निभाएगा। यह दृश्य जितना सरल लगता है, उतना ही गहरा भी है। क्योंकि यह सिर्फ एक तिलक नहीं, रिश्तों में भरोसे, सुरक्षा और प्रेम की लकीर खींचने का संस्कार है। लेकिन आज जब समय बदल रहा है, रिश्तों की परिभाषाएँ बदल रही हैं, तब यह सवाल उठता है कि क्या भाई दूज का वही अपनापन और स्नेह अब भी पहले जैसा है? क्या भाई-बहन का रिश्ता अब भी उतना ही सहज, निर्भीक और भावनाओं से भरा है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी और आँगन की धूप में होता था? कभी भाई दूज सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव हुआ करता था। बहनें सवेरे से तैयार होकर भाई की प्रतीक्षा करती थीं, घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दूर से बहन के घर पहुँचते थे, क्योंकि यह दिन मिलन का होता था। न कोई दिखावा, न औपचारिकता—बस भावनाओं का सच्चा प्रवाह। उस समय रिश्तों में दूरी नहीं, दिलों की गर्माहट थी। आज भी भाई दूज मनाया जाता है, पर उसकी आत्मा कहीं धुंधली पड़ने लगी है। अब भाई दूज का तिलक कई बार व्हाट्सएप पर भेजे गए इमोजी से लग जाता है, राखी और तिलक दोनों ऑनलाइन ग्रीटिंग्स में सिमट गए हैं। "भाई दूज मुबारक" का संदेश सोशल मीडिया पर चमकता है, पर उसके पीछे की नज़रों में अब वो अपनापन नहीं दिखता जो किसी बहन की आँखों में तब झलकता था जब वह अपने भाई का चेहरा देखती थी। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, संवेदना का भी है। समय ने हमें जोड़ा जरूर है, पर जोड़े हुए रिश्ते अब दिलों से ज़्यादा डिवाइसों में रहने लगे हैं। भाई दूज जैसे पर्व जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक थे, अब "स्टेटस अपडेट" बनते जा रहे हैं। इस बदलाव की जड़ें आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिकता और आत्मकेंद्रित सोच में हैं, जिसने हमें अपनों से दूर कर दिया है। भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा नहीं, बल्कि उस भावनात्मक संतुलन का प्रतीक भी है, जिसमें भाई सुरक्षा देता है और बहन संवेदना। दोनों एक-दूसरे की जरूरत बनकर रिश्तों के समाज का ढांचा खड़ा करते हैं। लेकिन आज की पीढ़ी में यह रिश्ता धीरे-धीरे औपचारिक होता जा रहा है। शहरों में बढ़ती व्यस्तता, प्रवास, और आत्मनिर्भर जीवनशैली ने भाई-बहन के रिश्तों को एक 'मौके की मुलाकात' बना दिया है। जहाँ पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर दिन भर का समय उसके परिवार के साथ बिताता था, अब वह मुलाकात कुछ मिनटों या वीडियो कॉल तक सीमित रह जाती है। बहनें भी अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, भावनात्मक रूप से

मज़बूत हैं, और जीवन के हर फैसले खुद लेती हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी है, क्योंकि अब बहनें "सुरक्षा की मोहताज" नहीं, बल्कि बराबरी के आत्मसम्मान की प्रतीक हैं। मगर इस बराबरी के दौर में भी रिश्तों की गर्माहट बनी रहना जरूरी है। त्योहारों का उद्देश्य ही यही होता है—रिश्तों को दोबारा गढ़ना, दूरी मिटाना। भाई दूज हमें हर साल यह याद दिलाती है कि रिश्तों का पोषण केवल खून से नहीं, व्यवहार से होता है। लेकिन आधुनिकता की रफ्तार ने हमें इतना व्यस्त कर दिया है कि हम भावनाओं को भी समय-सारिणी में बाँधने लगे हैं। कभी-कभी लगता है कि रिश्ते अब कैलेंडर पर टिके कुछ त्योहारी दिनों के मेहमान बन गए हैं। आज की बहनें केवल उपहार नहीं, भावनात्मक साझेदारी चाहती हैं। उन्हें यह नहीं चाहिए कि भाई बस त्यौहार पर पैसे या गिफ्ट दे दे; वे चाहती हैं कि भाई उन्हें समझे, उनका सम्मान करे, उनके निर्णयों में साथ खड़ा रहे। और भाई भी चाहते हैं कि बहन सिर्फ स्नेह की मूर्ति नहीं, बल्कि सहयोग और संवेदना की साझेदार बने। यही रिश्ते का नया रूप है—बराबरी और आत्मीयता का संतुलन। भाई दूज अब केवल बहन की सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और संवाद का भी प्रतीक बनना चाहिए। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ बचपन का नहीं होता, वह उम्रभर का साथ है। भले जीवन के रास्ते अलग हों, पर दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए। आज का समाज रिश्तों को "प्रोडक्टिविटी" और "प्रोफेशनलिज़्म" की कसौटी पर तौलने लगा है। हम दोस्ती में भी फायदे ढूँढ़ते हैं, तो पारिवारिक रिश्ते भी कभी-कभी बोझ लगने लगते हैं। भाई दूज ऐसे ही समय में हमें झकझोरती है—कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं होता। तकनीक रिश्ते बना सकती है, पर आत्मीयता केवल स्पर्श, मुस्कान और अपनापन से आती है। यह सही है कि समय बदल रहा है और रिश्तों की शैली भी बदलनी चाहिए। लेकिन हर बदलाव में भावनाओं का बीज बचा रहना जरूरी है। भाई दूज के पर्व को नया अर्थ देना होगा—जहाँ भाई और बहन दोनों एक-दूसरे की भावनाओं, संघर्षों और स्वतंत्रता का सम्मान करें। त्योहार तभी जीवित रहते हैं जब वे समय के साथ अपनी आत्मा को बचाए रखते हैं। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि समानता चाहती हैं; और भाई भी यह समझने लगे हैं कि बहन की स्वतंत्रता उसकी शक्ति है, विद्रोह नहीं। यह समझदारी इस रिश्ते को और गहरा बना सकती है। भाई दूज अब उस सामाजिक ढांचे का प्रतीक बन सकता है जहाँ पुरुष और स्त्री के बीच सहयोग और संवेदना का रिश्ता हो, न कि संरक्षण और निर्भरता का। कभी-कभी लगता है कि त्योहारों की भी अपनी भाषा होती है, जो हमें वह सब याद दिलाती है जिसे हम रोज़मर्रा की ज़िंदगी में भूल जाते हैं। भाई दूज की भाषा है—स्मृति और स्नेह की। यह पर्व हमें उस समय में ले जाता है जब हम बिना कारण किसी की परवाह करते थे, जब रिश्ते लेन-देन नहीं, जीवन का आधार थे। इस पर्व के बहाने हमें अपने भीतर झाँकना चाहिए—क्या हम अब भी उतने ही आत्मीय हैं जितने बचपन में थे? अगर इस सवाल का उत्तर 'हाँ' है तो यह त्योहार जीवित है। और अगर उत्तर 'न' है, तो हमें इसे फिर से जीवित करना होगा—किसी सोशल मीडिया पोस्ट से नहीं, बल्कि सच्चे व्यवहार से। किसी बहन के घर जाकर उसका हाल पूछने से, किसी भाई को गले लगाने से, किसी बचपन की याद को फिर से जीने से। भाई दूज का असली अर्थ यही है कि रिश्तों की दीवारों पर समय की धूल जम जाने के बावजूद उनका रंग न फीका पड़े।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। संबंधियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आप–को यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। जिसे आप चाहते हैं, उसके साथ आपका तल्ख़ रवैया आपके रिश्ते में दूरी बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। क्योंकि आप किसी ख़ास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा करना फ़ायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। खाली समय में आज आप कोई उपन्यास अथवा कोई धार्मिक ग्रन्थ पढ के बोरियत को दूर कर सकते हैं । आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आज आप नए दोस्त बनाने में सफल साबित होगें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आपका ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दु:खी कर सकता है, बल्कि संबंधों में दूरी भी पैदा कर सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका जी–वनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। अगर आप सेमिनार और व्याख्यान आदि में शिरकत करेंगे, तो कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपका ला–परवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 अक्टूबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 10:47 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 04:51 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 04:59 तक
करण : बालव प्रात: 09:32 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 10:05 तक
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:56 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 05:48 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : यम द्वितीया , यमुना स्नान, भाई दूज , कार्तिक मासे दीप–दानम् , हेमन्त ऋतु आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अन्ता विधानसभा उपचुनाव 2025

केन्द्रीय व्यय पर्यवेक्षक ने अभ्यर्थियों व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की ली बैठक

बारां,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जिले के अन्ता विधानसभा उप चुनाव के तहत नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक मुकेश राठौर ने बुधवार को मिनी सचिवालय के सभागार में अभ्यर्थियों व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक लेते हुए कहा कि स्वतंत्र निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव खर्च पर सख्त निगरानी रखी जाएगी।

व्यय पर्यवेक्षक राठौर ने कहा कि सभी अभ्यर्थियों व दलों को चुनावी खर्च की सीमा सहित कानूनी प्रावधानों की जानकारी रखते हुए उनकी पालना की जानी चाहिए। सभी अभ्यर्थियों को नामांकन से पूर्व बैंक खाता खुलवाते हुए सभी जमा खर्च इसी के माध्यम से किए जाने चाहिए। साथ ही इसका ब्यौरा निर्धारित रजिस्टरों संधारित किया जाना चाहिए। मुद्रित प्रचार सामग्री पर मुद्रक व प्रकाशक नाम आवश्यक रूप से हो। प्रचार सामग्री के नाम पर धोती, साड़ी व गमछा आदि का वितरण प्रतिबंधित है। चुनाव प्रचार में रैली, सभाओं की पूर्व अनुमति आवश्यक है। वाहनों पर भी अनुमति पत्र को चस्पा किया जाना चाहिए। परिणाम घोषणा के पश्चात तीस दिन की अवधि में चुनाव खर्च का सम्पूर्ण लेखा जोखा निर्वाचन विभाग को प्रस्तुत करना होगा। इस बीच इन लेखों का तीन बार निरीक्षण भी किया जाएगा। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य धनबल व बाहुबल का दुरूपयोग रोकना है। स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव पहली प्राथमिकता है इसमें नियमों व प्रावधानों के उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। बैठक के दौरान पीपीटी के माध्यम से चुनावी व्यय से संबंधित अधिनियम व प्रावधानों तथा इनके रिकोर्ड संधारण के बारे में भी जानकारी दी गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल व सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी सहित अन्य अधिकारी व अभ्यर्थी तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

जिला कलक्टर व एसपी ने किया संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर व पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बुधवार को अन्ता विधानसभा उपचुनाव के तहत बामला व कोटडी. तुलसां स्थित संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से मतदान के सम्बंध में चर्चा करते हुए निर्भीक होकर मतदान करने को प्रेरित किया।

जिला कलक्टर तोमर ने वल्नरेबल श्रेणी में चिन्हित बामला व कोटड़ी तुलसां के बूथों का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों व प्रबुद्ध जनों के साथ बैठक करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतदान दिवस पर मतदान केन्द्र व क्षेत्र में मतदाताओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस बल के कडे. इंतजाम किए जाएंगे तथा सभी प्रकार गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। मतदान में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी मतदाता बिना किसी भय के मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान में भाग लें तथा अन्य मतदाताओं को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण जनों की मतदान संबंधित समस्याओं के बारे भी जानकारी ली। जिला कलक्टर ने मेघवाल बस्ती का भी दौरा करते हुए ग्रामीणों के साथ वार्ता की। इस दौरान बारां एसडीएम विश्वजीत सिंह भी मौजूद थे। अन्ता विधानसभा उप चुनाव 2025 के दौरान 11 नवम्बर को मतदान दिवस होने के तहत 10 व 11 नवम्बर को समाचार पत्रों में छपने वाले राजनैतिक दलों व उम्मीदवारों के विज्ञापनों का प्रकाशन पूर्व अधिप्रमाणन के बाद ही किया जा सकेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी राजनैतिक दल व उम्मीदवार 10 व 11 नवम्बर को प्रिन्ट मीडिया में विज्ञापन देने से पूर्व जिला स्तरीय विज्ञापन अधिप्रमाणन समिति से प्रिन्ट मीडिया के विज्ञापनों का अधिप्रमाणन ''प्री–सर्टिफिकेशन'' करवाकर ही प्रिन्ट मीडिया में विज्ञापन प्रकाशित करवा सकेंगे। प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के लिए पूर्व–प्रमाणन चाहने वाले आवेदकों को विज्ञापन के प्रकाशन की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले एमसीएमसी में आवेदन करना होगा। समय पर पूर्व–प्रमाणन की सुविधा के लिए राज्य व जिला स्तर पर एमसीएमसी को सक्रिय किया गया है ताकि ऐसे विज्ञापनों की जांच और पूर्व–प्रमाणन किया जा सके।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में लाठीभाटा जंग, 10 लोग घायल

लालसोट,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

शहर के मंडी के पीछे स्थित हट्टीका कॉलोनी में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जोरदार लाठीभाटा जंग हो गई। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया । घटना में 10 लोग घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर बताई जा रही है।घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बीच–बचाव कर किसी तरह झगड़े को शांत कराया । मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को लालसोट जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया, जबकि गंभीर अवस्था को देखते हुए घनश्याम, सोनू, गणेश, रमेश, सुमित, तृप्ति और सोनू को जयपुर रैफर कर दिया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में किए दर्शन

जयपुर,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर स्थित प्रसिद्ध मोती डूंगरी गणेश मंदिर पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन किए और प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने विधिवत पूजा–अर्चना करवाई। उपमुख्यमंत्री ने भगवान गणेश को अनकूट की भोग प्रसादी अर्पित की और गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, आज के दिन मंदिर आकर भगवान का आशीर्वाद लेना हमारी संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। हमें इस परंपरा को जीवित रखना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भी धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाएं और उन्हें आगे बढ़ाएं। हमारा कर्तव्य है कि हम नई पीढ़ी को अपने संस्कार और संस्कृति से परिचित कराएं।

दीपावली पर हाईवे जाम और पथराव पुलिस ने 27 लोगों को किया गिरफ्तार

बयाना,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बयाना में दीपावली के दिन हुए जमीनी विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन ने उग्र रूप ले लिया। भीमनगर तिराहे पर करीब 150 लोगों की भीड़ ने स्टेट हाईवे जाम कर दिया और पुलिस की समझाइश के दौरान पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि पुलिस की कई गाड़ियों के शीशे टूट गए।

घटना गढ़ी बाजना थाना क्षेत्र के गांव सेऊपुरा गुर्धा डांग में लंबे समय से चल रहे रास्ते के विवाद को लेकर हुई। विवादित पक्ष महाराज सिंह–बृजेंद्र जाटव के समर्थन में लोग एकत्रित होकर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी हरिराम कुमावत, सीओ कृष्णराज जांगिड़ और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस पर पथराव के बाद थाना प्रभारी बाबूलाल गुर्जर ने दो महिलाओं समेत 32 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं समेत 27 लोगों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोग हाथ जोड़कर और कान पकड़कर अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगते नजर आए। वहीं, घटना के मुख्य आरोपी पूर्व सरपंच मेघसिंह समेत पांच लोग फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। सीओ कृष्णराज जांगिड़ ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद सभी आरोपियों को मुख्य मुकदमे में शामिल किया जाएगा। उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कागजों तक सीमित है भावांतर योजना, किसानों को ठग रही भाजपा : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा सरकार की भावांतर योजना और सरकारी खरीद एजेंसी कहां हैं? सरकार द्वारा धान, बाजरा, मूंग और कपास जैसी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) ना देकर, किसानों को लगातार ठगा जा रहा है। किसान की फसलें औने–पौने दामों पर बिक रही हैं, लेकिन सरकार व एजेंसियां गायब हैं। यह किसानों के साथ विश्वासघात है। दूसरी तरफ खाद के लिए लंबी कतारें लगी है। किसान फसल बोने से लेकर बेचने तक मारा मारा फिर रहा है ,किसान की सुध लेने का समय सरकार के पास नही है।

हुड्डा ने कहा कि नारनौल की मंडियों में बाजरा ₹1800 से ₹1850 रुपये प्रति क्विंटल में पिट रहा है, लेकिन सरकारी खरीद एक भी दाने की नहीं हुई। नूंह जिले की मंडियों में भी बाजरे का एक दाना नहीं खरीदा गया। किसानों को ₹1700–₹1800 रुपये प्रति क्विंटल से ऊपर एक पैसा नहीं मिला। हिसार की मंडियों का हाल तो और भी बेहाल है। एमएसपी ₹2775 प्रति क्विंटल होने के बावजूद किसान नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिसार की मंडियों में 40,000 टन मूंग पहुंची है, जिसमें से सरकारी एजेंसियों ने एक भी दाना नहीं खरीदा। भिवानी मंडी में भी कपास और बाजरा औने–पौने दामों पर बिक रहे हैं। भिवानी मंडी में कपास ₹6500–₹7200 प्रति क्विंटल बिक रही है, जबकि एमएसपी ₹8100 प्रति क्विंटल है। सरकारी खरीद न होने से सिर्फ मिलर ही खरीद कर रहे हैं, जिसका पूरा नुकसान किसानों को हो रहा है।

हुड्डा ने सवाल उठाया कि सरकारी एजेंसियां कह रही हैं कि मानकों के अनुसार फसल नहीं, इसलिए खरीद नहीं हो रही। कौन से मानक? कैसे मानक? बीज बेचते समय तो मानक सही थे, तो फिर फसल के समय मानक कैसे गड़बड़ा गए? क्या किसान ने अपने घर पर बाजरे की फसल तैयार की? अगर बीज गलत थे, तो किसान घाटा क्यों भुगते? गलत बीज बेचने वालों पर कोई कार्रवाई हुई? क्या पूरे हरियाणा में ही गलत बीज

2 नवंबर को फरीदाबाद में होगा जेजेपी का युवा योद्धा सम्मेलन

दिग्विजय चौटाला ने किसानों के मुआवजे की उठाई मांग

चंडीगढ़,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जननायक जनता पार्टी ने अपने युवा योद्धा सम्मेलन अभियान के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए अगले सम्मेलन की घोषणा कर दी है। जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने बताया कि जेजेपी दो नवंबर को फरीदाबाद जिले में युवा योद्धा सम्मेलन करेगी, जो कि तीसरा जिला सम्मेलन होगा। इससे पहले जेजेपी ने सिरसा और कैथल जिले में शानदार युवा योद्धा सम्मेलन करके युवाओं की आवाज को उठाया था। उन्होंने कहा कि युवा योद्धा अभियान को लेकर जेजेपी के युवा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है और सिरसा, कैथल की तरह फरीदाबाद जिले का भी सम्मेलन ऐतिहासिक होगा।

साथ ही दिग्विजय सिंह चौटाला ने किसानों को मुआवजे देने की मांग को भी उठाया है। दिग्विजय ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से मांग करते हुए कहा कि हाल ही में हुई भारी बरसात और बाढ़ के चलते किसानों को खासा नुकसान पहुंचा है और इस आपदा ने किसानों को गहरे आर्थिक संकट में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बहुत सारी जगहों पर वर्तमान स्थिति इतनी गंभीर है कि किसानों की फसल पूरी तरह तबाह हो चुकी है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि यदि सरकार ने तुरंत स्पेशल गिरदावरी करवाकर किसानों को उचित मुआवजा नहीं दिया तो किसानों के पास अगली फसल बोने के लिए भी संसाधन नहीं बचेंगे।

जापान में गीता के शाश्वत संदेश का प्रसार हरियाणा सरकार ने भेंट की 100 प्रतियां

चंडीगढ़,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में जापान के ओसाका स्थित भारतीय दूतावास के काउंसलेट जनरल ऑफ़ इंडिया चंद्रू अप्पार को श्रीमद्भागवत गीता (जापानी संस्करण) की 100 प्रतियाँ भेंट की गईं। ओसाका विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर विकास पांडे तथा वर्तमान में टोक्यो में रह रही कुरुक्षेत्र की मूल निवासी निकिता ने इन प्रतियों को औपचारिक रूप से भेंट किया।

इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग की संयुक्त निदेशक हीना बिंदलिश, विदेश सहयोग विभाग में मुख्यमंत्री के सलाहकार पवन चौधरी, केडीबी के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल एवं एचएसआईआईडीसी के महाप्रबंधक संजय गर्ग भी जुड़े। इस कार्यक्रम में जापान सहित अन्य देशों में गीता के शाश्वत संदेश के प्रसार पर गहन विचार–विमर्श किया गया। सीजीआई ओसाका अप्पार ने जापानी छात्रों के लिए ऑनलाइन गीता शिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की।गौरतलब है कि कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 15 नवंबर से 5 दिसंबर, 2025 तक मनाया जाएगा, इस दौरान 51 देशों में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। हरियाणा प्रतिनिधिमंडल ने इस अवसर पर सीजीआई, ओसाका से दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव तथा आगामी सूरजकुंड मेले में जापानी प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में बोले योगी आदित्यनाथ

हलाल सर्टिफिकेट वाले उत्पाद कतई न खरीदें : योगी

आतंकवाद, लव जेहाद, धर्मांतरण के लिए होता है इस धन का इस्तेमाल

गोरखपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के नागरिकों को हलाल सर्टिफिकेशन वाले उत्पाद खरीदने से मना किया है। सीएम योगी ने कहा है कि हलाल सर्टिफिकेट वाले सामानों से आया धन आतंकवाद, लव जेहाद, धर्मांतरण और अन्य राष्ट्र विरोधी क्रिया-कलापों में होता है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में हलाल सर्टिफिकेशन पर पूरी तरह से रोक लगी है। उत्तर प्रदेश में अब कोई भी संस्था हलाल सर्टिफिकेट लगाकर अपने प्रोडक्ट नहीं बेच पाएगा। सीएम योगी ने अपील की कि कोई भी सामान खरीदते समय जीएसटी जरूर दें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए। क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है। यानि हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में बैन किया है। मुझे लगता है यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा, लेकिन आप आश्चर्य करेंगे कि साबुन का भी हलाल, कपड़े का भी हलाल। सीएम योगी ने कहा कि हमने जब कार्रवाई शुरू की तो 25 हजार करोड़ रुपए देश के अंदर हलाल सर्टिफिकेशन से उगाहा जाता था। भारत सरकार या राज्य सरकार की किसी भी एजेंसी ने उन्हें मान्यता नहीं दी है। ये सारा का सारा पैसा आतंकवाद के लिए, लव जेहाद के लिए और धर्मांतरण में दुरुपयोग होता है। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश ने इसके खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की है। हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर भारत के ग्राहकों का शोषण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कोई सामान खरीदते हैं तो ये जरूर देखिए कि जीएसटी हमें देना है। यह भी देखिए कि हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर एक फूटी कौड़ी भी नहीं देनी है। क्योंकि जितना पैसा भी जाएगा, यह सारा पैसा आपके खिलाफ षड्यंत्र में इस्तेमाल होगा। यह षड्यंत्र बड़े स्तर पर हो रहा है। यही होता है, ये छांगुर एक नमूना के रूप में बलरामपुर में गिरफ्तार करके जेल के अंदर भेजा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे देश में अंग्रेजी शासन से मोर्चा लेने की चर्चा तो होती है लेकिन राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती। राजनीतिक इस्लाम ने हमारी आस्था पर कुठाराघात किया। हमारे पूर्वजों ने ब्रिटिश और फ्रांस के उपनिवेश के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी, राजनीतिक इस्लाम को लेकर भी मोर्चा लिया था। वीर शिवाजी और महाराणा प्रताप के नाम इसमें उल्लेखनीय हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कांग्रेस को भी निशाने पर रखा। कहा कि कांग्रेस प्रभु राम और कृष्ण को नकारती थी। कांग्रेस ने अदालत में एफिडेविट देकर कहा था कि भगवान राम और कृष्ण मिथक हैं। सपा ने निर्ममता के साथ राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया अयोध्या में आकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर अभिभूत हो रही है। पिछले साल 6 करोड़ लोगों ने अयोध्या में प्रभु राम का दर्शन किया। प्रयागराज में महाकुंभ के 66 करोड़ से अधिक लोग साक्षी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग इसमें शुरुआत से ही खोट निकाल रहे थे।

सीएम योगी ने यह बात गोरखपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह के तहत विचार-परिवार कुटुम्ब स्नेह मिलन कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, आपको आश्चर्य होगा कि साबुन और कपड़ों का भी हलाल। दियासलाई का भी हलाल। मैंने कहा कि ये तो षडयंत्र है। माचिस तो झटका वाला है, आप एक झटके में लगाएंगे, तभी जलेगा। आप हलाल करते रहेंगे तो कभी नहीं जलेगी माचिस।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने साल 2023 में हलाल-सर्टिफाइड उत्पादों पर बैन लगा दिया था। यूपी सरकार ने तय किया था कि राज्य की सीमा के भीतर हलाल उत्पादों के उत्पादन, वितरण, भंडारण पर सम्पूर्ण बैन लागू हो।

यह बैन 18 नवंबर 2023 से लागू है। कुछ संस्थाएं बिना मान्यता के हलाल सर्टिफिकेशन जारी कर रही थीं। इनमें अधिकतर खाद्य, दवाइयां और कॉस्मेटिक्स के सामान शामिल थे। सरकार ने कहा कि यह व्यापार-मानदंड और सामाजित संतुलन के लिए समस्या पैदा कर रहा था, इसीलिए इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

पीएम मित्र पार्क में पांच हजार करोड़ का निवेश

टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में होगा गेम चेंजर

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को भारत का टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में पीएम मित्र पार्क गेम चेंजर साबित होने जा रहा है। लखनऊ और हरदोई जिले में विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क में अब तक पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। आदित्य बिरला ग्रुप, अजूल डेनिमकार्ट और टीटीएल जैसी कंपनियां निवेश के लिए आ रही हैं।

हैंडलूम एवं टेक्सटाइल विभाग की ओर से अब तक करीब 100 औद्योगिक इकाइयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किए जा चुके हैं। इनमें देश-विदेश की कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जो उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल उद्योग का नया केंद्र बनाने की दिशा में काम करेंगी। आदित्य बिरला ग्रुप ने 30 एकड़ भूमि में स्पिनिंग और वीविंग यूनिट स्थापित करने की इच्छा जताई है।

वहीं, जीईएसएल स्पिनर्स 20 एकड़ में टेक्निकल टेक्सटाइल यार्न यूनिट लगाने की योजना बना रहा है। इसके अलावा अजूल डेनिमकार्ट 15 एकड़ में डेनिम फैब्रिक यूनिट, एसएवीएम इंक डी 25 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग, जियोसिस इंडिया 25 एकड़ में जियोग्रिड टेक्निकल टेक्सटाइल्स, और टीटी लिमिटेड 5 एकड़ में गारमेंट यूनिट लगाने जा रही हैं।

आरजीआई मेडिटेक 2.5 एकड़ में सैनिटरी नैपकिन और डायपर यूनिट, वीडी ग्रुप 10 एकड़ में पॉलिप्रोपिलीन फैब्रिक यूनिट, माराल ओवरसीज 5 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग, और ओखला गारमेंट एंड टेक्सटाइल क्लस्टर 125 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करेगी।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना कुल 1000 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है, जिसमें लखनऊ जनपद की 730 एकड़ भूमि और हरदोई जनपद की 270 एकड़ भूमि शामिल है। पार्क के निर्माण के बाद 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक निवेश आने की संभावना है, जिससे एक लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पार्क के संचालन एवं प्रबंधन के लिए पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लिमिटेड नाम से एक एसपीवी का गठन किया गया है। इसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की और 49 प्रतिशत भारत सरकार की होगी।

कनेक्टिविटी ने निवेशकों का ध्यान सबसे ज्यादा खींचा है। लखनऊ एयरपोर्ट से इसकी दूरी 45 किलोमीटर, मलिहाबाद रेलवे स्टेशन से 15 किलोमीटर और लखनऊ जंक्शन से 40 किलोमीटर है। वहीं, नेशनल हाईवे (लखनऊ-हरदोई-दिल्ली) केवल 15 किलोमीटर और आउटर रिंग रोड 20 किलोमीटर की दूरी पर है।

ऊर्जा निगमों में बेमानी नियम लागू करने का विरोध

उपभोक्ता परिषद ने खटखटाया नियामक आयोग का दरवाजा

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन द्वारा लागू की जा रही वर्टिकल व्यवस्था का विरोध तीव्र होता जा रहा है। केस्को, अलीगढ़, मेरठ, बरेली के बाद राजधानी लखनऊ लेसा, नोएडा सहित अन्य क्षेत्रों में इसे लागू करने को लेकर नियामक आयोग में विधिक लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल कर दिया गया है। यह प्रस्ताव राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दाखिल किया है।

मंगलवार को नियामक आयोग में दाखिल किए गए प्रस्ताव में राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि केस्को, अलीगढ़, मेरठ, बरेली, और अब लखनऊ लेसा, नोएडा सहित अन्य क्षेत्रों में बिजली वितरण कंपनियों द्वारा बिना उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की स्पष्ट अनुमति के वर्टिकल व्यवस्था लागू कर दी गई है। इस व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को शिकायतों के समाधान के लिए एक केंद्रीकृत प्रणाली पर निर्भर किया गया है, लेकिन यह पूरी तरह से विफल सिद्ध हो रही है। पावर कॉरपोरेशन 1912 के माध्यम से उपभोक्ता की शिकायतों के समाधान की व्यवस्था बना रहा है जबकि अभी तक इसमें ओटीपी व्यवस्था लागू नहीं हुई है।

परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रस्ताव दाखिल करते हुए विद्युत वितरण संहिता के प्रावधानों के उल्लंघन का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि 1947 में बने राज्य विद्युत परिषद की संरचना में बदलाव किया जा रहा है। विद्युत नियामक आयोग को विश्वास में नहीं लिया गया। परिषद ने बताया कि मनमाने नियम लागू करने से 1912 कॉल सेंटर पूरी तरह निष्क्रिय हो गया है। शिकायतें दर्ज नहीं हो रहीं और समाधान का कोई ट्रैक उपलब्ध नहीं। ओटीपी आधारित शिकायत प्रणाली की कोई स्पष्ट प्रक्रिया उपभोक्ताओं को नहीं बताई गई है। जबकि आयोग ने निर्देश दिया था कि इस पर एक रिपोर्ट तैयार कर इसे लागू किया जाए। अभी तक इसे लागू न करने की वजह भी नहीं बताई जा रही है। उपभोक्ताओं को यह जानकारी नहीं दी जा रही कि किस अधिकारी से संपर्क करें, कहां जाएं या अपनी शिकायतें कैसे दर्ज कराएं। न कोई जन सूचना, न सार्वजनिक दिशा-निर्देश और न ही समय-सीमा निर्धारित की गई है।

नियामक आयोग से विधिवत अनुमति लेने के बजाय पावर कारपोरेशन ने तुगलकी आदेश जारी कर दिया। उपभोक्ता परिषद ने मांग की है कि वर्टिकल व्यवस्था तत्काल प्रभाव से रोकी जाए। उपभोक्ताओं को स्पष्ट एवं पारदर्शी सूचना दी जाए। 1912 कॉल सेंटर की व्यवस्था तत्काल दुरुस्त की जाए और ओटीपी आधारित प्रणाली को उपयुक्त और सुगम बनाया जाए।

5 शहर, 5 रणनीति, एक लक्ष्य : यूपी में निवेश

पांच महानगरों में खुलेंगे इन्वेस्ट-यूपी के कार्यालय

मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और दिल्ली में खुलेंगे दफ्तर

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। अब देश के पांच प्रमुख महानगरों मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और दिल्ली में इन्वेस्ट-यूपी के सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस खोले जाएंगे। इसका उद्देश्य देश के बड़े औद्योगिक केंद्रों से पूंजी निवेश को सीधे उत्तर प्रदेश तक लाना और निवेशकों को राज्य की नीतियों एवं संभावनाओं से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को हरी झंडी दे चुके हैं। इसी क्रम में इन सैटेलाइट ऑफिसों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है, जो राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देंगे।

प्रत्येक ऑफिस में एक जनरल मैनेजर, एक असिस्टेंट जनरल मैनेजर, दो उद्यमी मित्र, दो एग्जिक्यूटिव और दो ऑफिस असिस्टेंट की टीम कार्य करेगी। सभी पांचों कार्यालयों पर कुल 12 करोड़ रुपए से अधिक की वार्षिक धनराशि व्यय होने का अनुमान है।

सरकार की योजना के अनुसार, प्रत्येक शहर का सैटेलाइट ऑफिस अपनी भौगोलिक और औद्योगिक विशेषता के अनुरूप रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। मुंबई ऑफिस वित्तीय सेवाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक और ईएसजी फंड पर ध्यान देगा। बेंगलुरु ऑफिस जीसीसी, एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, ईवी और डीपटेक सेक्टर पर फोकस करेगा। हैदराबाद ऑफिस फार्मा, डेटा सेंटर, हेल्थटेक और एंटरप्राइज उद्योगों पर केंद्रित रहेगा। चेन्नई ऑफिस ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और हार्डवेयर निर्माण उद्योगों में निवेश आकर्षित करेगा। नई दिल्ली ऑफिस समर्पित इन्वेस्ट यूपी एवं एशिया-यूरोपीय संघ सुविधा कार्यालय के रूप में कार्य करेगा।

योगी सरकार का यह कदम निवेशकों से नजदीकी संवाद बढ़ाने और राज्य की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की छवि को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि उत्तर प्रदेश अब केवल उपभोक्ता राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है। सैटेलाइट ऑफिस इस दिशा में सेतु का काम करेंगे।

इन सैटेलाइट ऑफिस के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष औद्योगिक केंद्रों में अपनी स्थायी मौजूदगी दर्ज करेगा और वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक नई पहचान बनाएगा।

हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए श्रीलंका की टीम घोषित, लाहिरु मदुशांका कप्तान

हांगकांग,22 अक्टूबर (एजेंसियां)। गत विजेता श्रीलंका ने बुधवार को हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर 2025 तक हांगकांग के टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा।

श्रीलंका 2024 में शानदार जीत के बाद इस बार अपने खिताब की रक्षा करने उतरेगा। पिछले साल फाइनल में पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने अपना दूसरा हांगकांग सिक्सेस खिताब जीता था। इस बार टीम पूल डी में बांग्लादेश और हांगकांग, चीन के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच खेलेगी।

लाहिरु मदुशांका को टीम का कप्तान बनाया गया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाजी ऑलराउंडर ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम में धनंजय लक्षन भी शामिल हैं, जो बाएं हाथ से बल्लेबाजी और दाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव दिखा चुके हैं।

दाएं हाथ के ओपनर थानुका दाबारे अपने दमदार घरेलू प्रदर्शन के साथ टीम में जगह बनाए हुए हैं। इसके अलावा 2023 एशियाई खेलों में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले निमेश विमुक्ति टीम के स्पिन विभाग को मजबूती देंगे।

क्रिकेट हांगकांग, चीन की चेयरपर्सन बुरजी श्रॉफ ने कहा, श्रीलंका की टीम हमेशा हांगकांग सिक्सेस में जोश, स्टाइल और जज्बे के साथ उतरती है। गत विजेता के रूप में उनकी वापसी टूर्नामेंट में उत्साह को और बढ़ाती है। हमें उम्मीद है कि वे एक बार फिर वैसी ही ऊर्जा दिखाएंगे और इतिहास रचने का प्रयास करेंगे।

लाहिरु समरकून, जिन्होंने 2023 एशियाई खेलों में टी20आई डेब्यू किया था, भी टीम का हिस्सा हैं। वहीं थरिंदु रत्नायके हाल ही में जून 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर चुके हैं। दाएं और बाएं दोनों हाथ से गेंदबाजी करने वाले इस गेंदबाज ने अपने पहले ही टेस्ट में छह विकेट लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। लंका प्रीमियर लीग के स्टार सचिथा जयतिलका भी टीम में शामिल हैं।

हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस 2025 में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार पूलों में बांटा गया है। श्रीलंका अपना पहला मुकाबला शुक्रवार, 7 नवंबर को हांगकांग, चीन के खिलाफ खेलेगा।

गत विजेता होने के नाते श्रीलंका इस टूर्नामेंट में एक बार फिर अपने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेगा। पांच ओवर प्रति पारी के इस रोमांचक छह-सदस्यीय प्रारूप में तीन दिन तक तेज़-तर्रार क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स से नाम वापस लिया

पेरिस। विश्व टेनिस के महान खिलाड़ियों में शुमार सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हटने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। उन्होंने यह फैसला सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट के दौरान पैर में लगी चोट के चलते लिया है। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने इस सीज़न में बहुत कम टूर्नामेंट खेले हैं। चारों ग्रैंड स्लैम के अलावा उन्होंने सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट्स में हिस्सा लिया। 38 वर्षीय जोकोविच इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन- सभी चार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मई अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल उन्हीं तीन स्लैम टूर्नामेंट में भाग लिया। हाल ही में खेले गए शंघाई मास्टर्स में भी जोकोविच को हिप (कूल्हे) की समस्या से जूझना पड़ा था, जिसके चलते वह सेमीफाइनल में बाहर हो गए थे। जोकोविच पिछले हफ्ते सऊदी अरब में आयोजित सिक्स किंग्स स्लैम में शामिल हुए थे, जहां उन्हें शुरुआती राउंड में बाई मिली थी। पहले मैच में वह जानिक सिनर से हार गए और तीसरे स्थान के लिए टेलर फ्रिट्ज़ के खिलाफ मुकाबले में एक सेट खेलने के बाद चोट के कारण मैच छोड़ना पड़ा। जोकोविच ने पहले ही एटीपी फाइनल्स (9 से 16 नवंबर, ट्यूरिन, इटली) के लिए क्वालीफाई कर लिया है, लेकिन उन्होंने 2024 में यह टूर्नामेंट छोड़ दिया था। इस बार भी उनकी भागीदारी को लेकर अब संशय बढ़ गया है।

लालीगा ने मियामी में विलारियल और बार्सिलोना के बीच खेले जाने वाले मैच को रद्द किया

मैड्रिड। स्पेन की शीर्ष फुटबॉल लीग लालीगा ने घोषणा की है कि बार्सिलोना और विलारियल के बीच दिसंबर में मियामी (अमेरिका) में खेले जाने वाले नियमित सीजन मैच को रद्द कर दिया गया है। लालीगा ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, मियामी में आयोजित होने वाले आधिकारिक लालीगा मैच के प्रमोटर के साथ बातचीत के बाद, हाल के हफ्तों में स्पेन में उत्पन्न अनिश्चितता को देखते हुए इस कार्यक्रम को रद्द करने का निर्णय लिया गया है। लीग ने आगे कहा कि विदेश में आधिकारिक मैच आयोजित करना प्रतियोगिता की वैश्विक वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होता, जो क्लबों की अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी, खिलाड़ियों की पहचान और स्पेनिश फुटबॉल की वैश्विक दृश्यता को मजबूत करता। गेम प्रमोटर 'रिलेवेंट स्पोर्ट्स' ने बताया कि उसने लालीगा को मैच स्थगित करने की आवश्यकता की सूचना दी क्योंकि इतने बड़े पैमाने के आयोजन को ठीक ढंग से तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। रिलेवेंट ने यह भी कहा, बिना पक्के मैच की पुष्टि के टिकट बिक्री शुरू करना गैरजिम्मेदाराना होगा। यह निर्णय ऐसे समय आया है जब खिलाड़ियों और अन्य क्लबों ने स्पेन के बाहर मैच आयोजित करने के विचार की आलोचना की है। विलारियल इस मैच की मेज़बान टीम थी और मुकाबला हार्ड रॉक स्टेडियम (मियामी) में खेला जाना तय था। रियल मैड्रिड के गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ ने भी इस पर नाराज़गी जताते हुए कहा, टीमों को घर और बाहर दोनों जगह खेलना चाहिए। स्पेनिश लीग में बाहर जाकर खेलना मुश्किल होता है। विलारियल के मैदान पर खेलना बहुत कठिन है, इसलिए हर टीम को घर और बाहर दोनों मुकाबले खेलने चाहिए, जब तक कि कोई बड़ी वजह न हो। गौरतलब है कि लालीगा और रिलेवेंट स्पोर्ट्स के बीच एक दीर्घकालिक साझेदारी है। रिलेवेंट, स्टीफन रॉस के स्वामित्व वाले समूह का हिस्सा है, जिसमें हार्ड रॉक स्टेडियम, मियामी डॉल्फ़िन्स, फॉर्मूला वन मियामी ग्रां प्री और मियामी ओपन जैसे प्रतिष्ठित आयोजन शामिल हैं।

पीकेएल-12: कप्तान विश्वास की धमक बंगाल वारियर्स ने थलाइवाज को 44-43 से हराया

नई दिल्ली। कप्तान के रूप में अपना पहला मैच खेल रहे विश्वास एस. के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बंगाल वारियर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के 100वें मुकाबले में तमिल थलाइवाज को 44-43 से रोमांचक अंदाज में हराया। विश्वास ने सुपर-10 के साथ टीम की अगुवाई की, जबकि हिमांशु नरवाल ने 9 अंक जोड़े। थलाइवाज के लिए अर्जुन देसवाल ने 20 और मोइन शफागी ने 8 अंक हासिल किए, लेकिन टीम आखिरी क्षणों में पिछड़ गई। यह हार थलाइवाज के प्लेऑफ की उम्मीदों को लगभग खत्म कर सकती है। देवांक की गैरमौजूदगी में भी बंगाल ने शानदार शुरुआत की। हालांकि पहले हाफ में देसवाल के सुपर रेड और थलाइवाज के ऑलआउट ने स्कोर 17-8 कर दिया, लेकिन दूसरे हाफ में बंगाल ने जोरदार वापसी करते हुए मुकाबले को पलट दिया। अंतिम मिनटों में विश्वास की निर्णायक रेड और फूलचंद द्वारा देसवाल को पकड़ने से बंगाल ने बढ़त कायम रखी। थलाइवाज ने आखिरी पलों में अंतर घटाया, लेकिन समय खत्म हो गया।

एडिलेड में वनडे सीरीज जीतने की फिराक में ऑस्ट्रेलिया, भारत को भी चाहिए वापसी

नयी दिल्ली,22 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया में इस सीजन को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा गर्मियों का सीज़न बताया जा रहा है, लेकिन पर्थ में खेले गए पहले वनडे की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। लगातार हुई फुहारों ने मुकाबले को अधूरा छोड़ दिया। हालांकि, इस कम ओवरों वाले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर अपना दबदबा जरूर बनाया और 7 विकेट से जीत दर्ज की। अब एडिलेड में गुरुवार को होने वाले दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया सीरीज अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी, जबकि भारत के सामने 'करो या मरो' की स्थिति होगी। तेज गेंदबाज़ों ने किया ऑस्ट्रेलिया का काम आसान

पर्थ में खेले गए पहले वनडे में जोश हेज़लवुड और मिचेल स्टार्क ने भारतीय टॉप ऑर्डर को झकझोर कर रख दिया। हेज़लवुड ने पिच की अतिरिक्त उछाल और गति का पूरा फायदा उठाया। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में हेज़लवुड का रोल आने वाली एशेज सीरीज़ में और अहम हो गया है। टीम के लिए एक और अच्छी खबर रही मैथ्यू रेनशॉ और मिचेल ओवेन का वनडे डेब्यू पर शानदार प्रदर्शन। साथ ही मैट कूहनेमन और जोश फिलिप ने भी गहराई में मजबूती दिखाई, जो टीम के 2027 वर्ल्ड कप ट्रांज़िशन प्लान के लिए अच्छा संकेत है।

भारत की बैटिंग लाइनअप रही फीकी

भारत के लिए पहले वनडे में अच्छी बात बस नितीश कुमार रेड्डी की पारी और अर्शदीप सिंह की नई गेंद से शानदार गेंदबाज़ी रही। विराट कोहली खाता नहीं खोल सके और रोहित शर्मा केवल 8 ही रन बना सके, जबकि कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत का यह पहला वनडे था और दिल्ली टेस्ट के तुरंत बाद खेलने के कारण खिलाड़ी कुछ थके हुए भी दिखे। अब एडिलेड में टीम इंडिया को हर हाल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा ताकि सीरीज़ को बराबर पर लाया जा सके। यहां भी दर्शक दीर्घा में नीली जर्सी की भरमार होने की उम्मीद है।

मैथ्यू शॉर्ट पर नज़रें

मैथ्यू शॉर्ट का पहला वनडे खास नहीं रहा और वो केवल 8 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि एडिलेड उनका घरेलू मैदान है और बिग बैश लीग में उन्होंने यहां खूब रन बनाए हैं। उम्मीद है कि उन्हें एक और मौका दिया जाएगा।

रोहित शर्मा और विराट कोहली पर दबाव

रोहित शर्मा पर्थ में हेज़लवुड की गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हुए। आईपीएल के बाद यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। एडिलेड में वह नेट्स पर जमकर अभ्यास कर रहे हैं, ताकि अपनी फॉर्म वापस पाकर वर्ल्ड कप को लेकर उठ रहे सवालों को शांत कर सकें। विराट कोहली भी दबाव में होंगे, क्योंकि वह भी खाता नहीं खोल सके।

टीम संयोजन में बदलाव की संभावना

ऑस्ट्रेलिया में एलेक्स कैरी और एडम ज़म्पा की वापसी लगभग तय है। कैरी शील्ड मैच के कारण पहले वनडे में नहीं खेले थे, जबकि ज़म्पा पितृत्व अवकाश पर थे। भारत अपनी बल्लेबाज़ी में बदलाव नहीं करेगा लेकिन गेंदबाज़ी को लेकर दुविधा है। कुलदीप यादव को एडिलेड में मौका मिल सकता है, जबकि तेज़ गेंदबाज़ी में प्रसिद्ध कृष्णा को हर्षित राणा पर तरजीह दी जा सकती है।

संभावित प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मैथ्यू रेनशॉ, कूपर कॉनॉली,मिचेल ओवेन, मिचेल स्टार्क,नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, एडम ज़म्पा।

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

त्रिकोणीय महिला मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट: ईरान ने भारत को 2-0 से हराया

शिलॉन्ग,22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को त्रिकोणीय महिला अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में मंगलवार रात ईरान के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ईरान की स्थानापन्न खिलाड़ी सारा दीदार ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर मेहमान टीम को जीत दिलाई। पहले हाफ में दोनों टीमें गोलरहित रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में ईरान ने खेल की गति पूरी तरह अपने पक्ष में कर ली। दीदार ने 64वें और 74वें मिनट में लगातार दो बार भारतीय रक्षा को भेद दिया। भारत, जिसने इस साल की शुरुआत में ऐतिहासिक एएफसी महिला एशियाई कप क्वालिफायर में शानदार प्रदर्शन किया था, इस मैच में फीका नजर आया। ईरानी टीम ने शुरू से ही बेहतर तालमेल और शारीरिक मजबूती दिखाते हुए खेल की लय अपने कब्जे में रखी। मैच की शुरुआत में ही चौथे मिनट में भारत के लिए खतरा पैदा हुआ जब गोलकीपर एलंगबम पंथोई चानू गेंद को सही से पकड़ नहीं पाईं। हालांकि, फंजौबम निर्मला देवी ने अंतिम क्षण में क्लियर कर भारत को शुरुआती झटके से बचा लिया। लेकिन 64वें मिनट में मेलिका मोतेवालीताहेर के सटीक क्रॉस पर भारतीय रक्षा चूक गई। ज़हरा ग़नबरी का हेड क्रॉसबार से टकराया और गेंद सारा दीदार के पास आई, जिसने कलाबाजी भरे अंदाज़ में गोल दाग दिया। दस मिनट बाद 74वें मिनट में रतनबाला देवी की गलती का फायदा उठाकर दीदार ने फिर मौका नहीं गंवाया और नीची शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया। भारत का पहला सटीक प्रयास 89वें मिनट में आया, जब लिंडा कॉम सेर्टो की फ्री-किक को ईरानी गोलकीपर रहा यज़दानी ने शानदार तरीके से रोक लिया। अतिरिक्त समय में ईरान तीसरा गोल करने के करीब पहुंचा, लेकिन फतेमेह शाबान ग़ोहरूद का शॉट पोस्ट से टकरा गया। अब भारत 27 अक्टूबर को नेपाल से भिड़ेगा, जबकि ईरान 24 अक्टूबर को नेपाल का सामना करेगा। भारत की शुरुआती एकादश: एलंगबम पंथोई चानू (गोलकीपर), फंजौबम निर्मला देवी (किरण पिस्दा 85'), हेमम शिल्की देवी, संगीता बसफोर, नोंगमईथेम रतनबाला देवी, करिश्मा पुरषोत्तम शिर्वोइकर (रिम्पा हलदार 61'), प्यारी ज़ाखा (मालविका पी 61'), ग्रेस डैंगमेई (कप्तान) (प्रियधरिनी सेलादुरई 78'), सोरोक्हाइबम रंजन चानू, मार्टिना थोकचोम (संतोष 85'), लिंडा कॉम सेर्टो।

पीवीएल 2025: कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट को विदाई दी

अहमदाबाद। कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग पावर्ड बाय स्कैपिया के मुकाबले में अहमदाबाद डिफेंडर्स को 3-1 (15-13, 14-16, 17-15, 15-9) से हराकर अपने अभियान का अंत किया। एरिन वर्गीस को शानदार प्रदर्शन के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अहमदाबाद ने बत्तूर बत्सुरी की जबरदस्त सर्विस और अटैक से पहले सेट में बढ़त बनाई, लेकिन कोच्चि के जसजोध सिंह की सुपर सर्व और ब्लॉक ने स्कोर बराबर किया। अमरिंदरपाल सिंह के मजबूत डिफेंस ने टीम को पहला सेट जीतने में मदद की। दूसरे सेट में एरिन की तेज सर्विस और अहमदाबाद के नंदगोपाल-और अखिन के बदलाव ने खेल को बराबरी पर ला दिया। लेकिन तीसरे सेट में निकोलस मारेचल और जसजोध की तेज़ स्पाइक्स ने कोच्चि को नियंत्रण में ला दिया। हेमंत और अमरिंदरपाल के सटीक अटैक्स और लिबरो एलन आशिक की रक्षात्मक मूव्स ने अहम अंक बनाए।

यूईएफए चैंपियंस लीग: पीएसजी ने बायर लेवरकुसेन को 7-2 से रौंदा, न्यूकैसल ने बेनफिका को 3-0 से हराया

लेवरकुसेन,22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बायर लेवरकुसेन और पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के बीच मंगलवार को खेला गया चैंपियंस लीग मुकाबला गोलों, पेनल्टी और रेड कार्ड से भरपूर रहा। मौजूदा चैंपियन पीएसजी ने इस धमाकेदार मैच में 7-2 से बड़ी जीत दर्ज की और गोल अंतर के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। मैच के पहले हाफ में ही 6 गोल, दो रेड कार्ड और दो पेनल्टी देखने को मिलीं। पीएसजी ने शुरुआती बढ़त 7वें मिनट में विलियम पाचो के हेडर से हासिल की। इसके बाद मैदान पर जबरदस्त एक्शन देखने को मिला। 25वें मिनट में लेवरकुसेन को पेनल्टी मिली, लेकिन एलेक्स ग्रिमाल्डो पोस्ट पर शॉट मार बैठे और मौका गंवा दिया। कुछ देर बाद कप्तान रॉबर्ट एंडरिच को वीएआर समीक्षा के बाद कोहनी मारने के कारण सीधे रेड कार्ड से बाहर कर दिया गया। हालांकि, इसके बाद पीएसजी के इल्या ज़ाबार्नी को भी रेड कार्ड दिखाया गया, जिन्होंने क्रिश्चियन कोफाने को गोल के सामने गिरा दिया था और पहली पेनल्टी भी उन्हीं के कारण मिली थी। इस बार एलेक्स गार्सिया ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी। 41वें मिनट में डिज़ायरे डूए ने गोल कर बढ़त फिर से पीएसजी को दिलाई। इसके तीन मिनट बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार गोल दागा और इंजरी टाइम में डूए ने अपना दूसरा गोल कर हाफटाइम तक स्कोर 4-1 कर दिया। दूसरे हाफ में भी पीएसजी का दबदबा जारी रहा। 50वें मिनट में नूनो मेंडेस ने गोल कर स्कोर 5-1 किया। लेवरकुसेन के गार्सिया ने लंबी दूरी से बेहतरीन गोल कर अपना दूसरा गोल दागा, लेकिन यह वापसी की शुरुआत नहीं बन सका। अंत में पीएसजी के ओस्मान डेम्बेले और वितिन्हा ने दो और गोल कर स्कोर 7-2 पर खत्म किया। न्यूकैसल के गोलकीपर पोप का कमाल, थ्रो से बना गोल का मौका बेनफिका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में न्यूकैसल ने 3-0 से जीत हासिल की। मैच का सबसे यादगार पल 70वें मिनट में देखने को मिला जब गोलकीपर निक पोप ने अपने थ्रो से गोल का मौका बनाया।

महिला विश्व कप: भारत और न्यूज़ीलैंड 'करो या मरो' मुकाबले में आमने-सामने, बारिश बन सकती है बड़ा फैक्टर

नयी दिल्ली,22 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवी मुंबई में गुरुवार को होने वाले अहम मुकाबले में भारत और न्यूज़ीलैंड की टीमें सेमीफाइनल की उम्मीदों के लिए मैदान में उतरेंगी। टूर्नामेंट में लगातार तीन हार झेल चुकी भारतीय टीम पर काफी दबाव है। पांच मैचों के बाद भी टीम संयोजन तय न कर पाने के कारण भारत की आलोचना बढ़ गई है। हालांकि, टीम अब नवी मुंबई लौट रही है, जहां के मैदान में कई खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में खेल चुके हैं और जहां उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बस एक जीत चाहिए।

दूसरी ओर न्यूज़ीलैंड की स्थिति भी आसान नहीं है। बारिश के कारण उनके पिछले दो मुकाबले रद्द हो गए, और अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत और इंग्लैंड, दोनों के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। यह मुश्किल जरूर है लेकिन नामुमकिन नहीं, खासकर जब वे अपने टी20 विश्व कप खिताब की पहली वर्षगांठ मना रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि उस विश्व कप में उन्होंने उद्घाटन मैच में भारत को हराया था। कुल 57 वनडे में से न्यूज़ीलैंड ने 34 मुकाबले जीते हैं और 2022 के बाद से भारत के खिलाफ पिछले 9 में से 6 में बाज़ी मारी है।

टीम इंडिया की चिंता - अस्थिर संयोजन और नाकाम बल्लेबाज़ी

भारत ने हर मैच में अलग-अलग योगदान देखा है, लेकिन कोई स्थायी संयोजन नहीं बन पाया। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में टीम ने पांच गेंदबाज़ों के बजाय एक अतिरिक्त गेंदबाज़ को शामिल करने के लिए जेमिमा रोड्रिग्ज़ को बाहर किया था। गेंदबाज़ों ने इंग्लैंड को 288 रन पर रोकने में अच्छा काम किया, लेकिन बल्लेबाज़ी दबाव में एक बार फिर लड़खड़ा गई। यह समस्या अब टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता बन चुकी है।

बारिश फिर बिगाड़ सकती है खेल

कोलंबो में लगातार दो मैच धुल जाने पर न्यूज़ीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने इसे निराशाजनक कहा था। नवी मुंबई में भी मौसम की भविष्यवाणी अच्छी नहीं है। मैच से दो दिन पहले ही तेज बारिश के कारण भारतीय टीम का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। अगर मैच धुल जाता है तो भारत के लिए फायदा होगा, क्योंकि न्यूज़ीलैंड को इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम से भी भिड़ना है।

क्रांति गौड़ पर नज़रें

भारत की युवा तेज़ गेंदबाज़ क्रांति गौड़ ने शानदार शुरुआत के बाद डेथ ओवरों में रन लुटाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने शुरुआती ओवरों में 1/19 का आंकड़ा दिखाया था, लेकिन अंतिम ओवरों में 40 रन दे बैठीं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ भी उनका प्रदर्शन कमजोर रहा। बैटिंग-फ्रेंडली पिच पर उन्हें जल्दी लय पकड़नी होगी।

न्यूज़ीलैंड की ओपनिंग जोड़ी पर दबाव

सुज़ी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर का बल्ला इस टूर्नामेंट में खामोश रहा है। दोनों की साझेदारी का औसत 10.66 है, जो टूर्नामेंट में दूसरा सबसे कम है। डी वाई पाटिल स्टेडियम की पिच बल्लेबाज़ों के अनुकूल मानी जाती है, और न्यूज़ीलैंड को एक ठोस शुरुआत की दरकार होगी।

संभावित प्लेइंग 11

भारत: स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, रेनुका सिंह/जेमिमा रोड्रिग्ज़, क्रांति गौड़, श्री चरनी।

न्यूज़ीलैंड: सूज़ी बेट्स, जॉर्जिया प्लिमर, अमेलिया केर, सोफी डिवाइन (कप्तान), ब्रूक हॉलिडे, मैडी ग्रीन, इसाबेला गेज़ (विकेटकीपर), जेस केर, रोज़मेरी मैयर, ईडन कार्सन, ली ताहूहू।

डीसीबी बैंक के शेयर्स ने एक ही दिन में इंट्रा-डे ट्रेडिंग में लगाई 15 फीसदी की छलांग

नई दिल्ली,22 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्राइवेट बैंक डीसीबी बैंक के शेयर्स एक ही दिन में इंट्रा-डे ट्रेडिंग में 15 फीसदी से ज्यादा की छलांग लगा चुके हैं। ये चार साल में इस बैंक के शेयरों की सबसे तेज बढ़त रही, अप्रैल 2022 के बाद पहली बार ऐसी तेजी आई। बैंक ने सितंबर तिमाही यानी जुलाई से सितंबर 2025 के नतीजे जारी किए थे, जो उम्मीद से कहीं बेहतर निकले। बीएसई पर इंट्रा-डे में ये 148.90 रुपए तक पहुंच गए हैं यानी 15.61 फीसदी का उछाल। कुछ लोग प्रॉफिट बुक करके उतर गए, लेकिन दिन के अंत में भी 12.23 फीसदी की बढ़त के साथ 144.55 रुपए पर बंद हुए।

डीसीबी बैंक की ब्याज से नेट इनकम, जो एनआईआई कहते हैं, साल भर पहले की तुलना में 17 फीसदी बढ़कर 509 करोड़ से 596 करोड़ रुपए हो गई। नेट प्रॉफिट भी 19 फीसदी चढ़कर 184 करोड़ रुपए पहुंच गया। पिछली तिमाही से तुलना करें तो प्रोविजन्स आधी रह गईं, मतलब बैंक को कम रिजर्व रखने पड़े। सबसे अच्छी बात, नेट इंटेरेस्ट मार्जिन यानी एनआईएम 3 बेसिस प्वाइंट्स बढ़कर 3.23 फीसदी हो गया। आरबीआई ने रेपो रेट काटा था, लेकिन फिर भी मार्जिन मजबूत रहा। बैंक का प्लान है इसे 3.5 से 3.65 फीसदी तक ले जाना। शेयरों के उछाल की दो बड़ी वजहें रहीं। पहली तो क्रेडिट कॉस्ट का गिरना, जो पिछली तिमाही के 0.59 फीसदी से घटकर 0.31 फीसदी रहा। ये बैंक के लिए राहत की सांस है, क्योंकि कम कॉस्ट मतलब ज्यादा प्रॉफिट। दूसरी बैंक ने आगे की क्रेडिट कॉस्ट को 45 से 55 बेसिस प्वाइंट्स तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा। ये सुनकर निवेशकों का भरोसा और बढ़ गया। वैसे एक साल पहले मार्च 2025 में ये शेयर 101.35 रुपए के निचले स्तर पर था, लेकिन तीन महीने में ही 48.69 फीसदी चढ़कर जून 2025 में 150.70 रुपए के हाई पर पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

होंडा एक्टिवा 125 को मिल रही टीवीएस की नई जुपिटर 125 से टक्कर

नई दिल्ली। होंडा एक्टिवा 125 को अब टीवीएस की नई जुपिटर 125 से कड़ी टक्कर मिल रही है। इंजन के लिहाज से दोनों के बीच कांटे की टक्कर है। दोनों कंपनियां इस प्रीमियम स्कूटर सेगमेंट में ग्राहकों को फीचर्स, परफॉर्मेंस और वैल्यू के लिहाज से आकर्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। एक्टिवा 125 में 123.92सीसी का इंजन है जो 8.3 बीएचपी की पावर और 10.5 एनएम टॉर्क देता है, जबकि जुपिटर 125 का 124.8सीसी इंजन 8.4 बीएचपी पावर और 11.1 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। माइलेज के मामले में जुपिटर आगे है, जो 57.27 केएमपीएल तक का औसत देती है, जबकि एक्टिवा लगभग 47 केएमपीएल तक का दावा करती है। राइडिंग कम्फर्ट में भी जुपिटर का पलड़ा भारी है। इसका व्हीलबेस और सीट लंबाई एक्टिवा से ज्यादा है, जिससे लंबे सफर में आरामदायक अनुभव मिलता है। दोनों स्कूटरों की सीट हाइट 765 एमएम है, जिससे ये हर उम्र और कद के राइडर्स के लिए उपयुक्त हैं। फीचर्स की बात करें तो एक्टिवा 125 में होंडा रोड सिंक एप, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और स्मार्ट की टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स हैं। वहीं जुपिटर 125 इस मामले में और आगे है, जिसमें वॉइस असिस्ट, कनेक्टेड फीचर्स, 33 लीटर अंडरसीट स्टोरेज, फॉलो मी हेडलाइट और सोशल मीडिया अलर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। कीमत के लिहाज से एक्टिवा 125 के दो वेरिएंट्स की कीमत रुपए 99,674 (एक्स-शोरूम) तक जाती है, जबकि जुपिटर 125 चार वेरिएंट्स में रुपए 80,740 से रुपए 92,001 तक उपलब्ध है।

आईफोन 17 की मजबूत बिक्री से एप्पल का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन के करीब

नई दिल्ली। आईफोन 17 सीरीज की मजबूत बिक्री के कारण दिग्गज टेक कंपनी एप्पल का मार्केट कैप

4 ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंच गया है और यह एनवीडिया के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। एप्पल का शेयर आखिरी कारोबारी सत्र में 3.94 फीसदी की तेजी के साथ 262.24 डॉलर पर बंद हुआ, जिससे कंपनी का मार्केट कैप 3.9 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। फिलहाल ग्राफिक्स चिप्स बनाने वाली कंपनी एनवीडिया 4.44 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। आंकड़ों से पता चला है कि आईफोन 17 सीरीज ने वैश्विक स्तर पर, खासकर चीन और अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में, शुरुआती बिक्री में अपने पहले के मॉडल से बेहतर प्रदर्शन किया है। एप्पल 30 अक्टूबर को अपनी तिमाही आय की रिपोर्ट करेगा और शेयर का अच्छा प्रदर्शन निवशकों के उत्साह को दिखाता है। विक्रेताओं और उद्योग विश्लेषकों के मुताबिक मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देते हुए, आईफोन 17 मॉडल भारत में पिछले साल की आईफोन 16 सीरीज की तुलना में ज्यादा लोकप्रिय हो रहे हैं। टेक दिग्गज ने भारत में त्योहारों पर अपनी सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की है। विश्लेषकों ने आईफोन 17 सीरीज की सफलता के चलते 2025 में बिक्री में 28 फीसदी की सालाना वृद्धि का अनुमान लगाया है। पिछले वित्त वर्ष में एप्पल की वार्षिक बिक्री करीब 9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

नई वर्सीज 1100 रुपए 13.89 लाख की कीमत पर लॉन्च

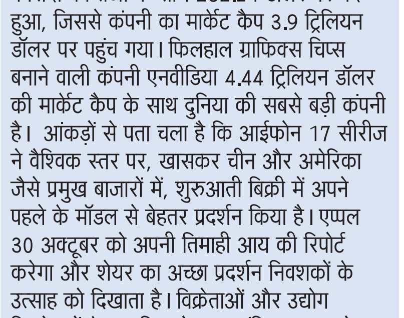

नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी कावासाकी ने अपनी नई वर्सीज 1100 को रुपए 13.89 लाख (एक्स-शोरूम) की कीमत पर लॉन्च किया है। कंपनी ने इसमें 1,099सीसी इनलाइन 4-सिलेंडर लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया है, जो 133 हॉर्सपावर और 112 एनएम टॉर्क पैदा करता है। इंजन के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स और रिटर्न-शिफ्ट ट्रांसमिशन है, जो राइड को स्मूद और कंट्रोल्ड बनाता है। वेर्सीज 1100 में केटीआरसी, केसीएमएफ और केआईबीएस जैसी एडवांस तकनीकें दी गई हैं, जिससे भारतीय सड़कों पर इसका बैलेंस और सेफ्टी और बेहतर हो जाती है। कंपनी ने श्ष्ट को फ्यूल एफिशिएंसी के लिए भी ऑप्टिमाइज किया है। डिज़ाइन की बात करें तो नई वर्से में पुराने मॉडल की झलक है, लेकिन इसे ज्यादा प्रीमियम टच दिया गया है। चौड़ी सीट, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, ऊंचा हैंडलबार और 21 लीटर का फ्यूल टैंक इसे लंबी यात्राओं के लिए आदर्श बनाते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेशी सेना की...

यह एक नए इस्लामवादी नैरेटिव में पाकिस्तान समर्थक सहयोगियों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में पुनः स्थापित करने का प्रयास है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी के बीज अक्टूबर के खुलासे से बहुत पहले ही बो दिए गए थे। दिसंबर 2024 में भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन नामक एक कट्टरपंथी समूह जो मुहम्मद यूनुस के वफादार छात्रों से बना था, उसने सार्वजनिक रूप से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी नाम से ही मिलिशिया शुरू करने की घोषणा की थी। उसने युवाओं से 20 दिसंबर को सुबह 8 बजे ढाका विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए इकट्ठा होने का आह्वान किया था। जिसमें तीन दिवसीय मार्शल आर्ट सत्र के आयोजन और दूसरे हिस्से में सेना और अर्धसैनिक बलों द्वारा संचालित एक महीने की ट्रेनिंग देने की योजना थी। इस आंदोलन को बराक ओबामा, बिल और हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस सहित पश्चिमी लिबरल वित्तपोषकों द्वारा भारी मात्रा में धन दिया गया।

बांग्लादेशी खुफिया एजेंसियों की जांच से विदेशी समन्वय का एक स्पष्ट पैटर्न सामने आया। नवंबर 2024 में पाकिस्तान के विशेष सेवा समूह (एसएसजी) के कम से कम पांच अधिकारी दुबई और कतर होते हुए आईआरए कैडरों को प्रशिक्षित करने के लिए गुप्त रूप से ढाका में दाखिल हुए। पाकिस्तान की एसएसजी पूरे एशिया में गैर-सरकारी आतंकवादी समूहों को गुप्त प्रशिक्षण देने के लिए कुख्यात है। खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि इन गुर्गों ने यूनुस समर्थक तत्वों और इस्लामी छात्र नेताओं के साथ संयुक्त सत्र आयोजित किए और उन्हें गुरिल्ला युद्ध, निगरानी और तोड़फोड़ का प्रशिक्षण दिया। तुर्की का एमआईटी ने भी एक सक्रिय सलाहकार की भूमिका निभाई। यूनुस के राजनीतिक उदय के बाद से ढाका और चटगांव में कई तुर्की सांस्कृतिक आदान-प्रदान और शैक्षिक सहयोग कार्यक्रमों का चुपचाप विस्तार हुआ है। इन कार्यक्रमों ने एमआईटी द्वारा किए जाने वाली भर्तियों और लॉजिस्टिक सप्लाई के काम को छिपाने के लिए पर्दे का काम किया। ढाका में आईएसआई और एमआईटी के बीच समन्वय एक गहन रणनीतिक एजेंडे की ओर इशारा कर रहा है जो ईरान के आईआरजीसी की तर्ज पर मिलिशिया के निर्माण में और पूरे क्षेत्र में इस्लामी शक्ति को प्रदर्शित करने के तिकड़म में लगा है।

पाकिस्तानी एसएसजी पहले से ही हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) और बांग्लादेश में रह रहे बिहारी मुस्लिम समुदाय के 300 गुर्गों को प्रशिक्षित कर रहा था। यह प्रशिक्षण पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुआ जो कट्टरपंथी उग्रवाद का एक जाना-माना केंद्र है। भारत और नेपाल के रास्ते छोटे-छोटे समूहों में लाए गए इन गुर्गों को असममित युद्ध, शहरी तोड़फोड़ और घुसपैठ की रणनीति में प्रशिक्षित किया गया था। अब वे नए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी ढांचे में एकीकृत होते दिख रहे हैं। जो इस्लामी विचारधारा, पाकिस्तान के प्रति प्रवासी निष्ठा और यूनुस के राजनीतिक संरक्षण को जोड़ता है।

हथियारों की तस्करी के सबूत इस साजिश के वैचारिक और प्रशिक्षण आयामों को पुष्ट करते हैं। पिछले साल पाकिस्तान की सत्तारूढ़ मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के एक वरिष्ठ नेता इरशाद अहमद खान ने सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया था कि पाकिस्तान कराची बंदरगाह के रास्ते वाणिज्यिक वस्तुओं में छिपाकर हथियार बांग्लादेश भेज रहा है। बांग्लादेशी खुफिया एजेंसियों को कृषि मशीनरी, स्पेयर पार्ट्स और रसायनों की खेपों पर नजर रखने से रोक दिया गया था जिनमें से कई कराची से जुड़ी निजी कार्गो लाइनों के जरिए भेजी जाती थीं, जिनमें हथियार के पुर्जे छिपाए जाने का संदेह था। इन हथियारों को आतंकवादी संगठनों और इस्लामी गढ़ों में वितरित किया जाता है। यह सप्लाई नेटवर्क 1980 के दशक के दौरान अफगानिस्तान में इस्तेमाल किए गए मॉडल की नकल है। नागरिक आड़ में हथियारों की तस्करी, गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से वित्तपोषण और मदरसा नेटवर्क के माध्यम से हथियारों का वितरण। यही ढांचा अब पहले से अधिक परिष्कृत और डिजिटल समन्वय के साथ बांग्लादेश में इस्तेमाल हो रहा है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी के गठन का अंतिम लक्ष्य केवल आंतरिक एकीकरण नहीं है। इसका उद्देश्य बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय जेहादी अभियानों के लिए एक रणनीतिक केंद्र में बदलना है। एक ऐसा अड्डा जो धर्मनिरपेक्ष विपक्ष का सफाया करते हुए पाकिस्तान के भू-राजनीतिक हितों की पूर्ति करे। यूनुस शासन इस्लामी तत्वों के साथ गठजोड़ बनाकर और उन्हें जमीनी रक्षक के रूप में प्रस्तुत करके बांग्लादेशी सेना को बेअसर करना चाहता है। इससे भारत के पूर्वी हिस्से में घुसपैठ कारगर तरीके से संभव होगी और बंगाल की खाड़ी में समुद्री मार्गों तक पहुंच संभव होगी। यह विदेशी प्रायोजन, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और सांप्रदायिक मंशा से एक अर्धसैनिक आंदोलन के व्यवस्थित निर्माण का प्रतिनिधित्व करता है। यदि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी (आईएसए) अपने दावे के अनुसार अपनी सेना का एक हिस्सा भी एकजुट कर लेती है, तो परिणाम विनाशकारी होंगे। सबसे पहले बांग्लादेश का नाजुक सांप्रदायिक संतुलन बिगड़ जाएगा। धार्मिक अल्पसंख्यक हिंदू, बौद्ध और ईसाई इस्लामी उग्रवाद की एक नई लहर के तहत लक्षित उत्पीड़न का सामना करेंगे। दूसरा, सीमा पार आतंकवाद बढ़ेगा, खासकर भारत और म्यांमार के खिलाफ। आईआरए कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित घुसपैठिए आसानी से छिद्रपूर्ण सीमाओं का फायदा उठा कर तोड़फोड़ और हत्या के अभियानों को अंजाम दे सकेंगे तीसरा, क्षेत्रीय स्थिरता को ध्वस्त करने का मौका मिलेगा जिससे भारत, नेपाल और आसियान देशों को अपने सुरक्षा सिद्धांतों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। दुनिया इससे मुंह मोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकती।

बंगाल में भी...

चुनाव आयोग ने एसआईआर के लिए अब तक 3.96 करोड़ डाटा अपलोड कर दिया। शुरुआती डाटा में लगभग 3.48 करोड़ नाम साल 2002 के एसआईआर डाटा से मेल खाते पाए गए हैं। यह कुल मतदाताओं का लगभग 44 से 45 प्रतिशत हिस्सा है जबकि राज्य में वर्तमान में कुल पंजीकृत मतदाता लगभग 7.6 करोड़ है।

कालिमपोंग, पश्चिम मेदिनीपुर, पुरूलिया, कोलकाता उत्तर, मालदा, अलीपुरदुआर, झारग्राम समेत सात जिलों में किए गए शुरुआती मिलान में यह देखा गया कि 51 प्रतिशत से 65 प्रतिशत नाम 2002 के एसआईआर रिकॉर्ड से मेल खाते हैं। इसका मतलब यह है कि इन जिलों में आधे से अधिक मतदाता पुराने रिकॉर्ड से जुड़े हुए हैं। हालांकि कुछ क्षेत्रों में और सुधार की आवश्यकता हो सकती है। चुनाव आयोग ने इस डाटा को आयोग के पोर्टल पर अपलोड किया है। हालांकि जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग जिलो में प्राकृतिक आपदाओं के कारण इसमें देरी हुई है। इसके साथ ही बूथ स्तर पर बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) ऐप के माध्यम से नामों की सत्यता की जांच भी की जा रही है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची में दोहराव, फर्जी नाम और त्रुटियों की पहचान करना है ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची पूरी तरह से अपडेट और पारदर्शी हो।

पश्चिम बंगाल में बढ़ते घुसपैठ के मामलों को देखते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जरूरी माना जा रहा है। बंगाल में आए दिन घुसपैठ और अवैध मतदाता शामिल होने के मामले सामने आते रहते हैं। ताजा मामला 22 अक्टूबर 2025 का है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें 400 बांग्लादेशी घुसपैठियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाए थे। ऐसे कई मामले हर दूसरे दिन सामने आते हैं। बंगाल में एसआईआर प्रकिया का विशेष कारण यही है।

जुलाई 2025 में भी भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया था कि बंगाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को निवास प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं, जिससे उनकी पहचान मतदाता सूची में शामिल हो रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया का खुलकर समर्थन किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि एसआईआर पार्टी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई भी लापरवाही 2026 के चुनावों में नुकसान पहुंचा सकती है। सांसद और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने एसआईआर के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान एक से डेढ़ करोड़ अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं, जिनमें रोहिंग्या, घुसपैठिए और काल्पनिक मतदाता शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वास्तविक शरणार्थियों को नागरिकता मिलने पर उनका मतदान का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने एसआईआर को आगामी चुनावों के सेमीफाइनल के रूप में बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एसआईआर समय पर पूरा नहीं हुआ तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की नौबत आ सकती है। उनका कहना है कि इस प्रक्रिया में 2.4 करोड़ अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं, जो चुनावी निष्पक्षता के लिए बेहद जरूरी हैं। भाजपा प्रवक्ता कीया घोष ने टीएमसी के मंत्रियों के विवादास्पद बयानों की आलोचना करते हुए कहा कि वे बयान राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। उनका कहना है कि एसआईआर जैसी प्रक्रिया के माध्यम से ही राज्य में अवैध मतदाता और घुसपैठियों की पहचान की जा सकती है, जिससे चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी होंगे।

काबुल में ...

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मौलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने पाकिस्तान को लताड़ लगाई और कहा कि अफगानिस्तान और भारत के दो संप्रभु राष्ट्र जैसे संबंध हैं। अफगानिस्तान हमेशा से भारत के साथ एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में संबंध रखता है और राष्ट्रीय हितों के दायरे में इन संबंधों को मजबूत करता रहेगा। हमारा लक्ष्य रिश्तों का विस्तार करना है, तनाव पैदा करना नहीं। पाकिस्तान के आरोप निराधार, अव्यवहारिक और अस्वीकार्य हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान पड़ोसी देश हैं। उनके बीच तनाव किसी के काम का नहीं। रिश्ते आपसी सम्मान और पड़ोसी सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए।

बंद हो गया कलकत्ता...

सीएसई के चेयरमैन दीपंकर बोस ने कहा, 25 अप्रैल 2025 को आयोजित विशेष आम सभा में शेयरधारकों से एक्सचेंज व्यवसाय से बाहर निकलने की मंजूरी प्राप्त की गई। इसके बाद सीएसई ने सेबी को बाहर निकलने के लिए आवेदन सौंपा, जिसने अब स्टॉक एक्सचेंज का मूल्यांकन करने के लिए एक वैल्यूएशन एजेंसी नियुक्त की है, जो फिलहाल प्रगति पर है। अगर सेबी सीएसई को बाहर निकलने की अनुमति दे देता है, तो सीएसई सिर्फ एक होल्डिंग कंपनी के रूप में ही बनी रहेगी। इसके तहत आने वाली सहायक कंपनी सीएसई कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड अब भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) पर कारोबार करती रहेगी। इसके अलावा, सीएसई की तीन एकड़ की ईएम बाईपास संपत्ति को सृजन ग्रुप को 253 करोड़ रुपए में बेचने की योजना को भी सेबी ने मंजूरी दे दी है। यह बिक्री तब पूरी होगी जब सीएसई का बाहर निकलना आधिकारिक रूप से पूरा हो जाएगा।

सीएसई की स्थापना 1908 में हुई थी और यह कभी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की प्रतियोगी थी। यह कोलकाता के वित्तीय इतिहास और लाइयन्स रेंज के हब का भी प्रतीक माना जाता था। सीएसई के लिए सबसे बड़ा झटका 2013 में आया, जब सेबी ने ट्रेडिंग रोकने का फैसला लिया। एक्सचेंज ने कई महत्वपूर्ण नियमों का उल्लंघन किया था, जिससे यह कदम उठाना पड़ा। इसके खिलाफ सीएसई ने कई बार अदालतों का रुख किया, लेकिन इसका नतीजा आर्थिक दबाव और ट्रेडिंग में गिरावट के रूप में सामने आया। यह गिरावट उस समय और भी ज्यादा महसूस हुई जब एनएसई और बीएसई पर ट्रेडिंग का बूम चल रहा था।

सीएसई के पतन के मुख्य कारणों में बीएसई और एनएसई का प्रभुत्व, प्रासंगिकता का कम होना और तकनीकी उन्नति के साथ तालमेल न बिठा पाना शामिल है। विशेष रूप से 2000 के दशक की शुरुआत में डॉट कॉम बूम के बाद, सीएसई तेजी से बदलती वित्तीय दुनिया में खुद को ढाल नहीं पाया और पीछे रह गया। केतन पारेख घोटाले का खुलासा 2001 में सीएसई के लिए आखिरी बड़ा झटका साबित हुआ। पेशे से एक स्टॉक ब्रोकर पारेख ने कुछ स्टॉक्स जिन्हें के-10 स्टॉक्स कहा जाता था की कीमतें बढ़ाने के लिए एक्सचेंज की कमजोरियों का फायदा उठाया। इससे सख्त नियम लागू हुए और निवेशकों का विश्वास काफी घट गया। अंततः सीएसई का पतन इस कारण हुआ कि समय के साथ यह नियमों का पालन नहीं कर सका।

सीनियर स्टॉक ब्रोकरेर सिद्धार्थ थिरानी ने बताया, हम हर दिन ट्रेडिंग शुरू करने से पहले देवी लक्ष्मी की पूजा करते थे, यह परंपरा अप्रैल 2013 तक चली जब ट्रेडिंग को रेगुलेटर ने निलंबित कर दिया। इस दिवाली का मतलब हमारे उस वैभवपूर्ण समय को अलविदा कहना है। शेयरधारकों ने औपचारिक प्रस्ताव को 25 अप्रैल को मंजूरी दी, जिसे पहले 18 फरवरी को सेबी को भेजा गया था। सेबी ने इसे पूरा करने के लिए राजवंशी एंड एसोसिएट्स को नियुक्त किया है और यह प्रक्रिया बाहर निकलने की अंतिम मंजूरी से पहले की आखिरी स्टेज है। सीएसई में 1,749 सूचीबद्ध कंपनियां और 650 पंजीकृत सदस्य थे। चेयरमैन दीपंकर बोस ने वित्तीय वर्ष 2025 की रिपोर्ट में कहा कि एक्सचेंज ने भारत के पूंजी बाजारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2024-2025 के दौरान उन्हें डायरेक्टर की बैठक फीस के रूप में 5.9 लाख रुपए मिले।

बाहर निकलने से पहले एक्सचेंज ने सभी कर्मचारियों को एक वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) का लाभ दिया। इसके तहत कर्मचारियों को एक बार का भुगतान 20.95 करोड़ रुपए और सालाना लगभग 10 करोड़ रुपए की बचत सुनिश्चित की गई। कुछ कर्मचारियों को केवल अनुपालन कार्यों के लिए अनुबंध पर रखा गया, लेकिन सभी ने इस ऑफर को स्वीकार कर लिया। सीएसई के बाहर निकलने के साथ ही भारत के क्षेत्रीय स्टॉक एक्सचेंजों का एक युग खत्म हो रहा है। पहले ये एक्सचेंज बहुत सक्रिय थे, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के आने के बाद बाजार का केंद्र मुंबई चला गया। सीएसई जैसी संस्थाएं आज भी वित्तीय इतिहास की पहचान हैं, जो भारत के पूंजी बाजारों के विकास, तकनीकी आधुनिकीकरण और नियमों के सुदृढ़ीकरण का प्रतीक हैं।

पीएमश्री योजना में ...

कुल 14,500 स्कूलों को टारगेट किया गया है, हर जिले के हर ब्लॉक में कम से कम दो स्कूल। ये स्कूल बाकी सरकारी स्कूलों के लिए लीडरशिप रोल निभाएंगे, यानि ये मिसाल बनेंगे कि अच्छी शिक्षा कैसे दी जा सकती है।

योजना का कोर कनेक्शन है राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से। पीएमश्री स्कूल्स एनईपी के हर लक्ष्य को शोकेस करेंगे। इसकी फंडिंग का मॉडल साफ है कि केंद्र 60 प्रतिशत पैसा देगा और राज्य 40 प्रतिशत वहन करेगा। हर चुने गए स्कूल को 5 साल के लिए औसतन 1 करोड़ रुपए सालाना मिलेंगे। कुल बजट करीब 27,000 करोड़ रुपए का होगा। केरल का पीएमश्री योजना में शामिल होना केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीति की जीत है। पहले भगवाकरण का शोर मचाने वाली सरकार ने समझ लिया कि बच्चों का भविष्य राजनीति से बड़ा है। 1,466 करोड़ के फंड्स से 260 स्कूल मॉडल बनेंगे, शिक्षकों की तनख्वाह मिलेगी, और स्मार्ट क्लासरूम व हुनरमंद कोर्स बच्चों को नई उड़ान देंगे। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों को भी केरल से सीख लेनी चाहिए। एनईपी 2020 और पीएमश्री भारत की शिक्षा को वैश्विक स्तर पर ले जाएंगे। ये यू-टर्न बच्चों की जीत है, जिसका फायदा भविष्य में मिलेगा।

केरल में यह योजना 260 से ज्यादा स्कूलों में लागू होगी। शिक्षा मंत्री सिवनकुट्टी के मुताबिक, ये फंड्स टेक्स्ट बुक प्रिंटिंग, क्वेश्चन पेपर सेटिंग, कोस्टल रीजन की जरूरतों और एससी-एसटी स्टूडेंट्स की सुविधाओं पर खर्च होंगे। राज्य में 7,000 से ज्यादा टीचर्स की सैलरी राज्य खुद देता है, लेकिन बकाए चढ़ रहे थे। समग्र शिक्षा केरल (एसएसके) प्रोग्राम रुका पड़ा था। दिव्यांग बच्चों को एड इक्विपमेंट नहीं मिला। साफ है, ये योजना सिर्फ एक स्कीम नहीं, बल्कि शिक्षा के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने वाली क्रांति है। लेकिन राजनीतिक चश्मे ने इसे विवाद की भेंट चढ़ा दिया।

केरल में पीएमश्री योजना का 2022 से ही एक नाटकीय धारावाहिक की तरह चल रहा था। केरल की सीपीआई (एम) नीत सरकार ने शुरू से ही पीएमश्री को एनईपी का हथियार बताया, और इसका विरोध एक आइडियोलॉजिकल स्टैंड की तरह पेश किया। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कई बार अपनी आवाज बुलंद करते हुए कहा कि एनईपी राष्ट्र के लिए खतरा है। उन्होंने इसे सांप्रदायिक एजेंडे का हिस्सा ठहराया, जहां शिक्षा को सांप्रदायिक रंग दिया जा रहा है। शिक्षा मंत्री वी. सिवनकुट्टी ने मार्च 2025 में एक प्रेस रिलीज में साफ-साफ कहा था कि सरकार एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर दस्तखत नहीं करेगी, क्योंकि ये योजना राज्य की शिक्षा परंपराओं और मूल्यों (वैल्यू) को कुचल देगी। उनका मुख्य इल्जाम था सैफरनाइजेशन ऑफ एजुकेशन का। सिवनकुट्टी ने कहा था, जब केंद्र सरकार ने टेक्स्टबुक से महात्मा गांधी की हत्या जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों को मिटा दिया, तो केरल ने वैकल्पिक अध्याय इंट्रोड्यूस किए। पीएमश्री साइन करने से राज्य के स्कूलों में दोहरी सिलेबस हो जाएंगे, एक एनईपी वाली, जो भगवा रंग से रंगी लगती है और दूसरी राज्य की अपनी। इससे बच्चे कन्फ्यूजन में पड़ जाएंगे और हमारी इंक्लूसिव, सेकुलर वैल्यूज खतरे में पड़ेंगी। लेकिन यह सब अब बीती बातें रह गई हैं।

लाल चौक पर...

ज्योतिर्मठ के संन्यासी ने बताया कि उन्होंने यहां दूसरी बार दीपोत्सव मनाया है। पिछली बार कम संख्या में दीप लगाए थे लेकिन इस बार दीपों की संख्या काफी बढ़ाई गई है। अयोध्या में जिस तरह दीपोत्सव हुआ वैसे ही श्रीनगर में किया गया। प्रकृति की रक्षा और लोगों के कल्याण के लिए यहां दीपोत्सव मनाया गया। उन्होंने कहा कि जहां कभी हिंसा होती थी आज वही लाल चौक दीपोत्सव से दमक उठा। कश्मीर वाकई में बदल रहा है। हमारा उद्देश्य है कि कश्मीर का पुरातन वैभव वापस लौटे। महर्षि कश्यप की पवित्र भूमि पर इस तरह के आयोजन उसी का संकेत है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में सहस्त्र भोग अन्नकूट महाप्रसादी उत्सव आयोजित

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रसूलपुरा स्थित बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण मंदिर के तत्वावधान में दीपावली एवं नूतन वर्ष के शुभ अवसर पर बुधवार, दिनांक 22 अक्टूबर 2025 को भव्याति भव्य सहस्र भोग अन्नकूट महाप्रसादी समारोह का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूज्य आत्मचिंतन स्वामी के पावन सानिध्य में अन्नकूट महाप्रसादी एवं गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा, बुधवार, 22 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से आरंभ हुआ। इसके पश्चात् गोवर्धन पूजा, महाआरती, उत्सव दर्शन तथा महाप्रसादी भोग का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी लगभग 1000 व्यंजनों का भोग भगवान को अर्पित किया गया, जिसे बाद में श्रद्धालुओं को प्रसादस्वरूप वितरित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, मलकाजगिरी सांसद ईटेला राजेंद्र, लव फार काऊ के चेयरमेन जसमत पटेल, श्री गुजराती सेवा मंडल के ट्रस्टी जसभाई पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज के चेयरमैन कांतीलाल गोराणी, रसूलपुरा जैन संघ के अविनाश भंडारी व मुकेश कटारिया, गुजराती ब्राह्मण समाज अध्यक्ष तरुण मेहता, पूर्व वार्ड सदस्य केशव रेड्डी, नामधारी ग्रुप के चेयरमैन सुरतसिंह मलहोत्रा, टॉलीवुड आर्टिस्ट सेलवराज, कान्हा शांतीवनम निदेशक विनीतजी तथा समाजसेवी चेतन अग्रवाल (बिकानेरवाला) आदि उपस्थित रहे।

अवसर पर विशाल संख्या में उपस्थित धर्मानुरागी भक्तों को संबोधित करते हुए साधु आत्मचिंतनदास स्वामीजी ने कहा कि बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर ने भक्ति और कृतज्ञता के साथ अन्नकूट उत्सव मनाया। अन्नकूट उत्सव श्री अक्षर पुरुषोत्तम महाराज के प्रति भक्ति और कृतज्ञता की हार्दिक अभिव्यक्ति है। इस अवसर पर भगवान को 1000 से अधिक शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। यह जीवंत पर्व हिंदू नववर्ष का भी प्रतीक है। छोटे बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक लगभग 300 समर्पित स्वयंसेवकों ने उत्सव की तैयारी में 2400 घंटे से अधिक की स्वैच्छिक सेवा दी।आत्मचिंतनदास स्वामीजी ने आगे कहा कि भारतीय भक्ति परंपरा में भगवान को भोग अर्पित करना अत्यंत महात्म्य का कार्य है। भक्त अपने ईष्टदेव को प्रिय व्यंजनों का भोग लगाकर भक्ति का दिव्य आनंद प्राप्त करता है, और प्रभु के प्रसाद का आस्वाद लेकर धन्यता का अनुभव करता है। यही भावना हर वर्ष नूतन वर्ष के प्रारंभ में भव्य अन्नकूट के आयोजन के रूप में प्रकट होती है।

पूज्य विमलमुनिदास स्वामीजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक उत्सव हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। प्रत्येक उत्सव जीवन में एक उत्तम संदेश देता है। हमारे शास्त्रों और महापुरुषों ने उत्सवों का प्रवर्तन इसलिए किया है ताकि भक्त जीवन में भगवान की भक्ति को विशेष रूप से स्थापित कर सकें। बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण संस्था एक आध्यात्मिक, स्वयंसेवक-संचालित फेलोशिप है जो आस्था, सेवा और वैश्विक सद्भाव के सनातन हिंदू मूल्यों के प्रसार के माध्यम से समाज को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है। यह संस्था गांधीनगर, नई दिल्ली और न्यू जर्सी (अमेरिका) स्थित अक्षरधाम मंदिरों के साथ-साथ अबू धाबी में प्रथम हिंदू मंदिर के निर्माण के लिए भी प्रसिद्ध है।

इस वर्ष के अन्नकूट उत्सव में लगभग 6,000 श्रद्धालु उपस्थित रहे जिन्होंने आशीर्वाद लिया और भगवान श्री स्वामीनारायण के अन्नकूट दर्शन किए। पूज्य आत्मचिंतनदास स्वामीजी (बी.ए.पी.एस. अक्षरधाम मंदिर, सिकंदराबाद के प्रमुख संत) तथा पूज्य विमलमुनिदास, हरिनिष्ठदास और विवेकवत्सलदास सहित अन्य संतों ने विश्व शांति, सद्भाव, स्वास्थ्य तथा समस्त मानवता के कल्याण की प्रार्थना की। बड़े उत्साह से भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की और मंदिर में श्री स्वामीनारायण, राधा-कृष्ण देव, श्री पद्मावती-श्री बालाजी, श्री सीतारामजी, श्री शिव-पार्वती-गणेश तथा परम पूज्य महंतस्वामी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

गोशाला फेडरेशन ने नागाराम गोलीकांड की निंदा की

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा नागाराम में गौ रक्षक सोनू सिंह पर हुए गोलीबारी हमले की कड़ी निंदा की गई है। आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संस्था के मानद अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल ने इस हमले को समाज और देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है और सभी संगठनों से इस प्रकार के अपराधों के विरुद्ध एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया है।महेश अग्रवाल ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की है ताकि राज्य में शांति और सुरक्षा बनी रहे। इस निंदात्मक प्रस्ताव के माध्यम से उन्होंने हिंसा के किसी भी रूप को सहन न करने का स्पष्ट संदेश दिया है और गौ रक्षकों के सम्मान व सुरक्षा के लिए आगे आने का संकल्प भी जताया है।उन्होंने राज्य सरकार को कड़े शब्दों में चेताया कि गैरकानूनी तरीके से कतलखाने ले जाए जा रहे गोवंश को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों को सख्ती से लागू किया जाए।

प्रकृति संरक्षण एवं सेवा का पर्व है गोवर्धन : सतीश कुमार गुप्ता

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रकृति, संरक्षण और सेवा का पर्व है गोवर्धन पूजा भगवान श्रीकृष्ण जी के दिव्य स्वरूप गोवर्धन पर्वत की पूजा का यह पावन दिवस हमें स्मरण कराता है कि सच्ची भक्ति केवल आराधना में नहीं, बल्कि प्रकृति, पशु-पक्षियों और समाज की सेवा-संवेदना में निहित है उक्त विचार राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता ने व्यक्त किए।

नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में आज गोवर्धन पूजा की गई। इस पर सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि यह पर्व हमें सिखाता है कि जब हम प्रकृति की रक्षा करते हैं, तो ईश्वर स्वयं हमारे रक्षक बनते हैं। जब हम अपने कर्म में प्रेम और समर्पण जोड़ते हैं, तो वही यज्ञ का रूप ले लेता है। उन्होंने आह्वान किया कि आइए, हम सभी राधे राधे परिवार के साथ मिलकर इस दिव्य अवसर पर संकल्प लें प्रकृति संरक्षण, गौसेवा, जल-संरक्षण और समाज सेवा के माध्यम से गोवर्धन पूजा के इस पर्व को अपने कर्म से सार्थक बनाएं। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, ई-जगन चम्पापेट, मनोज शर्मा, भगतराम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, गोपाल गोयल, प्रतिका अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, रवि शर्मा, मनीष अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता आदि उपस्थित थे।

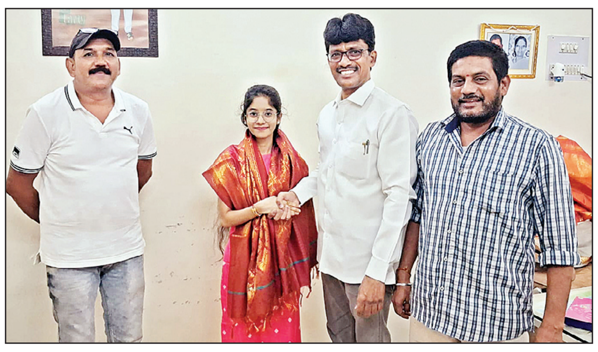

जेम्पुला शंबूप्रिया (सुपुत्री जेम्पुला कृष्णा) नायी ब्राह्मण समुदाय से संबंधित है ने एमबीबीएस सीट हासिल की। इस संदर्भ में, प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने उनका शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया यह सम्मान समारोह स्वर्गम प्रकाश की उपस्थिति में आयोजित हुआ, जहां शंबूप्रिया की कड़ी मेहनत और चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की गई।

दीपावली के शुभ अवसर पर माथुर वैश्य समाज दक्षिणांचल के अध्यक्ष राजेश गुप्ता को समाज की अध्यक्षा सपना गुप्ता ने मिठाई खिलाकर बधाई दी। साथ ही इस मौके पर शैफरोन के डायरेक्टर विमल गुप्ता भी उपस्थित रहे।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर में 'मेरा सावरिया आएगा' भजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महिंद्रा हिल्स, सिकंदराबाद में सांवरे के बांवरे के द्वारा आयोजित 'मेरा सावरिया आएगा' भजन कार्यक्रम के अन्तर्गत भजन प्रस्तुत करते हुए प्रतीक दाहिमा ने उपस्थित भक्तों को भक्ति के रस में सराबोर कर दिया। यह कार्यक्रम मंदिर परिसर में धूमधाम से संपन्न हुआ, जहां सांवले श्याम की भक्ति और भजनों की मधुर धुनों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर लिया। प्रतीक दाहिमा की भावपूर्ण प्रस्तुति ने कार्यक्रम को एक नई ऊंचाई प्रदान की, तथा भक्तों ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों एवं भजन गायक का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ने सभी को शॉल, स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट किए। साथ में ट्रस्टी पंकज सिंगला, प्रवीण अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, रवि सबलका, ब्रिजेश मोदी, राकेश गर्ग एवं सांवरे के बांवरे के अमन सारडा, कपीश अग्रवाल, नितीश अग्रवाल, तनिष्क अग्रवाल, करण,

विकास, मोहित अग्रवाल, गर्व अग्रवाल, गोपाल द्विवेदी तथा उपस्थित भक्तगण ने इस समारोह में सक्रिय भागीदारी निभाई। चेयरमैन अरुण डाकोतिया ने कहा कि ऐसे भजन कार्यक्रम भक्ति भाव को जागृत करने के साथ-साथ सामुदायिक एकता को मजबूत करते हैं, तथा प्रतीक दाहिमा जैसे कलाकारों का योगदान अमूल्य है। ट्रस्टी पंकज सिंगला और प्रवीण अग्रवाल ने भी भक्तों को संबोधित करते हुए श्याम भक्ति की महत्ता पर प्रकाश डाला।

तेरापंथ युवक परिषद् हैदराबाद का अभिनंदन समारोह सम्पन्न

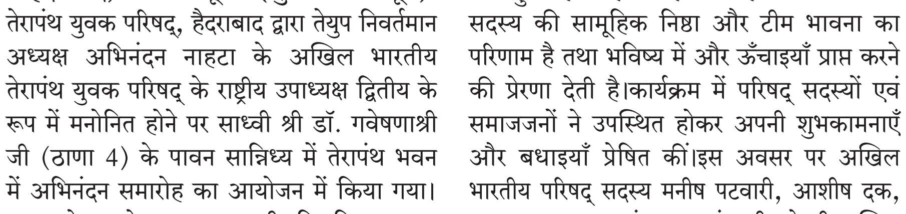

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद द्वारा तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा के अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वितीय के रूप में मनोनित होने पर साध्वी श्री डॉ. गवेषणाश्री जी (ठाणा 4) के पावन सान्निध्य में तेरापंथ भवन में अभिनंदन समारोह का आयोजन में किया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार साध्वीश्री जी ने अभिनंदन नाहटा को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि युवाओं के संस्कार, सेवा और संगठनात्मक क्षमता से ही समाज का उज्ज्वल भविष्य निर्मित होता है। उन्होंने परिषद् के सभी सदस्यों को भी समर्पित भावना से समाजहित में कार्य करते रहने का प्रेरक संदेश दिया।तेयुप अध्यक्ष राहुल गोलछा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह पूरे हैदराबाद तेरापंथ समाज के लिए गौरव का क्षण है कि हमारे निवर्तमान अध्यक्ष को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रत्येक सदस्य की सामूहिक निष्ठा और टीम भावना का परिणाम है तथा भविष्य में और ऊँचाइयाँ प्राप्त करने की प्रेरणा देती है।कार्यक्रम में परिषद् सदस्यों एवं समाजजनों ने उपस्थित होकर अपनी शुभकामनाएँ और बधाइयाँ प्रेषित कीं।इस अवसर पर अखिल भारतीय परिषद् सदस्य मनीष पटवारी, आशीष दक, राहुल श्यामसुखा एवं कुशल भंसाली को भी अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् की कार्यकारिणी में मनोनीत किए जाने पर बधाई दी गई।कार्यक्रम में तेलंगाना माइनॉरिटी सदस्य एवं जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के उपाध्यक्ष हिमांशु बापना, मंत्री हेमंत संचेती, महिला मंडल अध्यक्ष नमिता सिंघी, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम अध्यक्ष वीरेंद्र घोषाल, तथा अणुव्रत समिति अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री चेतन मरलेचा ने किया।

घटकेसर में अन्नोजीगुडा स्थित में गोवर्धन पूजा के अवसर पर पूजा-अर्चना के बाद उपस्थित कंचन देवी काग, पुष्पा देवी, अनीता देवी, गीता देवी, सीमा देवी, ममता देवी, रेखा ,सुनकी देवी, ज्ञानी देवी, गेरी देवी, लक्ष्मी देवी व प्रवासी महिलाएं।

उत्तर भारतीय नागरिक संघ हैदराबाद द्वारा छठ पूजा का चार दिवसीय महापर्व 25 से

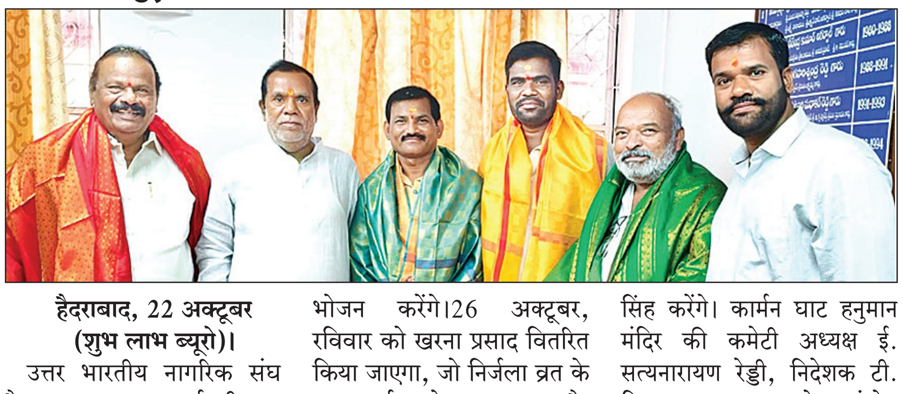

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर भारतीय नागरिक संघ हैदराबाद द्वारा इस वर्ष भी छठ पूजा का चार दिवसीय महापर्व बड़े उल्लास के साथ मनाया जाएगा। यह आयोजन 25 से शुरू होकर 28 अक्टूबर, को समाप्त होगा।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कार्यक्रम का ब्यौरा देते हुए बताया गया कि आगामी ता. 25 अक्टूबर, शनिवार को नहाए-खाय पूजा होगी, जिसमें श्रद्धालु शुद्ध स्नान कर सात्विक भोजन करेंगे।26 अक्टूबर, रविवार को खरना प्रसाद वितरित किया जाएगा, जो निर्जला व्रत के बाद सूर्यास्त के समय गुड़ और चावल की खीर या पूड़ी से होता है।27 अक्टूबर, सोमवार को संध्याकालीन अर्घ्य दिया जाएगा, जिसमें डूबते सूर्य को जल अर्पित किया जाएगा।

28 अक्टूबर, मंगलवार को प्रातःकालीन अर्घ्य देकर पूजा सम्पन्न होगी। इस दिन उगते हुए सूर्य को पूजा जाएगी।इस आयोजन की अध्यक्षता कांग्रेस नेता एन के सिंह करेंगे। कार्मन घाट हनुमान मंदिर की कमेटी अध्यक्ष ई. सत्यनारायण रेड्डी, निदेशक टी. किरण कुमार तथा के. संतोष कुमार ने इस पूजा के लिए सहयोग का आश्वासन दिया है। संघ द्वारा सभी भक्तों से अनुरोध है किया गया है कि वे भक्ति-श्रद्धा के साथ इस पर्व में शामिल होकर साम्प्रदायिक सौहार्द बढ़ाएं।इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष एन के सिंह और अमरजीत सिंह द्वारा सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी गईं।

रमेश लाल यादव को गोलकुंडा जिला भाजपा सचिव के पद पर चयनित होने पर जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ में आयोजित समारोह में मठाधिपति अमृत दास खाकी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय और विजय कुमार तोतला बिनोद सिंह ने पुष्प माला द्वारा उनका हार्दिक स्वागत किया। यह समारोह स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समुदाय के लोगों की भारी उपस्थिति में संपन्न हुआ, जहां रमेश लाल यादव की मेहनत और पार्टी के प्रति समर्पण की सराहना की गई।

गौ सेवा के बिना मनुष्य का कल्याण नहीं : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौमाता की सेवा के बिना हमारा कल्याण नहीं होगा, गौ वंश की सेवा, रक्षा एवं संवर्धन के संदेश को अपने में समाहित करने वाले पावन पर्व का नाम ही गोवर्धन पूजा है उक्तविचार राधे राधे ग्रुपहैदराबाद के संयोजक जगतनारायण अग्रवाल ने व्यक्त किए। बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम में गोवर्धन पूजा के पर्व श्री अग्रवाल ने कहा कि आज के दिन भगवान श्री कृष्ण को छप्पन भोग और अन्नकूट महोत्सव करने के साथ-साथ यह भी महत्वपूर्ण है, कि गौ माताओं को भी हरा चारा खिलाया जाए, उन्हें भी भोग लगा कर तृप्त एवं प्रसन्न किया जाये।

उन्होंने श्री बालकृष्ण प्रभु द्वारा सनातन धर्म की आधारभूता गौमाताओं की रक्षार्थ देवराज इंद्र जैसे शक्ति सम्पन्न व्यक्तित्व का विरोध कर गौमाता की रक्षा और सेवा का संदेश संपूर्ण जगत को दिया गया। हम सभी सनातनियों का प्रमुख कर्तव्य है, कि यथा सामर्थ्य गौ-वंश की सेवा के यज्ञ में अपनी आहुति प्रदान की जाए। आज के इस पावन दिवस में यथा सामर्थ्य गौ सेवा से जुड़कर गोवर्धन पूजा के इस महापर्व को सार्थक बनायें। नियमित अन्नदान के पश्चात गौमाता को हरा चारा खिलाया गया।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, शिव भगवान, वंश अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, मीना गोयल, गोविंद राम पचेरीया, शर्मिला अग्रवाल, किशन पाल, आशीष सहित ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, पुलिसायुक्त वीसी सज्जनार, हैदराबाद ज्वाइंट कमीश्नर ऑफ पुलिस (लॉ एंड ऑर्डर) तफसीर इकबाल, गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह एवं अन्य गणमान्यों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती कर दीपावली स्नेह मिलन का उत्सव मनाया

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती में सभी भक्तों ने दूध देकर दीपावली स्नेह मिलन पर एक दूजे को हार्दिक बधाई दी और सभी ने दूध देकर अल्पाहार किया।

आज की पूजा में सभी भक्तों ने मुझे दूध पिलाया, जिसमें विजया रेड्डी, गोपाल बलदावा, संध्या रानी अग्रवाल, पुष्पलता, दीया अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, वेंकटेश गारु, सुरेश कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार, सरायवाला सुधाकर पम्पति, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल भोजरेड्डी, पी.सी. जैन, राधेश्याम मांडोठिया विठ्ठलदास अग्रवाल, बड़े गांव वाले, अशोक लाखोटिया, अशोक सरायवाला, सुभाष अग्रवाल, महेश कुमार डकोटिया, कमल राठी, राहुल सिंघल आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई। यह आयोजन न केवल धार्मिक उत्साह से ओतप्रोत था, बल्कि सामुदायिक एकता का भी प्रतीक बन गया, जहां भक्तों ने गणेशजी को दूध अर्पित कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की।

अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा एवं महिला विंग का दीपावली कार्यक्रम 25 को

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा एवं महिला विंग गच्चीबावली शाखा द्वारा दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन दि. 25 अक्टूबर, शनिवार शाम 6:00 बजे से वैकुंटापुरम बैंक्वेट्स एंड केटरर्स कोंडापुर में किया जा रहा है।

उक्त कार्यक्रम के लिए अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, मानद मंत्री विकास केशान, संयुक्त मंत्री डॉ. सीमा जैन तथा कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता को अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हुए शाखा के अध्यक्ष केपी अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य सुरेश अग्रवाल, संतोष टांटिया एवं अन्य सदस्य।

देश की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी अपने अक्टूबर स्पेशल फैशन एडिशन को प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें शानदार फैशन, त्योहारों का कलेक्शन, ज्वेलरी, डिज़ाइनर वियर, लाइफस्टाइल और बहुत कुछ प्रदर्शित किया जाएगा। यह आयोजन हैदराबाद में 25, 26, 27 अक्टूबर 2025 को क्खउउ, नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में होगा। अभिनेत्री वर्षा, अभिनेत्री सिरीपापा, फैशन प्रेमी और अन्य ने बुधवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स में आयोजित ग्रैंड फैशन शोकेस में तारीखों की घोषणा की।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एसएएम रिजवी ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सैयद अली मुर्तजा रिजवी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और 31 अक्टूबर से प्रभावी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) का विकल्प चुना है। हालांकि उनके वीआरएस के सटीक कारण अज्ञात हैं, लेकिन राज्य सचिवालय के हलकों में यह अटकलें जोर पकड़ रही हैं कि उन्हें लगातार स्थानांतरणों से नाराजगी थी-दो वर्षों के भीतर चार बार पदस्थापना बदली गई-और इसी वजह से उन्होंने सेवा छोड़कर व्यक्तिगत लक्ष्यों की ओर बढ़ने का फैसला किया।1999 बैच के आईएएस अधिकारी रिजवी के पास सेवा के आठ वर्ष शेष थे। वे वर्तमान में राजस्व (वाणिज्यिक कर एवं उत्पाद शुल्क) विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत थे और साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग (राजनीतिक) के सचिव का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे। उनसे टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं किया जा सका।

गुरता गद्दी श्री गुरुपर्व आज

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 317वाँ गुरता गद्दी श्री गुरूपर्व गुरुद्वारा साहिब चारमहल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में 23 अक्टूबर को सिख मर्यादानुसार बडे धूमधाम के साथ मनाया जाएगा ।

इस अवसर पर विशाल कीर्तन दरबार कुली कुतबशाह खेल मैदान हाईकोर्ट के समीप आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में विशेषतौर से भाई बलविन्द्रर सिंह रंगीला तथा भाई जसकरन सिंह पटियाला वाले अपने मनोहर कीर्तन से संगत को निहाल करेंगे विशाल कीर्तन दरबार सुबह 11:45 से आरम्भ होकर शाम 5:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा । इस कीर्तन दरबार में स्थानीय कीर्तन जत्थे भाई प्रितपाल सिंह सुखमनिया, भाई तारा सिंह भी भाग लेगे कीर्तन दरबार के उपरान्त विशाल नगर कीर्तन शाम 5:30 बजे से आरम्भ किया जाएगा । इस नगर कीर्तन में जत्था तेरा जत्था, सिमरन जत्था, निरवैर अकाली जत्था, दशमेश कलगीघर जत्था, गुरूवाणी पर आधारित शब्द गायन कीर्तन करके नगर कीर्तन की शोभा बढाएगे।नगर कीर्तन में पालकी साहिब पर सशोभित पंच प्यारे साहिबानों की अगुवाई में कुली कुतूब शाह स्टेडियम से आरम्भ होकर हाई कोर्ट मदीना एक्स रोड, गुलजार हाऊस, चारमीनार, उदासीन मठ, पुराना पुल, पुलिस मुख्यालय होता हुआ चारमहल गुरूद्वारा साहिब में समापन किया जाएगा ।सभी साघ संगत के लिए विशाल कीर्तन दरबार में लंगर की व्यवस्था गुरुद्वारा साहिब चारमहल के तत्वाधान में की जाएगी। गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष-सरदार हरबंश सिंह बशी, चैयरमैन -सरदार सुरेन्द्रर सिंह लड्डू, उप चैयरमैन -सरदार उधम सिंह, मुख्य सलाहाकार -सरदार मदन सिंह काटेदान, सलाहकार-सरदार उत्तम सिंह, सरदार अजीत सिंह, तथा समस्त गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सभी सिख भाईयों श्रद्धालुओं से भारी से भारी संख्या में आने की अपील की ।

आकांक्षा को अंतर्विश्वविद्यालयीन जूडो स्पर्धा में स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाबू जगजीवनराम शासकीय स्नातक महाविद्यालय (स्वायत्त) के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एम. विजयकुमार ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि उस्मानिया विश्वविद्यालय की अंतर्विश्वविद्यालयीन जूडो प्रतिस्पर्धाओं में बीजेआर कॉलेज की बी.कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा आकांक्षा ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया है।

हैदराबाद के मेहदीपट्टणम में स्थित सेंट ऐन्स कॉलेज परिसर में संपन्न इस स्पर्धा में आकांक्षा विजयी रहकर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए योग्यता प्राप्त करने में सफल रही हैं।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन विजयकुमार, उप-प्राचार्य डॉ. रापोल श्रीनिवास, डॉ. के श्रीनिवास, पी. सत्यनारायण रेड्डी, पी. गिरिधर, सीविएल नारायण, कॉमर्स विभागाध्यक्ष डॉ. नर्सिम्हुलु, बीबीए विभागाध्यक्ष डॉ. सी. राजेश्वर, स्पोर्ट्स विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, मीडिया संयोजक डॉ. जे. गंगाधर सहित अन्य वरिष्ठ शिक्षक और अधिकारी उपस्थित थे जिन्होंने आकांक्षा को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

4 आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को राज्य में चार आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया।वाणिज्यिक कर आयुक्त एम. रघुनंदन राव को 31 अक्टूबर से प्रभावी होने वाली आईएएस अधिकारी सैयद अली मुर्तजा रिजवी की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद सरकार के राजस्व (वाणिज्यिक कर एवं उत्पाद शुल्क) विभाग के सचिव के पद का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।टीजीजीएन्को के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एस. हरीश को धार्मिक संपत्ति (एंडाउमेंट्स) विभाग के निदेशक का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जिसके साथ ही शैलजा रामैयर को इस पद के एफएसी से मुक्त कर दिया गया है।सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के उप सचिव भवेश मिश्रा को खनन एवं भूविज्ञान विभाग के निदेशक का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, जबकि वल्लूरू क्रांति को इस पद के एफएसी से राहत दी गई है।मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव के अनुसार, सिद्दीपेट की अतिरिक्त जिला कलेक्टर (स्थानीय निकाय) गरिमा अग्रवाल का स्थानांतरण कर उन्हें राजन्ना-सिर्सिल्ला जिले में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (स्थानीय निकाय) के पद पर प्रतिनियुक्त किया गया है।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद में दीपावली के उपलक्ष्य में पूजा करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ।

विज्ञान, नवाचार और अंतरिक्ष अर्यव्यवस्था के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा हैदराबाद : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मल्लू ने कहा कि हैदराबाद लंबे समय से विज्ञान और नवाचार का केंद्र रहा है-पंडित जवाहरलाल नेहरू के दूरदर्शी विचारों से लेकर आज के अत्याधुनिक उपलब्धियों तक-और अब यह प्रणाली डिज़ाइन, डीप-टेक और अंतरिक्ष नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।उपमुख्यमंत्री आज यहाँ जेआरसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित बायोइन्स्पायर्ड फ्रंटियर्स 2025: अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, बायोमिमिक्री और एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल रिसोर्सेज अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम कर रहे शोध संस्थानों, स्टार्टअप्स और निवेशकों को विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।हैदराबाद वह शहर है जहाँ विज्ञान की सटीकता कल्पना की कविता से मिलती है, भट्टी ने कहा और मुख्यमंत्री

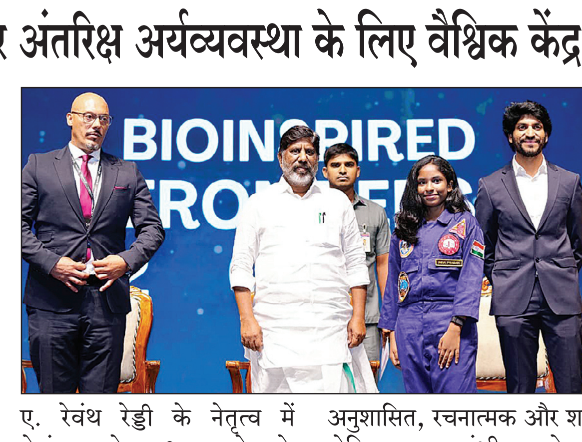

ए. रेवंथ रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना के साथ सहयोग के लिए वैश्विक शोध संस्थानों और नवाचारकों को आमंत्रित किया।उन्होंने हैदराबाद के भारत के वैज्ञानिक परिदृश्य में अग्रणी योगदान की याद दिलाई, जिसमें एनआरएससी (पूर्व में एनआरएसए), डीआरडीओ प्रयोगशालाएँ (डीआरडीएल, डीएमआरएल, आरसीआई) और बीडीएल, मिधानी और ईसीआईएल जैसे प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम शामिल हैं, जिन्होंने देश के एयरोस्पेस, धातुकर्म और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों की नींव रखी।

इस विरासत को हैदराबाद का अद्वितीय विज्ञान डीएनए-अनुशासित, रचनात्मक और शांत लेकिन महत्वाकांक्षी बताते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नवाचार की नई पीढ़ी इसे ताज़गी और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा रही है।उन्होंने स्काईरूट एयरोस्पेस और ध्रुवा स्पेस जैसे स्टार्टअप्स की सराहना की, जिन्होंने साबित किया है कि विश्व-स्तरीय अंतरिक्ष प्रणालियाँ तेलंगाना में ही विकसित की जा सकती हैं।यही तेलंगाना का नवाचार मॉडल है-सार्वजनिक संस्थान आधार बनाते हैं, स्टार्टअप्स उस पर आगे बढ़ते हैं, और विश्वविद्यालय प्रतिभा की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं, उन्होंने कहा और आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईआईटी हैदराबाद, बीआईटीएस पिलानी, हैदराबाद विश्वविद्यालय और टी-वर्क्स के बीच मजबूत सहयोग की ओर संकेत किया।उपमुख्यमंत्री ने विकासाधीन प्रमुख औद्योगिक क्लस्टरों की सूची दी-अडीबतला में एयरोस्पेस, ई-सिटी में इलेक्ट्रॉनिक्स, जीनोम वैली में फार्मास्यूटिकल्स और शमशाबाद के पास मोबिलिटी टेक्नोलॉजीज-जो सभी नवाचार, विनिर्माण और स्थिरता के चारों ओर गढ़े जा रहे हैं।इसरो से जुड़ी सुविधाओं, टेलीमेट्री केंद्रों और इनक्यूबेशन हब्स की उपस्थिति को रेखांकित करते हुए भट्टी ने कहा कि हैदराबाद अब भारत के भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों, चंद्रमा की खोज और अंतरिक्ष संसाधनों के उपयोग के लिए एक प्रमुख आधार बन गया है।सम्मेलन के विषय बायो-इन्स्पायर्ड फ्रंटियर्स पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, प्रकृति स्वयं मूल इंजीनियर है। सबसे सुंदर डिज़ाइन पहले से ही प्रकृति में मौजूद हैं-हमारा काम प्रकृति से आगे निकलना नहीं, बल्कि उससे सीखना है।उन्होंने कहा कि तेलंगाना की विकास दर्शन अब बायोमिमिक्री और स्थिरता को एकीकृत करता है-हरित भवन नियमावली, जल संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा पहलों के माध्यम से-जिससे नवाचार और पारिस्थितिक जिम्मेदारी का संतुलन बना रहे।वैश्विक निवेशकों और वैज्ञानिकों को आमंत्रित करते हुए भट्टी ने कहा कि तेलंगाना सरकार डीप-टेक उद्यमों के लिए सहायक नीति पारिस्थितिकी तंत्र और इनक्यूबेशन बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करेगी।

CHANGE OF NAME
I, PRATIBHA spouse of Service No.JC 731459A Hony Capt RAVINDER MALIK, R/o.Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad have changed my name from PRATIBHA to PRATIBHA MALIK vide affidavit dt:22-10-2025 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^{0}
न्यूनतम : 23^{0}

शेयर मार्केट

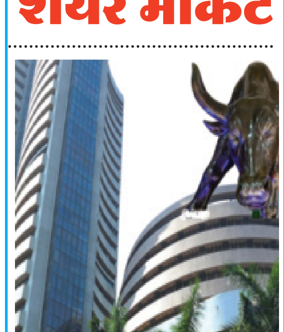

बीएसई : 84,426.34
+62.97 +0.07% ↑
एनएसई :25,868.60
25.45 (0.10%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,25,560/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,56,100/-
(प्रति किलोग्राम)

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। बुधवार को उन्होंने जिले के नेनेला मंडल केंद्र स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का औचक निरीक्षण किया और कक्षाओं, रजिस्टरों, रसोई और आसपास के वातावरण का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेनू के अनुसार समय पर पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाना चाहिए और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों की समझ के अनुसार पढ़ाना चाहिए और कक्षा में पिछड़े विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए और विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय की सीमा के भीतर किए जा रहे अतिरिक्त कमरों के निर्माण कार्य की जाँच की जानी चाहिए और उसे शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को भौतिकी के विभिन्न विषय पढ़ाए और उनकी सीखने की क्षमता का परीक्षण किया। उन्होंने तहसीलदार श्रीनिवास और मंडल परिषद विकास अधिकारी है के साथ मंडल परिषद विकास अधिकारी कार्यालय का दौरा किया और कर्मचारियों की उपस्थिति सूची का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी, कर्मचारी और स्टाफ अपने कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी से काम करें और मंडल के भीतर किए गए विकास कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने तहसीलदार कार्यालय का दौरा किया और सुझाव दिया कि भूभारती राजस्व सम्मेलनों में प्राप्त आवेदनों की जांच की प्रगति की जांच की जानी चाहिए, रिकॉर्ड की जांच की जानी चाहिए, क्षेत्र स्तर पर एक व्यापक जांच की जानी चाहिए और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करके उन्हें जल्दी से हल करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों के लिए प्राप्त आवेदनों की नियमानुसार जांच की जानी चाहिए और निर्धारित समय के भीतर जारी किए जाने चाहिए। बाद में, उन्होंने जिला परिषद हाई स्कूल का दौरा किया और छात्रों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को स्कूल में किए गए शौचालयों के निर्माण कार्य की निगरानी करनी चाहिए ताकि इसे जल्दी पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी करानी चाहिए और शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि वे प्रतिदिन नियमित रूप से स्कूल आएँ। उन्होंने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और आवश्यक वस्तुओं के भंडारण कक्ष का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि खाना बनाते समय स्वच्छता के नियमों का पालन किया जाना चाहिए और ताज़ी सब्ज़ियों और गुणवत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुओं का उपयोग किया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में संभागीय पंचायत अधिकारी सतीश, संबंधित अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

अदिलाबाद पुलिस ने रक्तदान शिविर में 817 यूनिट रक्त एकत्र किया

अदिलाबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों की ओर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली। बुधवार को यहाँ पुलिस शहीद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शिविर का उद्घाटन उन्होंने किया।

महाजन ने बताया कि लोगों और युवाओं ने स्वेच्छा से शिविर में कुल 817 यूनिट रक्तदान किया। उन्होंने इस महान कार्य के लिए आगे आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह रक्त सड़क दुर्घटनाओं और चिकित्सा आपात स्थितियों में पीड़ितों के लिए निःशुल्क उपयोग किया जाएगा। यह रक्त ठखचड-अदिलाबाद और शहर के एक निजी रक्त बैंक को आपूर्ति किया जाएगा। इस कार्यक्रम में ठखचड के निदेशक डॉ. जयसिंह राठौड़, उप पुलिस अधीक्षक जीवन रेड्डी, पोथाराम श्रीनिवास और कामथम इंद्रवर्धन, पुलिस निरीक्षक, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, युवा संगठनों के नेता, निजी रक्त बैंक के कर्मचारी और पुलिसकर्मी शामिल हुए।

तेलंगाना सरकार के आदेश पर आरटीओ चेकपोस्ट बंद

मदनूर, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के सलाबतपुर के पास स्थित अंतरराज्यीय आरटीओ चेकपोस्ट बुधवार शाम तेलंगाना सरकार के आदेश पर बंद कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार शाम 5 बजे यह चेकपोस्ट पूरी तरह से बंद कर दिया गया।स्थानिक जनता ने बताया कि तेलंगाना सरकार द्वारा जारी आदेश के पालन में आरटीओ अधिकारियों ने चेकपोस्ट का संचालन बंद कर दिया और सभी कर्मचारी वहां से प्रस्थान कर गए।

बुधवार शाम जब पत्रकार ने अंतरराज्यीय आरटीओ चेकपोस्ट का दौरा किया, तो पाया कि गेट बंद था और कार्यालय पूरी तरह खाली था। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आदेश के अनुपालन में चेकपोस्ट का कार्य बंद कर दिया गया है।

शराब की लत के चलते युवक ने की आत्महत्या

बेल्लमपल्ली, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के नेनेल मंडल में बुधवार शाम एक युवक ने आम के बगीचे में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस के अनुसार नेनेल गांव निवासी शेख याकूब (25) लंबे समय से शराब की लत के शिकार थे।

परिवारजनों ने बताया कि याकूब नशे की हालत में प्रतिदिन घर में झगड़ा करता था। बुधवार सुबह भी उसने अपनी पत्नी से विवाद किया और घर से निकल गया। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने पड़ोसियों के साथ उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान नेनेल उपनगरीय क्षेत्र के आम के बगीचे में उसका शव फांसी से लटकता मिला।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को परिवारजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। परिजनों ने बताया कि याकूब की मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है, उसने यह कदम स्वयं उठाया है।

करीमनगर सहकारी शहरी बैंक का चुनाव 1 नवंबर को

करीमनगर, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 8 लंबे वर्षों के बाद करीमनगर सहकारी शहरी बैंक में अंततः चुनाव होने जा रहे हैं। आधिकारिक अनुसूची जारी कर दी गई है, जिसके अनुसार मतदान 1 नवंबर को होगा और नया बोर्ड 4 नवंबर तक गठित हो जाएगा। इससे प्रमुख राजनीतिक दल अपनी पैनल और रणनीति तैयार करने में जुट गए हैं।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद यह महत्वपूर्ण चुनाव अधिसूचना जारी की गई है, जिससे लंबे समय से चल रहे शासन शून्य का अंत होगा और बैंक के नियंत्रण के लिए तीव्र राजनीतिक संघर्ष शुरू हो जाएगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर है, जो चुनाव प्रक्रिया का पहला कदम है।

अप्रैल 2017 में पिछले निर्वाचित निकाय का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से बैंक का प्रशासन अनिश्चितता में था। मतदाता सूची को लेकर आपत्तियों के कारण कानूनी गतिरोध उत्पन्न हो गया था, जिसे दो महीने पहले उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से तोड़ा गया, जिसने अधिकारियों को 10 सप्ताह के भीतर चुनाव कराने का निर्देश दिया था। अंतिम मतदान और मतगणना 1 नवंबर को होगी।

चुनाव कड़ा प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है, क्योंकि शहरी बैंक के नियंत्रण की दांव बहुत ऊँची है। बैंक के कुल 9,287 मतदाता सदस्य हैं, जिनमें से 7,272 करीमनगर जिले से और 2,015 जगतियाल जिले से हैं। मतदान करीमनगर के सरकारी महिला डिग्री कॉलेज और जगतियाल के सरकारी बालिका जूनियर कॉलेज में होगा।

मुख्य प्रतिस्पर्धा कांग्रेस, भाजपा और बीआरएस के बीच होने की उम्मीद है। राज्य परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कांग्रेस अभियान की कमान संभाली है और स्थानीय नेताओं को मजबूत पैनल तैयार करने का निर्देश दिया है। पहली बार भाजपा भी गहराई से जुड़ी हुई है, जिसके जिला नेता अपनी पैनल अंतिम कर रहे हैं और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार की मंजूरी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

संजय कुमार का बैंक से व्यक्तिगत जुड़ाव है-उनकी राजनीतिक यात्रा वहाँ निदेशक के रूप में शुरू हुई थी और उन्होंने भूतकाल में भारतीय रिजर्व बैंक (ठइख) द्वारा बैंक के संभावित बंद होने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बीच, बीआरएस नेतृत्व पूर्व मंत्री और विधायक गंगुला कमलाकर के साथ चर्चा कर रहा है कि क्या वह आधिकारिक तौर पर चुनाव लड़ेगा या नहीं।

चुनाव अनुसूची आंतरिक विवाद और विवाद के बाद आई है, जिसमें बैंक के दो समूहों के बीच लंबे समय से टकराव चल रहा था। विवाद बाहरी अध्यक्ष गद्दम विलास रेड्डी के आसपास केंद्रित था, जिन्होंने अगस्त में उच्च न्यायालय के आदेशों और 2007 से 2017 के बीच हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए 15 पूर्व निदेशकों, जिनमें पूर्व अध्यक्ष कर्रा राजशेखर भी शामिल थे, की सदस्यता रद्द कर दी थी।

हालांकि, उच्च न्यायालय ने बाद में इन रद्दीकरणों को रद्द कर दिया, जिससे वर्तमान चुनावों का मार्ग प्रशस्त हुआ और पूर्व निदेशकों को चुनाव लड़ने की अनुमति मिल गई। राजशेखर रेड्डी ने इस समाप्ति का विरोध किया और कहा कि बैठक में कोरम नहीं था और कथित अनियमितताओं की जांच भी उचित तरीके से नहीं की गई। उन्होंने विलास रेड्डी पर राजनीतिक दुश्मनी का आरोप लगाया और कहा कि यह कदम पिछले चुनाव में हारने के बाद प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने के इरादे से उठाया गया था।

1980 में स्थापित करीमनगर सहकारी शहरी बैंक ने अल्पकालिक ऋणों से ठोस जमा वृद्धि और लाभ दर्ज किया है। 2017 में न्यायालय के आदेश पर घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण के बाद योग्य सदस्यों की संख्या 19,286 से घटकर 9,287 रह गई।

एपी सरकार हरित ऊर्जा और डेटा सेंटर्स को प्राथमिकता दे रही है : नायडू

अमरावती, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार हरित ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, डेटा सेंटर और क्वांटम वैली को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश ने कई उद्योग-अनुकूल नीतियाँ पेश की हैं और गूगल ने राज्य में निवेश करने की पहल की है।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में निवेश के लिए आंध्र प्रदेश में पर्याप्त अवसर मौजूद हैं।वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन दुबई में भारतीय राजनयिकों के साथ बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस यात्रा का उद्देश्य निवेश आकर्षित करना और 14-15 नवंबर को विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले सीआईआई भागीदारी शिखर सम्मेलन के लिए वैश्विक उद्योग दिग्गजों को आमंत्रित करना है।

मुख्यमंत्री कार्यालय (उचज) के अनुसार, बुधवार को चंद्रबाबू नायडू को दुबई एयरपोर्ट पर महिलाओं और उद्यमियों सहित तेलुगु समुदाय के बड़े समूह ने भव्य स्वागत दिया।इसके बाद मुख्यमंत्री ने भारतीय दूतावास के चार्ज डी'अफेयर्स ए. अमरनाथ और दुबई के महावाणिज्य दूत सतीश शिवन से मुलाकात की। इस अवसर पर महावाणिज्य दूत सतीश शिवन ने कहा कि यूएई और भारत के बीच व्यापार और प्रौद्योगिकी में साझेदारी है और दोनों देशों के बीच पारस्परिक निवेश से यह संबंध और मजबूत हुआ है।उन्होंने कहा कि भारतीय यूएई में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं, जिससे व्यापार में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत ज्ञान अर्थव्यवस्था का एक गंतव्य बन गया है और यूएई प्रौद्योगिकी पर अधिक खर्च कर रहा है तथा तेल-रहित अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने बताया कि यूएई ने 2017 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया था।भारतीय दूतावास के चार्ज डी'अफेयर्स अमरनाथ ने कहा कि यूएई ने अब तक भारत में 23 अरब डॉलर का निवेश किया है और तीन वर्षों में 50 प्रतिशत रिटर्न प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि यूएई शिक्षा, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा और फूड पार्क्स में भारत में निवेश करने के इच्छुक है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत और यूएई के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई देशों का दौरा करके भारत का प्रचार किया है, जिससे भारत और कई देशों के बीच संबंध बढ़े हैं। उन्होंने भविष्यवाणी की कि कई देशों में बुढ़ापे की समस्या के कारण भारतीयों का महत्व बढ़ता जा रहा है।मंत्री बी.सी. जानार्धन रेड्डी, टी.जी. भरत और अधिकारी मुख्यमंत्री के साथ थे।

मदनूर से कपिलधार पद यात्रा 25 से

मदनूर, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी 25 अक्टूबर से 5 नवंबर तक भक्तिमय वातावरण में मदनूर से कपिलधार पद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। सदगुरू 108 परम पूज्य श्री शिवानंद शिवाचार्य महाराज तामलूरकर की कृपा, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में श्री शिवानंद आश्रम, मदनूर से श्री क्षेत्र कपिलाधार तक 24वीं पैदल तीर्थयात्रा भक्ति भावना से आयोजित की गई है।

यह पवित्र तीर्थयात्रा शनिवार, 25 अक्टूबर 2025 को शिवानंद आश्रम, मदनूर से आरंभ होकर बुधवार, 5 नवंबर 2025 को कार्तिक शुद्धि पूर्णिमा के दिन 300 किलोमीटर पद यात्रा पूर्ण करते हुए श्रीक्षेत्र कपिलाधार में संपन्न होगी।

सदगुरू के मार्गदर्शन में विगत 23 वर्षों से परम्परागत रूप से आयोजित यह तीर्थयात्रा भक्तों के लिए साधना, भक्ति और आत्मशुद्धि का पर्व बन गई है। इस तीर्थयात्रा का उद्देश्य साधकों को सांसारिक चिंताओं से मुक्त कर आत्म-विकास एवं परमात्मा की प्राप्ति कराना है।

हर वर्ष की तरह इस बार भी यात्रा के प्रत्येक दिन शिव पाठ, परम रहस्य पारायण, भजन, गुरु अमृत उपदेश जैसे कार्यक्रमों से वातावरण भक्तिमय रहेगा। यात्रा में भाग लेने वाले प्रत्येक भक्त को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है।

यह पदयात्रा तमलूर से प्रारंभ होकर नारंगल, देगलूर, कवलगाँव, कराडखेड, मुकरमाबाद, हलाणी, उदगीर, लोहारा, चामरगा, रेनापुर, बर्दापुर, अम्बेजोगाई, धारुर, विदा, कालासांबर, रत्नागिरी होते हुए श्रीक्षेत्र कपिलाधार तक पहुँचेगी। कुल 300 किलोमीटर की यह यात्रा 12 दिनों में पैदल तय की जाएगी।

यात्रा मार्ग में प्रत्येक गाँव में स्थानीय भक्तगण श्रद्धालुओं के लिए आवास, जलपान और प्रसाद की व्यवस्था करेंगे। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है ताकि यह भक्ति यात्रा अनुशासित, सुखद और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हो सके।

आंप्र की गृह मंत्री अनिता ने भारी बारिश की समीक्षा की

अमरावती, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश सरकार ने बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे एक गंभीर निम्न दबाव क्षेत्र के कारण अपनी सतर्कता बढ़ा दी है, जिसके अगले 12 घंटों के भीतर अवदाबन में परिवर्तित होने की उम्मीद है। यह उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी तटीय क्षेत्रों की ओर बढ़ने की संभावना है और इसके और तीव्र होने की आशंका है।

इस स्थिति को देखते हुए गृह मंत्री वंगलापुड़ि अनिता ने आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई, जिसमें दक्षिणी तट और रायलसीमा क्षेत्रों में होने वाली भारी बारिश के लिए तैयारियों पर चर्चा की गई।बैठक के दौरान मंत्री अनिता ने कहा कि तेज हवाओं की उम्मीद है और जनता को बिना आवश्यकता के यात्रा से बचने की सलाह दी। उन्होंने तत्काल राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, पुलिस और अग्निशमन सेवाओं को तैयार रहने का निर्देश दिया।मंत्री अनिता ने जिला नियंत्रण कक्षों को 24 घंटे संचालित रखने पर जोर दिया और जन जीवन की हानि रोकने तथा जनता को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए पूर्वव्यापी कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने मौसम संबंधी स्थितियों के बारे में समय पर चेतावनी संदेश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया।जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्री अनिता ने नागरिकों को सहायता और जानकारी के लिए 24 घंटे की टोल-फ्री संख्याओं 112, 1070 और 18004250101 का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जयपुर मंडल में इंदिरम्मा आवास निर्माणों का निरीक्षण

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को जयपुर मंडल के एमपीडीओ जी. सत्यनारायण और एमपीओ श्रीपति बापू राव ने जयपुर ग्राम पंचायत में इंदिरम्मा आवास निर्माण और गृहकर वसूली की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को निर्देश दिए गए कि इंदिरम्मा आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए और शत-प्रतिशत गृहकर वसूली सुनिश्चित की जाए।निरीक्षण के दौरान एमपीडीओ और एमपीओ के साथ होसिंग एई कांक्षा, बी. उदय कुमार, पंचायत सचिव, टी. मल्लेश (कनिष्ठ सहायक) और लाभार्थी भी उपस्थित रहे।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रेवंत ने अधिकारियों को दो साल में नए उस्मानिया अस्पताल का निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया

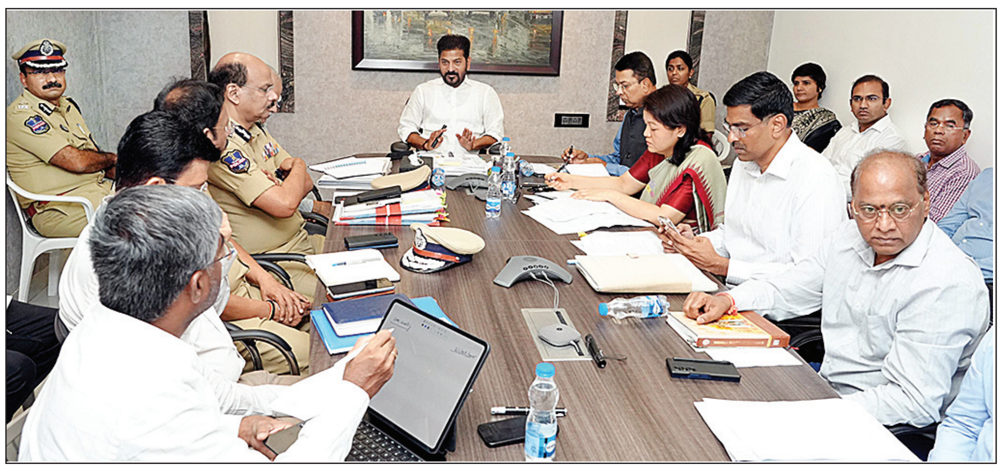

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को प्रतिष्ठित नए ओस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) का निर्माण दो वर्षों के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को अपने आवास पर नए अस्पताल के निर्माण पर एक समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को नए अस्पताल की आवश्यकताओं के अनुसार आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए उचित योजनाएँ तैयार करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अभियंता अधिकारियों को आधुनिक उपकरणों की स्थापना के लिए पर्याप्त कमरे, प्रयोगशालाएँ और अन्य संरचनाएँ सुनिश्चित करने का आदेश दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि अस्पताल के निर्माण के साथ-साथ इसके आसपास की सड़कों का निर्माण भी ऐसे किया जाए कि स्थानीय लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अस्पताल के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, जीएचएमसी, सड़क एवं भवन तथा बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ एक समन्वय समिति तुरंत गठित की जाए। उन्होंने कहा कि यह समिति क्षेत्र स्तर पर जाकर हर दस दिन में बैठक करे और किसी भी समस्या का समाधान करके कार्य को तेजी से पूरा करना सुनिश्चित करे।

नए अस्पताल के निर्माण के पूरा होने के बाद यातायात प्रबंधन सुचारू रूप से हो, इसके लिए मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पहले से ही उचित योजनाएँ तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, ठइ अधिकारियों को अस्पताल से विभिन्न सड़कों को जोड़ने की योजनाएँ तुरंत तैयार करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद सहित विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के प्रत्येक निर्माण स्थल पर एक अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को अगले जून तक इन सभी निर्माण कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया।

तेलंगाना कैबिनेट की बैठक आज, स्थानीय निकाय चुनाव प्रमुख एजेंडा

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना कैबिनेट बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंथ रेड्डी की अध्यक्षता में राज्य के प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करेगा। मंत्रिमंडल की यह बैठक डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय स्थित कैबिनेट बैठक हॉल में लगभग 1500 बजे होगी।

सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में स्थानीय निकाय चुनाव, अन्य पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण और दो-बच्चा नियम को हटाने वाले अध्यादेश को मंजूरी देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लिए जाएंगे।

कैबिनेट, राज्य उच्च न्यायालय द्वारा बीसी आरक्षण पर जारी अंतरिम आदेशों और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ-साथ स्थानीय निकाय चुनावों पर भी चर्चा करेगा। इसके अलावा, यह भी बताया जा रहा है कि कैबिनेट एसएलबीसी के जीर्णोद्धार सहित विभिन्न परियोजना कार्यों पर भी विचार करेगा।

तेलंगाना ने वाहन व सारथी डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़कर परिवहन चेक पोस्ट समाप्त किए

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आज घोषणा की कि तेलंगाना ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन व सारथी डिजिटल प्लेटफॉर्म से आधिकारिक तौर पर जुड़ गया है, जिससे वाहन पंजीकरण और ड्राइविंग लाइसेंस सेवाओं को सुगम बनाया जा सकेगा।

खैरताबाद स्थित परिवहन विभाग कार्यालय में संवाददाताओं से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि डेटा परिवर्तन की प्रक्रिया जारी है और राज्य शीघ्र ही दोनों प्लेटफॉर्म को पूर्ण रूप से लागू कर देगा। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि बुधवार, दि. 22 अक्टूबर से राज्य भर में सभी परिवहन चेक पोस्ट समाप्त कर दिए गए हैं ताकि विभाग में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाई जा सके।पोन्नम ने कहा कि चेक पोस्ट हटाने के बाद भी अवैध परिवहन को रोकने के लिए सरकार डिजिटल प्रवर्तन को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, हम परिवहन कार्यालयों में मध्यस्थों को समाप्त कर रहे हैं और प्रौद्योगिकी के माध्यम से पारदर्शिता ला रहे हैं।मंत्री ने यह भी बताया कि तेलंगाना में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी से वृद्धि हुई है। सरकार की ईवी नीति के तहत 577 करोड़ रुपये के कर मुक्ति लाभ के बाद ईवी की हिस्सेदारी 0.03 प्रतिशत से बढ़कर 1.17 प्रतिशत हो गई है।उन्होंने कहा कि सरकार शोरूम स्तर पर ही वाहनों के पंजीकरण की व्यवस्था पर विचार कर रही है। साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रदूषण और यातायात संबंधी समस्याओं को कम करना केवल जन सहयोग से ही संभव है। उधर, बुधवार को परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी एक ज्ञापन में सभी उप परिवहन आयुक्तों और जिला परिवहन अधिकारियों को चेक पोस्ट पर कामकाज तुरंत बंद करने का निर्देश दिया गया।अधिकारियों को चेक पोस्ट पर लगे सभी बोर्ड, बैरिकेड्स और भौतिक अवरोध हटाने तथा वाहन चालकों को चेक पोस्ट के बंद होने और ऑनलाइन सेवाओं की उपलब्धता के बारे में सूचित करने वाले नए साइनबोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया है।इसके अलावा, चेक पोस्ट पर तैनात सभी कर्मचारियों को उनके संबंधित डीटीसी कार्यालयों में स्थानांतरित किया जाना है। पूरी हटाने की प्रक्रिया को वीडियो रिकॉर्ड करके अनुपालन रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।आदेश में यह भी अनिवार्य किया गया है कि चेक पोस्ट से सभी रिकॉर्ड, उपकरण और संपत्ति को तुरंत डीटीओ कार्यालयों में स्थानांतरित किया जाए तथा वित्तीय व प्रशासनिक दस्तावेजों का उचित समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

परिवहन आयुक्त ने सभी जिला अधिकारियों से बुधवार को शाम 5:00 बजे तक चेक पोस्ट के बंद होने, कर्मचारियों के पुनर्नियुक्ति और रिकॉर्ड समन्वय की पुष्टि करती हुई विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अनुरोध किया है।

रियाज एनकाउंटर मामला : मानवाधिकार आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया

निजामाबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस कॉन्स्टेबल ई. प्रमोद कुमार की हत्या के आरोपी शेख रियाज को सोमवार को निजामाबाद में पुलिस एनकाउंटर में मार दिया गया। पिछले सप्ताह गिरफ्तारी के दौरान कॉन्स्टेबल की हत्या करने के आरोप में रियाज के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

रविवार को भागने के प्रयास के दौरान रियाज की एक व्यक्ति आसिफ से झड़प हो गई, जिसमें वह घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर सरकारी सामान्य अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया।

अस्पताल में उपचार के दौरान रियाज ने तैनात पुलिस कॉन्स्टेबल पर उसके सर्विस हथियार से हमला कर भागने का प्रयास किया। पुलिसकर्मी और चिकित्सा कर्मचारियों की रक्षा के लिए आर्म्ड रिजर्व के एक उप-निरीक्षक ने गोली चलाई, जिससे रियाज की मौके पर ही मौत हो गई।

निजामाबाद के आयुक्त पी. साई चैतन्य ने बताया कि सोमवार को रियाज के वार्ड से तेज आवाजें सुनाई दीं। आर्म्ड रिजर्व के कॉन्स्टेबल और उप-निरीक्षक तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपी को शांत करने का प्रयास किया। हालांकि, रियाज ने कॉन्स्टेबल से हथियार छीन लिया और गोली चलाने का प्रयास किया। इस पर उप-निरीक्षक ने कॉन्स्टेबल और अस्पताल कर्मचारियों को बचाने के लिए तुरंत गोली चला दी।

आयुक्त ने कहा कि इस मामले में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच के बाद अन्य विवरण सामने आएंगे। रियाज का शव मंगलवार को उसके परिजनों को सौंप दिया गया, जिन्होंने उसका अंतिम संस्कार किया।

इस बीच, तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने इस एनकाउंटर का स्वतः संज्ञान लिया और डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी को रियाज की मौत की परिस्थितियों के बारे में एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। आयोग ने डीजीपी से एनकाउंटर मौतों से संबंधित सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन, किसी भी जिला दंडाधिकारी या न्यायिक जांच के विवरण के साथ-साथ एफआईआर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रतियां 24 नवंबर तक प्रस्तुत करने को कहा।

आयोग ने टिप्पणी की कि यह घटना हिरासत की परिस्थितियों में हुई है, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार और एनकाउंटर मौतों से संबंधित सुप्रीम कोर्ट व एनएचआरसी दिशा-निर्देशों के पालन के संबंध में गंभीर चिंताएं उठाती है। आयोग ने कहा कि गंभीरता और मानवाधिकार पहलुओं को देखते हुए यह 2013 के आंध्र प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग (प्रक्रिया) विनियमों के नियम 25 के तहत स्वतः संज्ञान लेने का उचित मामला है।

जुबली हिल्स उपचुनाव : बड़ी संख्या में नामांकन के कारण जांच प्रक्रिया बढ़ाई गई

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव (11 नवंबर) के लिए नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया बड़ी संख्या में नामांकन प्राप्त होने के कारण अधिक समय लेगी, आज एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

उपचुनाव के लिए कुल 211 उम्मीदवारों ने 321 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। चुनाव आयोग ने नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर तक निर्धारित की है।

जुबली हिल्स विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सिंह ने आज रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में नामांकन जांच प्रक्रिया में भाग लिया।

उन्होंने रिटर्निंग ऑफिसर पी. साईराम और सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों को चुनाव आयोग ऑफ इंडिया के दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती से जांच प्रक्रिया संपन्न करने का निर्देश दिया, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और सभी मानदंडों का पालन सुनिश्चित हो।इस बीच, पुलिस पर्यवेक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी ने निर्वाचन क्षेत्र के महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कोटला विजय भास्कर रेड्डी स्टेडियम में स्थित वितरण, प्राप्ति एवं मतगणना केंद्र और स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्थाओं की समीक्षा की, साथ ही चेक पोस्टों का भी निरीक्षण किया ताकि उपचुनाव का शांतिपूर्ण और सुचारू संचालन सुनिश्चित हो सके।

आज का अल्पाहार

राधे राधे ग्रुप

श्रीमती सरोज देवी

के पुण्यतिथि के अवसर पर

श्री श्यामलाल रोहितकुमार मंगल परिवार

वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड

SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234

JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311

RAM PRAKASH GOEL 93910 14283

MAHESH AGARWAL 98490 98502

तेलंगाना सरकार शहरी क्षेत्रों में इंदिरम्मा आवास के निर्माण में तेजी लाएगी : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार इंदिरम्मा आवास योजना के माध्यम से गरीबों के घर के स्वामित्व के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जहां ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्य तेजी से प्रगति कर रहा है, वहीं अब सरकार ने शहरी केंद्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। मंत्री ने बुधवार को अपने सचिवालय कार्यालय में आवास अधिकारियों के साथ योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा योजना का उद्देश्य भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में रहने वाले गरीब परिवारों को स्थायी आवास प्रदान करना है। भूमि की कमी की समस्या को दूर करने के लिए, सरकार ने कम से कम 30 वर्ग मीटर के भूखंडों पर ऋ+1 शैली के निर्माण की अनुमति दी है।जीओनं. 69 के माध्यम से जारी नए दिशानिर्देशों के अनुसार, लाभार्थी भूतल पर 200 वर्ग फुट और पहली मंजिल पर अतिरिक्त 200 वर्ग फुट का निर्माण कर सकते हैं। निर्माण की प्रगति के आधार पर चार चरणों में 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।योजना की संरचना को समझाते हुए, पोंगुलेटी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में लाभार्थियों को 70 वर्ग फुट के दो कमरे, 35.5 वर्ग फुट की रसोई और अलग शौचालय और स्नानघर के साथ एक घर का निर्माण करना होगा।

शुभ लाभ

का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र R. No. 5305

SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh

Validity : 1 Year from the time of Issue

SUBSCRIPTION FORM

Name : ....

Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-

Mode of Payment : CHEQUE / D.D.

Cheque No. & Date .... Drawn ....

Name of the Executive..............................

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

शिक्षा में निवेश भविष्य का निर्माण है : अदलूरि

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सामाजिक कल्याण मंत्री अदलूरि लक्ष्मण कुमार ने आज कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंथ रेड्डी का दृष्टिकोण-शिक्षा में निवेश करना भविष्य का निर्माण करना है-राज्य के कल्याण एवं शिक्षा सुधारों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है।

वे आज गौली डोड्डी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कॉलेज में आयोजित एस. आर. शंकरन जयंती के अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने छात्रों के साथ संवाद किया और समाज में परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

मंत्री ने एस. आर. शंकरन को सामाजिक न्याय का प्रतीक और देश के सबसे समर्पित आईएएस अधिकारियों में से एक बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उठावना

श्रीमती संतोष संघी

(रिटायर्ड अध्यापिका : अग्रवाल गर्ल्स हाई स्कूल)

(धर्मपत्नी : स्व. श्री उत्तमचंदजी संघी)

स्वर्गवास : मंगलवार दि.21-10-2025

उठावना (महिलाओं एवं पुरुषों के लिए) आज गुरुवार दि.23-10-2025 को मध्याह्न 12:00 से 1:00 बजे तक इडन गार्डन फंक्शन पैलेस, इडनबाग, रामकोट, हैदराबाद पर होगा ।

भजन – शरद गुप्ता द्वारा

– शोकाकुल –

सतीश कुमार संघी, उदय कुमार संघी, केशव कुमार संघी, सुरेश कुमार संघी, सुधीर कुमार संघी, शरद कुमार संघी, आशीष कुमार संघी, अक्षत, हर्ष, गौरव, देवांश, दिवित एवं समस्त संघी परिवार

उत्तमचंद शरद संघी (एडवोकेट)

आशीष संघी

महेश नगर कॉलोनी, चिराग अलि लेन, नामपल्ली, हैदराबाद फोन : 98480 50544, 98489 10502

बैठक – महिलाओं एवं पुरुषों के लिए रविवार दि.26-10-2025 को मध्याह्न 3:00 से 5:00 बजे तक हमारे निवास स्थान पर रहेगी ।

BHAVES

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.